रांची, शुक्रवार
12.06.2026
वर्ष : 11, अंक : 190, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रुपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

SARALA BIRLA UNIVERSITY

YOUR FUTURE STARTS AT
SARALA BIRLA UNIVERSITY

Supported By :
B K BIRLA GROUP OF COMPANIES
ADITYA BIRLA GROUP

ADMISSION OPEN
2026-27

36 LPA
HIGHEST PACKAGE OFFERED

350+MNCs Including

Learn @ SBU Diploma / UG / PG / Ph.D Programs

Engineering & Computer Sciences | Applied Sciences | Pharmacy | Business Management | Commerce | Legal Studies | Social Sciences | Journalism & Mass Communication | Humanities & Linguistics | Yogic Science & Naturopathy | Art, Culture & Sports | Nursing

In Campus Separate Hostel Facility For Girls & Boys | Bus Facility Available

APPLY NOW | LIMITED SEATS
UP TO 50% SCHOLARSHIP

Scan to Apply

INTERNATIONAL ACADEMIC COLLABORATIONS

1800 890 6077
+9195251 10001
admissions@sbu.ac.in
https://sbu.ac.in
Birla Knowledge City, PO. Mahilong, Purulia Road, Ranchi, Jharkhand, India - 835103

इटकी के दो गांवों में विकास योजनाओं का शिलान्यास, बन्धु तिर्की ने रखी आधारशिला

बिभा संवाददाता

इटकी: पूर्व मंत्री सह प्रदेश कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष बन्धु तिर्की ने गुरुवार को इटकी प्रखंड के दो गांवों में महत्वपूर्ण विकास योजनाओं का शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने सामाजिक एवं धार्मिक स्थलों के विकास कार्यों में गुणवत्ता और पारदर्शिता बनाए रखने पर विशेष बल दिया। सबसे पहले चिनारों पुरियों पंचायत के पुरियों गांव में कल्याण विभाग से स्वीकृत 12 लाख 87 हजार रुपये की लागत से बनने वाली अल्पसंख्यक ईसाई कब्रिस्तान घेराबंदी योजना

का शिलान्यास किया गया। इसके बाद चचगुरा गांव में लगभग 25 लाख रुपये की लागत से सरना मसना स्थल घेराबंदी कार्य का शिलान्यास किया गया। इस अवसर पर बन्धु तिर्की ने कहा कि विकास योजनाओं की गुणवत्ता बनाए रखना जनप्रतिनिधियों और समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। विशेष रूप से सामाजिक एवं धार्मिक आस्था से जुड़े स्थलों का विकास बेहतर ढंग से हो, इसका सभी को ध्यान रखना चाहिए। कार्यक्रम में कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष रमेश महली, युवा अध्यक्ष मंजर अंसारी, मुखिया अनिता उरांव, सोहराई गोप, चचगुरा की मुखिया रजनी उरांव, ग्राम प्रधान सुखदेव उरांव, घोमा सिंह, नरेश साहू, पूनम उरांव, आलोक साहू, अनिल लकड़ा, बबलू गुप्ता, पंकज उरांव, जीवन उरांव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

मुरी के पत्रकार के पिता का निधन

सिल्ली : दैनिक अखबार के मुरी संवाददाता संदीप कुमार पाठक के पिता बंकिम चंद्र पाठक (70 वर्ष) का लंबी बीमारी के बाद रांची के एक निजी अस्पताल में हृदय गति रुक जाने से निधन हो गया। उनके निधन की खबर से मुरी एवं आसपास के क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।

स्वर्गीय बंकिम चंद्र पाठक सरल एवं मिलनसार स्वभाव के व्यक्ति थे। वे अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन पर पत्रकारों, सामाजिक कार्यकताओं एवं विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवार को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की है।

शोक संतप्त परिवार के बीच पहुंचे अब्दुल्ला अंसारी, खाद्य सामग्री देकर बढ़ाया मदद का हाथ

बिभा संवाददाता

खलारी: मजदूर नेता एवं पूर्व जिला परिषद सदस्य अब्दुल्ला अंसारी ने चूरी के कालीनगर निवासी स्वर्गीय झरनी देवी के निधन पर उनके आवास पहुंचकर शोक व्यक्त किया। उन्होंने मृतका के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी और दुख की इस घड़ी में हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।इस दौरान अब्दुल्ला अंसारी ने परिवार को खाद्य सामग्री उपलब्ध कराते हुए कहा कि किसी प्रियजन के निधन का दुख अपूरणीय होता है। ऐसे कठिन समय में समाज के लोगों को आगे आकर पीड़ित परिवार का सहारा बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद परिवारों की सहायता करना सामाजिक जिम्मेदारी के साथ-साथ मानवीय कर्तव्य भी है।उन्होंने परिजनों को आश्वस्त किया कि भविष्य में भी किसी प्रकार की आवश्यकता होने पर वे उनके साथ खड़े रहेंगे। मौके पर स्थानीय ग्रामीणों एवं समाजसेवियों ने भी उपस्थित होकर शोक व्यक्त किया तथा परिवार को ढांढस बंधाया।

संक्षिप्त खबरें

स्व. दशरथ बेसरा की प्रथम पुण्यतिथि में श्रद्धांजलि सभा आयोजित

जमशेदपुर(बिभा) : जमशेदपुर प्रखंड अंतर्गत कूदादा ग्राम निवासी स्वर्गीय दशरथ बेसरा की प्रथम पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन श्रद्धा और सम्मान के साथ किया गया। कार्यक्रम में पोटका विधायक संजीव सरदार शामिल हुए और स्व. दशरथ बेसरा की आदमकद प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों, सामाजिक कार्यकताओं और झामुमो नेताओं ने भी दिवंगत नेता को श्रद्धासुमन अर्पित किए। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए विधायक संजीव सरदार ने कहा कि स्व. दशरथ बेसरा का जीवन समाज सेवा, संघर्ष और जनहित के कार्यों के लिए समर्पित रहा। उन्होंने समाज, क्षेत्र और संगठन को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विधायक ने कहा कि उनके विचार, कार्यशैली और जनसेवा की भावना आज की पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है तथा उनका योगदान सदैव स्मरण किया जाएगा। कार्यक्रम में जमशेदपुर, पोटका एवं डुमरिया प्रखंड के झामुमो नेताओं, कार्यकताओं और ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। मौके पर सुदर्शन सरदार, हम्बीर मार्डी, सुधीर बेसरा, सुधीर सोरेन, भगत बास्के, मिर्जा सोरेन सहित झामुमो के कई नेता, कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

डालसा सचिव लुआबासा में ग्रामीणों को दी विधिक जानकारी

जमशेदपुर (बिभा)। नालसा एवं झालसा के निदेर्शानुसार 90 दिवसीय जागरूकता अभियान के तहत प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार जमशेदपुर के अध्यक्ष अरविंद कुमार पांडेय के मार्गदर्शन में गुरुवार को लुआबासा पंचायत भवन में कानूनी जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया । इस शिविर में डालसा सचिव कुमार सौरभ त्रिपाठी , लीगल एड डिफेंस कौंसिल के प्रमुख विदेश सिन्हा एवं लीगल कौंसिल के सदस्य मनोज कुमार सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे । विधिक जागरूकता शिविर में डालसा सचिव ने बाल विवाह , बाल श्रम, पोक्सो एक्ट, घरेलू हिंसा , मानव तस्करी सहित अन्य कानूनों के बारे में विस्तार से जानकारी दिया । वहीं लीगल कौंसिल के सदस्यों ने डालसा के कार्य व उद्देश्य तथा सरकारी योजनाओं के बारे में बताया । इस मौके पर डालसा पीएलवी दिलीप जायशवाल , मनोज महतो, सुनीता कुमारी, रीना तिवारी, सुशांत महतो सहित लुआबासा पंचायत के मुखिया एवं काफी संख्या में ग्रामीण लोग उपस्थित थे ।

सुनील गुप्ता की पहल रंग लाई, दिव्यांग रवि शंकर मिश्रा को मिली बैटरी चलित ट्राई साइकिल

जमशेदपुर(बिभा): बागबेड़ा कॉलोनी पंचायत के पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता की पहल और लगातार प्रयासों का सकारात्मक परिणाम सामने आया है। उनके प्रयास एवं पोटका विधानसभा क्षेत्र के विधायक संजीव सरदार की अनुशंसा पर बागबेड़ा हाउसिंग कॉलोनी रोड नंबर-4 निवासी दिव्यांग रवि शंकर मिश्रा को बैटरी चलित ट्राई साइकिल उपलब्ध कराई गई। जमशेदपुर प्रखंड स्थित बाल विकास परियोजना पदाधिकारी (सीडीपीओ) कार्यालय के माध्यम से रवि शंकर मिश्रा को बैटरी चलित ट्राई साइकिल के साथ हेलमेट, बैटरी चार्जर, साइकिल में हवा भरने की मशीन तथा सुरक्षा के लिए गाड़ी लॉक भी प्रदान किया गया। ट्राई साइकिल मिलते ही रवि शंकर मिश्रा के चेहरे पर खुशी साफ झलकने लगी। 50 वर्षों से सीमित दायरे में जीवन व्यतीत कर रहे रवि शंकर मिश्रा ने कहा कि अब वे अपनी आवश्यकताओं के अनुसार स्वतंत्र रूप से विभिन्न स्थानों तक आ-जा सकेंगे। उनके परिजनों ने भी इस पहल के लिए पंसस सुनील गुप्ता का आभार व्यक्त किया। पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता ने बताया कि रवि शंकर मिश्रा एवं उनके परिवार के सदस्यों ने उनसे बैटरी चलित ट्राई साइकिल उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था। इसके बाद उन्होंने तत्काल विधायक संजीव सरदार से संपर्क कर अनुशंसा करवाई, जिसके फलस्वरूप सीडीपीओ कार्यालय द्वारा यह सुविधा उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर सीडीपीओ कार्यालय के पदाधिकारी, जमशेदपुर प्रखंड प्रमुख पानी सोरेन, पंचायत समिति सदस्य, पंचायत प्रतिनिधि एवं स्थानीय गणमान्य लोग उपस्थित थे।

इटकी साहेब मोड़ के समीप सड़क हादसे में चार युवक गंभीर

बिभा संवाददाता

इटकी : साहेब मोड़ स्थित वाशिंग सेंटर के समीप गुरुवार को एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में इटकी प्रखंड के कर्मी सुजीत कुमार नायक तथा कुंदी सरना टोली के तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जाता है कि दोपहिया वाहनों की आमने-सामने टक्कर में सभी को गंभीर चोटें आईं, जिसके बाद उन्हें प्राथमिक उपचार के उपरांत बेहतर इलाज के लिए रिम्स, रांची रेफर किया गया। घटना की सूचना मिलते ही जन आंदोलन मंच

झारखंड के अध्यक्ष मुतेर्जा आलम ने तत्काल राज्य की मंत्री श्रीमती शिल्पी नेहा तिर्की को मामले से अवगत कराया। मंत्री ने त्वरित पहल करते हुए रिम्स के अधीक्षक से संपर्क कर घायलों के शीघ्र एवं समुचित इलाज का निर्देश दिया, जिसके बाद ट्रॉमा सेंटर में तत्काल उपचार शुरू कराया गया। परिजनों ने बताया कि दुर्घटना के बाद इलाज को लेकर काफी परेशानी हो रही थी और लगभग दो घंटे तक वे चिंतित रहे। मंत्री की पहल से चिकित्सा व्यवस्था सुचारु होने पर परिजनों ने राहत की सांस ली और उनके प्रति आभार व्यक्त किया। जानकारी के अनुसार, दुर्घटना में एक घायल के सिर में गंभीर चोट लगी है। चिकित्सकों द्वारा किए गए सीटी स्कैन में सिर में रक्तस्राव (ब्लड क्लॉट) की पुष्टि हुई है और उसकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। वहीं, कुंदी सरना टोली के तीनों युवक आदिवासी समाज से हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, वे नशे की हालत में दोपहिया वाहन चला रहे थे, जिसके कारण हादसा हुआ। इटकी प्रखंड के कर्मियों एवं घायलों के परिजनों ने मंत्री श्रीमती शिल्पी नेहा तिर्की के त्वरित हस्तक्षेप और सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया तथा घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

जराटोली में सड़क निर्माण की खामियां और ट्रांसफार्मर पर गिरे पेड़ से ग्रामीण परेशान

बिभा संवाददाता

बेड़ो: प्रखंड क्षेत्र के कराँजी-जराटोली में सड़क निर्माण कार्य की खामियों और बिजली विभाग की लापरवाही को लेकर ग्रामीणों में भारी नाराजगी जताई है। ग्रामीणों का आरोप है कि कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की द्वारा शिलान्यास किए गए कराँजी-जराटोली सड़क निर्माण कार्य को लगभग दो माह पूर्व पूरा कर दिया गया, लेकिन नाला निर्माण अधूरा छोड़ दिया गया है।
ग्रामीणों के अनुसार सड़क किनारे केवल कुछ स्थानों पर ही नाला बनाया गया है, जिससे बरसात का पानी निकासी नहीं हो पा रहा है और सड़क पर जगह-जगह जलजमाव की स्थिति बनी हुई है। वहीं सड़क पर कई स्थानों पर बनाए गए स्पीड ब्रेकर ठोकर भी लोगों के लिए परेशानी का कारण बन रहे हैं। लोगों का कहना है कि अधूरे नाला निर्माण के कारण बारिश का पानी सड़क पर जमा हो रहा है, जिससे आवागमन प्रभावित हो रहा है।
इधर लोहरदगा रोड स्थित कराँजी के इराकी मोहल्ला में ट्रांसफार्मर के ऊपर एक बड़ा पेड़ गिर जाने से भी ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है। स्थानीय लोगों के

अनुसार पेड़ के भार से बिजली के तारों पर लगातार दबाव बना हुआ है और किसी भी समय तार टूटकर सड़क पर गिर सकते हैं। इस मार्ग से प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोगों का आना-जाना होता है, ऐसे में बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी हुई है।
ग्रामीणों ने बताया कि दोनों समस्याओं की जानकारी संबंधित विभागों को दी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। क्षेत्रवासियों ने सड़क में जल निकासी की समुचित व्यवस्था करने, अधूरे नाला निर्माण को पूरा कराने तथा ट्रांसफार्मर पर गिरे पेड़ को तत्काल हटाकर बिजली व्यवस्था को सुरक्षित बनाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो बरसात के मौसम में स्थिति और गंभीर हो सकती है।

चान्हों प्रखंड के देसवाली गांव में ग्रामीणों के साथ बैठक, पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने सुनी समस्याएं

चान्हों : प्रखंड के टांगर पंचायत अंतर्गत ग्राम देसवाली में ग्रामीणों के साथ एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में झारखंड सरकार की समन्वय समिति के सदस्य एवं पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा उन पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान कई समस्याओं का मौके पर ही समाधान भी किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए बंधु तिर्की ने कहा कि इस प्रकार की भेंट-मुलाकात और जनसंवाद केवल जनप्रतिनिधियों के लिए ही नहीं, बल्कि ग्रामीणों के जीवन के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि समस्याओं से जूझ रहे ग्रामीण भाई-बहनों के चेहरे पर मुस्कान लाना और उनके जीवन स्तर में सुधार करना ही सबसे बड़ी जिम्मेदारी और खुशी है।

उन्होंने आगे कहा कि जनता के सुख-दुख में सहभागी बनकर उनकी समस्याओं का समाधान करना ही जनसेवा का वास्तविक उद्देश्य है। इसी भावना के साथ वे लगातार क्षेत्र के लोगों के बीच पहुंचकर उनकी बातें सुनने और समाधान करने का प्रयास कर रहे हैं। इस अवसर पर प्रखंड कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मो. इस्तेयाक, पंचायत अध्यक्ष मंगल उरांव, जुलफिकार अली, हरि उरांव, अलबर्ट कुजूर, सुनीता तिर्की सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

साकची बाजार में ट्रैफिक पुलिस का अभियान, नो पार्किंग में खड़े वाहनों पर कसा शिकंजा

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर: साकची बाजार में गुरुवार को ट्रैफिक पुलिस ने अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाकर यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने की पहल की। ट्रैफिक डीएसपी नीरज कुमार के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के दौरान सड़क किनारे किए गए अवैध अतिक्रमण हटाए गए और नो पार्किंग जोन में खड़े वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई।
अभियान की शुरूआत स्ट्रेट माइल रोड और आसपास के बाजार क्षेत्र से हुई। पुलिस टीम ने सड़क किनारे लगे अस्थायी ठेलों और यातायात में बाधा बन रहे अतिक्रमणों को हटाया। वहीं, नो पार्किंग क्षेत्र में खड़े दोपहिया और चारपहिया वाहनों का चालान काटा गया तथा कई वाहनों को मौके से हटवाया गया।

अचानक शुरू हुई कार्रवाई से बाजार क्षेत्र में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा। अतिक्रमण कर कारोबार करने वाले लोगों और गलत स्थान पर वाहन खड़ा करने वालों में हड़कंप मच गया। हालांकि अभियान के बाद सड़कें अपेक्षाकृत साफ और चौड़ी नजर आईं, जिससे यातायात व्यवस्था में सुधार देखने को मिला। ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों के अनुसार, साकची बाजार में बढ़ते अतिक्रमण और अव्यवस्थित पार्किंग के कारण रोजाना जाम की समस्या उत्पन्न हो रही थी। इसी को देखते हुए राहगीरों, दुकानदारों और वाहन चालकों की सुविधा के लिए यह विशेष अभियान चलाया गया।
अभियान के दौरान सड़क किनारे अवैध रूप से खड़े वाहनों को चिन्हित कर मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। कई वाहन चालकों को चेतावनी दी गई, जबकि नियमों का उल्लंघन करने वालों से जुमार्ना वसूला गया।

नियम सबके लिए समान हैं : ट्रैफिक डीएसपी

ट्रैफिक डीएसपी नीरज कुमार ने कहा कि सड़क पर अतिक्रमण और नो पार्किंग में वाहन खड़ा करना किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि साकची समेत शहर के अन्य प्रमुख बाजारों में भी इस तरह का अभियान लगातार चलाया जाएगा, ताकि लोगों को जाम की समस्या से राहत मिल सके।

स्वास्थ्य सेवाओं में जवाबदेही और जमीनी निगरानी पर उपायुक्त का जोर, लापरवाही पर होगी कार्रवाई

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। जमशेदपुर उपायुक्त राजीव रंजन की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग की एक अहम मासिक समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले की स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत को परखना और आम जनमानस तक बेहतरीन चिकित्सा सुविधा पहुंचाना था। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य विभाग का अंतिम लक्ष्य अंतिम व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण इलाज पहुंचाना है। इसके लिए अस्पतालों में नियमित निगरानी, आपसी समन्वय और जवाबदेही तय होनी चाहिए। जन शिकायत पोर्टल की समीक्षा के दौरान उन्होंने लंबित मामलों के तुरंत और गुणवत्तापूर्ण समाधान पर जोर दिया, ताकि आम जनता को स्वास्थ्य सुविधाओं का सीधा लाभ मिल सके।

टीकाकरण और कुपोषण प्रबंधन पर सख्त रणनीति
बैठक में नियमित टीकाकरण (आरआई) और कुपोषण प्रबंधन (एमटीसी) कार्यक्रमों की गहन समीक्षा की गई। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि टीकाकरण सत्रों के दौरान जमीनी स्तर पर वेरिफिकेशन सुनिश्चित किया जाए। जिन बच्चों को अब तक टीका नहीं लगा है, उनकी पहचान कर उन्हें तुरंत टीकाकरण अभियान से जोड़ा जाए। कुपोषण को जड़ से खत्म करने के लिए बहरागोड़ा, घाटशिला, मुसाबनी, पोटका और टेल्को स्थित माल न्यूट्रिशन ट्रीटमेंट सेंटर में बेड ऑक्यूपेंसी बढ़ाने के निर्देश दिए गए। आईसीडीएस और स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से कुपोषित बच्चों की पहचान कर उन्हें बेहतर इलाज मुहैया कराने पर विशेष बल दिया गया।

वज्रपात की चपेट में आने से दो दुधारू मवेशियों की मौत, कई घरों की छत क्षतिग्रस्त

बिभा संवाददाता

बेड़ो: प्रखंड के तुतलो पंचायत अंतर्गत कोटपाली गांव में गुरुवार को हुई वज्रपात की घटना में दो दुधारू गायों की मौत हो गई, जबकि तेज आंधी-तूफान और बारिश से कई घरों को भी भारी नुकसान पहुंचा है। इस घटना से प्रभावित परिवारों के सामने आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है।
जानकारी के अनुसार, किसान अलबिनुस लकड़ा (पिता- मंगरा लकड़ा) एवं उनकी पत्नी परमिला लकड़ा की दो दुधारू गायें वज्रपात की चपेट में आ गईं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। दोनों मवेशियों की कीमत लगभग 65 हजार रुपये से अधिक बताई जा रही है। मवेशियों की मौत से परिवार को भारी आर्थिक क्षति हुई है और जीविकोपार्जन को लेकर चिंता बढ़ गई है।
वहीं दूसरी ओर, दिघिया गांव में तेज आंधी-तूफान और बारिश के कारण रमेश खेस (पिता- स्वर्गीय सोमे खेस) तथा पासकल मिंज (पिता-

जोरेम मिंज) के घरों की एस्बेस्टस शीट उड़कर टूट गई, जिससे घर क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के दौरान घर के अंदर मौजूद एक व्यक्ति घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। घटना की जानकारी मिलते ही बेड़ो उप प्रमुख मुदस्सिर हक ने दूरभाष के माध्यम से आपदा प्रबंधन विभाग एवं संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों से संपर्क कर प्रभावित किसानों एवं ग्रामीणों को शीघ्र मुआवजा उपलब्ध कराने की मांग की। ग्रामीणों ने भी प्रशासन से मांग की है कि प्रभावित परिवारों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जाए, जिससे उन्हें इस कठिन परिस्थिति में राहत मिल सके।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में केईसी इंटरनेशनल का बड़ा कदम, 200 पौधों का रोपण और 1000 सीड बॉल्स का वितरण

खलारी सहित आसपास के क्षेत्रों में चला हरित अभियान, लोगों को प्रकृति संरक्षण के लिए किया गया जागरूक

बिभा संवाददाता

खलारी: पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन का रूप देने और क्षेत्र में हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से केईसी इंटरनेशनल लिमिटेड (जी-903 तोरीझपतरातू रेलवे थर्ड लाइन परियोजना) ने व्यापक वृक्षारोपण एवं जागरूकता अभियान चलाया। परियोजना प्रबंधक सुरेन्द्र साहू के मार्गदर्शन में आयोजित इस अभियान का संचालन मुख्य ईएचएस अधिकारी शाकेत सिंह के नेतृत्व में किया गया।अभियान के दौरान खलारी प्रखंड कार्यालय, विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों, डकरा और चूरी स्थित शिव मंदिर परिसरों, खलारी थाना, पुलिस उपाधीक्षक

कार्यालय तथा मैक्लुस्कीगंज सरकारी अस्पताल सहित कई सार्वजनिक स्थलों पर लगभग 200 फलदार पौधे लगाए गए।इस पहल का उद्देश्य क्षेत्र में हरित आवरण बढ़ाने के साथ-साथ लोगों को वृक्षारोपण के महत्व से जोड़ना रहा।इसके साथ ही खलारी, डकरा, चूरी और मैक्लुस्कीगंज क्षेत्र में लगभग 1000 सीड बॉल्स का वितरण किया गया। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में उपचार के लिए आने वाले मरीजों और आम नागरिकों को सीड बॉल्स देकर उन्हें पौधारोपण के लिए प्रेरित किया गया।वहीं प्रमुख सड़कों के किनारे और अन्य उपयुक्त स्थानों पर सीड बॉल्स का छिड़काव भी किया गया, ताकि प्राकृतिक रूप से अधिक से अधिक पौधों का विकास हो सके।कार्यक्रम को सफल बनाने में अंकेत सिंह, राकेश दास समेत केईसी इंटरनेशनल के कई कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कंपनी की इस पहल को स्थानीय लोगों ने पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास और सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देने वाला सराहनीय प्रयास बताया।केईसी इंटरनेशनल का यह अभियान केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह लोगों में प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी और पर्यावरण संरक्षण की भावना विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है।

रांची, शुक्रवार
12.06.2026
वर्ष : 11, अंक : 190, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रपति आज से उत्तराखंड के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 12 जून से उत्तराखंड के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगी। इस दौरान वह 13 जून को भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगी और पासिंग आउट परेड की सलामी लेंगी। राष्ट्रपति भवन की ओर से गुरुवार को जारी जानकारी के अनुसार, राष्ट्रपति मुर्मु 13 जून को देहरादून स्थित भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) में 158वें रेगुलर कोर्स और 141वें टेक्निकल ग्रेजुएट कोर्स की पासिंग आउट परेड की समीक्षा करेंगी। इस अवसर पर राष्ट्रपति भावी सैन्य अधिकारियों की परेड का निरीक्षण करेंगी तथा प्रशिक्षण पूरा करने वाले कैडेटों की उपलब्धियों का अवलोकन करेंगी। उल्लेखनीय है कि भारतीय सैन्य अकादमी की पासिंग आउट परेड भारतीय सेना के लिए नए अधिकारियों के औपचारिक रूप से सेना में शामिल होने का महत्वपूर्ण अवसर होती है।

रक्षा बजट विवाद पर ब्रिटेन के रक्षा मंत्री ने दिया इस्तीफा

लंदन। ब्रिटेन की सरकार को उस समय बड़ा राजनीतिक झटका लगा जब रक्षा मंत्री जॉन हीली ने रक्षा खर्च को लेकर सरकार से मतभेद के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर को भेजे पत्र में कहा कि मौजूदा सुरक्षा चुनौतियों के मद्देनजर सशस्त्र बलों के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध नहीं कराए जा रहे हैं। अपने इस्तीफे में हीली ने कहा कि प्रस्तावित रक्षा निवेश योजना देश की वास्तविक जरूरतों को पूरा करने में नाकाम रही है। उनका आरोप है कि सरकार और वित्त मंत्रालय आवश्यक वित्तीय प्रतिबद्धताएं सुनिश्चित करने में असफल रहे हैं, जबकि सेना की अतिरिक्त जरूरतों और उनकी लागत का आकलन पहले ही पूरा किया जा चुका था।

हमारा फोकस झारखंड के समग्र विकास पर: हेमन्त सोरेन

बिभा संवाददाता

रांची। नई दिल्ली में नीति आयोग की 11वीं बैठक में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने राज्य के समग्र विकास पर बल दिया। उसकी विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की और केंद्र से सहयोग की अपेक्षा की। समग्र विकास की विचारधारा को रखते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड की खनिज संपदा तभी सार्थक होगी, जब उसे मानव पूंजी से जोड़ा जाए।

उन्होंने झारखंड को केवल खनिज निकालने वाले राज्य के रूप में देखने की परंपरा से अलग विकास की यात्रा में साझेदार बनाने पर बल दिया। अपनी बातों को विस्तार से रखते हुए कहा कि राज्य के संसाधनों का राज्य में ही वैल्यू एडिशन हो, उससे जुड़ा मैनुफैक्चरिंग हो और राज्य की मानव पूंजी का उसमें उपयोग हो। उन्होंने केंद्र सरकार से क्रिटिकल मिनरल्स आधारित उद्योग विकसित करने के साथ साथ नॉलेज, रिसर्च और इनोवेशन के केंद्र विकसित करने में अपेक्षित सहयोग मांगा। टेक्सटाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, ग्रीन-एनर्जी, लॉजिस्टिक्स और एग्रो-फूड प्रोसेसिंग के बड़े निवेश को झारखंड में बढ़ावा देने की वकालत की।

उन्होंने कहा कि माइनिंग और मिनरल्स क्षेत्र में एआई-बेस्ड मिनरल एक्सप्लोरेशन और सस्टेनेबल माइनिंग प्रैक्टिसेज को बढ़ावा देने और झारखंड को उद्योग एवं रोजगार का नया केंद्र बनाने की दिशा में प्रयास जारी है। केंद्र सरकार के सहयोग और मार्गदर्शन के हम आकांक्षी हैं। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल को विकास का मूल आधार बताया।ह्यविकसित भारत 2047ह्ण के लक्ष्य के साथ राज्य को नई दिशा देने की बात कही।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि राज्य में 38 हजार आंगनबाड़ी केंद्रों में से 15 हजार के पास भवन नहीं है। इसके बावजूद पोषण अभियान और सामर से कुपोषण में सुधार हुआ है। बच्चों को प्रतिदिन अंडा उपलब्ध कराया जा रहा है। 5000 नए आंगनबाड़ी भवन राज्य सरकार अपने संसाधनों से बना रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस से अब आईईटी और मेडिकल में बच्चों का चयन होने लगा है । राज्य सरकार 5000 उत्कृष्ट विद्यालय बनाने के लक्ष्य पर काम कर रही है। उन्होंने पीएम श्री और केंद्रीय विद्यालयों की संख्या बढ़ाने की मांग रखी। झारखंड में एनसीईआरटी का क्षेत्रीय केंद्र स्थापित करने का आग्रह भी किया गया।

मुख्यमंत्री ने राज्य की विकास योजनाओं का खाका रखते हुए कहा कि राज्य हर साल एक लाख से अधिक युवाओं को रोजगार से जोड़ रहा है। सारथी योजना के तहत 6.76 लाख युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया है। एआई, ईवी, ड्रोन और सोलर जैसे क्षेत्रों में युवाओं को तैयार किया जा रहा है। 53 हजार महिलाओं को आधुनिक तकनीकी क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया गया है। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को पंचायत स्तर तक पहुंचाने पर जोर दिया।

हेमंत सोरेन ने बताया कि राज्य में 1276 दवा दुकानें ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित हो रही हैं। मेडिकल कॉलेजों में यूजी और पीजी सीट बढ़ाने का प्रस्ताव लंबित है। एआई आधारित डिजिटल हेल्थ प्रोफाइल बनाने की योजना पर भी काम चल रहा है।

सोरेन ने कहा कि झारखंड के खिलाड़ी हॉकी, फुटबॉल और एथलेटिक्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। राज्य राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है। उन्होंने झारखंड में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की मांग की। खेल संघों में सुधार और पारदर्शिता की जरूरत पर भी उन्होंने जोर दिया।

नीति आयोग की शासी परिषद की 11 वीं बैठक में हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य में 10 लाख से अधिक पोषण वाटिकाएं विकसित की गई हैं।

1.5 लाख एकड़ में फलदार पौधरोपण किया गया है। झारखंड का आम अब अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच रहा है। उन्होंने कृषि को कुपोषण से लड़ने के प्रभावी साधन के रूप में प्रस्तुत किया।

राज्य एआई आधारित सीएम डेटा इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म विकसित कर रहा है। इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर पर भी काम जारी है। डेटा शेयरिंग को समयबद्ध बनाने का आग्रह केंद्र से किया गया। डीबीटी में पारदर्शिता और डिजिटल धोखाधड़ी रोकने पर जोर दिया गया।

जल जीवन मिशन की शेष 6000 करोड़ राशि जल्द जारी करने की मांग की गई। कोयला कंपनियों पर 1.36 लाख करोड़ के बकाया भुगतान की बात उठाई गई। डीएमएफटी के मानकों में संशोधन की आवश्यकता जताई गई।

भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को सरल बनाने का आग्रह किया गया। स्कूली शिक्षा से संबंधित विभिन्न निधियों और योजनाओं को एकीकृत किया करने पर बल दिया गया

पीपीपी मोड में 6 नए मेडिकल कॉलेजों में से 4 को स्वीकृति मिल चुकी है। शेष 2 की स्वीकृति भी शीघ्र प्रदान की जाए।

झारखण्ड को राष्ट्रीय, एशियाई और अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं तथा खेल महाकुंभों की मेजबानी का अवसर दिया जाए।

झारखण्ड के सात जिले डीवीसी कमांड एरिया के अंतर्गत हैं और 12-13 जिले सीसीएल, ईसीएल एवं अन्य केंद्रीय उपक्रमों के उच्च कमांड एरिया में आते हैं। इन क्षेत्रों में सामाजिक आधारभूत संरचना निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण और भूमि स्वामित्व संबंधी अनुमति प्रक्रियाओं में राज्य सरकार को आवश्यक छूट और सरलीकरण प्रदान किया जाए

सड़क हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत, चार गंभीर

बिभा संवाददाता

गुमला। बसिया-कोलेबीरा थाना क्षेत्र के सीमांत स्थित अघरमा गांव में गुरुवार को एक सड़क हादसे में तीन मासूम बच्चों सहित पांच लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार स्कॉर्पियो (जेएच 01 बीएम 5454) में सवार एक ही परिवार के नौ लोग लोहरदगा से कोलेबिरा प्रखंड के लसिया मेहमानी आ रहे थे। कार जब अघरमा गांव के समीप पहुंची तो चालक ने अपना नियंत्रण खो दिया और कार सड़क के किनारे एक पेड़ से जा टकराई। इस दौरान स्कार्पियों की रफ्तार काफी तेज थी। लिहाजा कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में मरने वालों की पहचान लोहरदगा निवासी 58 वर्षीय गुलाम मुस्तफा, 5 वर्षीय अर्श हाशमी, 3 वर्षीय अनाबिया परवीन, 55 वर्षीय गुलशन और लसिया कोलेबिरा प्रखंड निवासी डेढ़ वर्षीय आयरा परवीन रूप में हुई।

गुलाम मुस्तफा एवं गुलशन दोनों पति-पत्नी थे। दुर्घटना के बाद वाहन में सवार लोगों की रोने की आवाज सुनकर अगल-बगल के लोग दुर्घटना स्थल पहुंचे। दुर्घटनाग्रस्त वाहन में फंसे सभी घायलों को किसी तरह बाहर निकाला। ग्रामीणों ने 108 एंबुलेंस को फोन किया जो आधा घंटे की देरी पहुंची। इस बीच कुछ घायलों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। इधर, घटना की जानकारी मिलते ही कोलेबिरा पुलिस तत्काल घटनास्थल पहुंची और गंभीर रूप से घायल एक महिला-एक पुरुष को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। मगर चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। स्थानीय ग्रामीणों ने अपने-अपने वाहनों से अन्य घायलों को उठाकर तत्काल कोनबीर रेफरल अस्पताल ले गए। जहां पर चिकित्सकों ने 5 वर्षीय उमर नवाज, पिता अर्श नवाज, 28 वर्षीय हिना परवीन, 33 वर्षीय अकरम खलीफा एवं 30 वर्षीय नेहा परवीन को बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया। वहीं, पुलिस ने मृतक के शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवा दिया।

केंद्र और राज्य मिलकर दे सकते हैं विकसित भारत के साझा लक्ष्य को गति : प्रधानमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि केंद्र और राज्य विकास के साझेदार के रूप में मिलकर कार्य करें तो भारत ह्यविकसित भारतह्ण के साझा लक्ष्य की दिशा में और अधिक तेजी से आगे बढ़ सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज नीति आयोग की 11वीं शासी परिषद की बैठक की अध्यक्षता की।

नीति आयोग की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री ने बैठक में कहा कि दुनिया इस समय अनिश्चितता और अस्थिरता के दौर से गुजर रही है, लेकिन भारत आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ अपनी विकास यात्रा को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए सभी की सामूहिक जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्यों के बीच सहयोग, संवाद और अनुभवों का आदान-प्रदान विकास का आधार होना चाहिए। उन्होंने कहा कि नीति आयोग राज्यों के बीच समन्वय और सहयोग को बढ़ावा देने वाला एक प्रभावी मंच बन सकता है। राज्य एक-दूसरे के अनुभवों से सीखते हुए विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में मिलकर कार्य कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते किए हैं, जिनसे विकास और निर्यात के नए अवसर पैदा हुए हैं। उन्होंने कहा कि ये समझौते सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए भी वैश्विक बाजारों में प्रवेश का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं। इसके लिए उन्हें अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप अपनी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ानी होगी।

उन्होंने कहा कि भारत की जनसांख्यिकीय शक्ति एक ऐतिहासिक अवसर है। इसे खोया नहीं जा सकता। युवाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, मांग आधारित कौशल विकास और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए। सशक्त युवा विकसित भारत की यात्रा के प्रमुख प्रेरक बनेंगे।

उन्होंने कहा कि महिला नेतृत्व वाला विकास विकसित भारत की परिकल्पना का महत्वपूर्ण आधार है। कृषि, स्टार्टअप, विज्ञान और नवाचार सहित विभिन्न क्षेत्रों में महिलाएं महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। राज्यों को महिलाओं की शिक्षा, कौशल विकास, सुरक्षा और सशक्तिकरण को प्राथमिकता देनी चाहिए, ताकि उनकी पूरी क्षमता का उपयोग देश के विकास में हो सके।

राज्यसभा की 21 सीटों पर निर्विरोध चुनाव में भाजपा के 12, कांग्रेस के चार उम्मीदवार निर्वाचित

एजेंसी

नई दिल्ली: देश के 10 राज्यों की 24 राज्यसभा सीटों के लिए हो रहे द्विवार्षिक चुनाव में 21 सीटों पर उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित घोषित किये गये हैं। इसके अलावा तीन राज्यों की तीन राज्यसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में भी उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं।

झारखंड की दो तथा मिजोरम की एक सीट पर 18 जून को मतदान होगा। झारखंड की दो सीटों के लिए तीन उम्मीदवार मैदान में हैं। इनमें झामुमो के बैद्यनाथ राम, कांग्रेस के प्रणव झा तथा भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नाथवानी शामिल हैं। वहीं मिजोरम की एक सीट के लिए एमएनएफ के निवर्तमान सदस्य के. वनलालवेना और जेडपीएम समर्थित लालह्मिंगलियाना चुनाव मैदान में हैं।

राज्यसभा की जिन 21 सीटों पर उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं, उनके लिए नाम वापस लेने की अंतिम तिथि गुरुवार थी। आठ राज्यों की 21 सीटों के लिए 21 उम्मीदवारों के नामांकन पत्र वैध पाए गए और उनके विरुद्ध कोई अन्य प्रत्याशी मैदान में नहीं होने के कारण उन्हें निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया।

मध्य प्रदेश में तीन सीटों के लिए चार उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किए थे लेकिन कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन पत्र निरस्त किए जाने के बाद तीन सीटों के लिए केवल तीन उम्मीदवार ही शेष बचे। इसके मद्देनजर तीनों को निर्वाचित घोषित कर दिया गया। सुश्री नटराजन ने नामांकन पत्र रद्द किए जाने के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर की है, जिस पर शुक्रवार को सुनवाई होगी।

निर्विरोध निर्वाचित 21 उम्मीदवारों में भाजपा के 12, कांग्रेस के चार, तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के तीन, जनसेना पार्टी का एक तथा नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) का एक उम्मीदवार शामिल है।

भाजपा के 12 उम्मीदवार छह राज्यों से निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। इनमें अरुणाचल प्रदेश से एक, गुजरात से चार, कर्नाटक से एक, मध्य प्रदेश से तीन, मणिपुर से एक तथा राजस्थान से दो उम्मीदवार शामिल हैं।

कांग्रेस के जो चार उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं, उनमें कर्नाटक से तीन तथा राजस्थान से एक उम्मीदवार शामिल है। आंध्र प्रदेश की चार सीटों में से तेलुगु देशम पार्टी ने तीन और जनसेना पार्टी ने एक सीट जीती है। मेघालय की एक सीट पर नेशनल पीपुल्स पार्टी का उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हुआ है। राज्यसभा की तीन सीटों पर हुए उपचुनाव में महाराष्ट्र की एक सीट राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) को मिली है। तमिलनाडु की एक सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं, जबकि ओडिशा की एक सीट भाजपा के खाते में गई है।

बिहार : पवन सिंह बने एमएलसी, निशांत समेत सभी 10 उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित

पटना। बिहार विधान परिषद के द्विवार्षिक चुनाव और एक सीट पर उपचुनाव के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। भोजपुरी सिनेमा के चर्चित गायक और अभिनेता पवन सिंह सहित एनडीए के सभी नौ और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के एक उम्मीदवार ने निर्विरोध जीत दर्ज की।

गुरुवार को नाम वापसी की अवधि खत्म होने के बाद सभी को विजयी घोषित कर दिया गया। विधान परिषद की विधानसभा कोटे वाली 9 सीटों पर द्विवार्षिक चुनाव के लिए नौ उम्मीदवार तथा पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा खाली की गई एक सीट पर भी उपचुनाव हुआ, जिसके लिए एक उम्मीदवार पर्चा भरा था। सोमवार को कुल 10 सीटों पर 10 उम्मीदवारों ने नामांकन किया था। इनमें से नौ सीटों पर एनडीए और विपक्ष की ओर से राजद के एक प्रत्याशी ने पर्चा भरा। वैसे सबसे अधिक चर्चा एनडीए में शामिल राष्ट्रीय लोक मोर्चा को एक भी सीट नहीं देने को लेकर हो रही है।

लातेहार में पानी से भरे गड्ढे में डूबकर दो मासूम बहनों की मौत

बिभा संवाददाता

लातेहार। जिले के बारियातू थाना क्षेत्र अंतर्गत बरवाडीह गांव में गुरुवार को पानी से भरे गड्ढे में डूबने से दो चचेरी बहनों की मौत हो गई।मृतकों की पहचान कामेश्वर गंझू की पुत्री प्रियंका कुमारी (11)और मनोज गंझू की पुत्री संजू कुमारी (9) के रूप में हुई है।

ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार, ईंट निर्माण के लिए मिट्टी की खुदाई के बाद वहां बड़ा गड्ढा छोड़ दिया गया था, जो हाल की बारिश के कारण पानी से भर गया था। गुरुवार दोनों बच्चियां घर से खेलने निकली थीं। काफी देर तक वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उनकी खोजबीन शुरू की। इसी दौरान ग्रामीणों को हगनीगढ़ा स्थित गड्ढे में दोनों बच्चियों के शव पड़े होने की सूचना मिली। सूचना पर परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे और शवों को बाहर निकाला, लेकिन तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी।

बाद में घटना की जानकारी मिलते ही बारियातू थाना प्रभारी रंजन कुमार पासवान पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए लातेहार सदर अस्पताल भेज दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है। इधर, ग्रामीणों ने अवैध रूप से गड्ढा खोदकर छोड़ने वाले व्यक्ति पर कार्रवाई करने की मांग की है।

बोकारो निवासी सद्दाम हुसैन शौर्य चक्र से सम्मानित

बिभा संवाददाता

बोकारो । देश की सुरक्षा के लिए अदम्य साहस और वीरता का परिचय देने वाले सीआरपीएफ के जवान सिपाही/जीडी सद्दाम हुसैन को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रतिष्ठित ₹शौर्य चक्र₹ से सम्मानित किया है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में आतंकवादियों के खिलाफ चलाए गए एक बेहद जोखिमपूर्ण अभियान में असाधारण बहादुरी का प्रदर्शन किया था। सद्दाम हुसैन बोकारो स्टील सिटी के कैंप-2 निवासी मोहम्मद राशिद के पुत्र हैं। पुरस्कार मिलने के बाद मोहल्ले वासियों ने सद्दाम हुसैन का गर्म जोशी से स्वागत किया। उनके माता-पिता और पत्नी ने कहा कि सद्दाम देश की सेवा में लगे हैं उनपर उन्हें गर्व।

ज्ञात हो कि 5 नवंबर 2024 को सुरक्षा एजेंसियों को बांदीपोरा के चुट्टावाडी-कैत्सुन जंगल क्षेत्र में दो विदेशी आतंकवादियों के छिपे होने की विश्वसनीय सूचना मिली थी। इसके बाद सीआरपीएफ की तीसरी बटालियन, 26 असम राइफल्स और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने संयुक्त रूप से घेराबंदी एवं तलाशी अभियान शुरू किया। अभियान के दौरान आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच भीषण मुठभेड़ शुरू हो गई। आतंकवादी एक मकान के अंदर छिपे हुए थे और उन तक पहुंचना बेहद चुनौतीपूर्ण था। ऐसे कठिन हालात में सिपाही सद्दाम हुसैन ने उत्तर-पूर्व दिशा में मोर्चा संभाला और लगातार हो रही गोलीबारी के बीच भी अपनी स्थिति नहीं छोड़ी।

जब मकान के प्रवेश द्वार को तोड़ना आवश्यक हो गया, तब उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना आगे बढ़कर मात्र 25 मीटर की दूरी से यूबीजीएल (अंडर बैरल ग्रेनेड लॉन्चर) का सटीक राउंड दागा। यह निशाना सीधे एक आतंकवादी को लगा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। बाद में अभियान के दौरान वह आतंकवादी मृत पाया गया। सिपाही सद्दाम हुसैन की बहादुरी, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्र सेवा के प्रति समर्पण को देखते हुए उन्हें देश के प्रमुख वीरता पुरस्कारों में से एक शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया है। उनका यह साहसिक कार्य सुरक्षा बलों के लिए प्रेरणा और देशवासियों के लिए गर्व का विषय है।

चंदनकियारी की बेटी बबीता हेम्ब्रम को मिलेगा बिस्मिलाह खां युवा पुरस्कार

बिभा संवाददाता

चंदनकियारी (बोकारो) : झारखंड राज्य तथा जनजाति समाज के लिए गर्व का विषय है कि बोकारो जिले के चंदनकियारी प्रखंड अंतर्गत संथाल लाघला ग्राम की प्रतिभाशाली लोक कलाकार बबीता हेम्ब्रम को संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली द्वारा प्रतिष्ठित बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार से सम्मानित किए जाने हेतु चयनित किया गया है। सुश्री बबीता हेम्ब्रम ने संथाली लोकनृत्य एवं लोकसंगीत के संरक्षण, संवर्धन तथा प्रचार-प्रसार में उल्लेखनीय योगदान दिया है। अपनी प्रतिभा, समर्पण और निरंतर साधना के माध्यम से उन्होंने न केवल झारखंड बल्कि पूरे आदिवासी समाज की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है।

इस उपलब्धि पर क्षेत्र के कलाकारों, सांस्कृतिक प्रेमियों एवं समाज के विभिन्न वर्गों में हर्ष का वातावरण है। यह सम्मान संथाली लोककला एवं संस्कृति को राष्ट्रीय मंच पर नई पहचान प्रदान करेगा तथा युवा कलाकारों को अपनी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण हेतु प्रेरित करेगा। चंदनकियारी का यह दूसरा राष्ट्रीय पुरस्कार है। इसके पूर्व खेदाबेडा, चंदनकियारी के छऊ कलाकार परीक्षित महतो को संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार मिल चुका है।

छऊ केंद्र, चंदनकियारी के समन्वयक डॉ. संजय ने सुश्री बबीता हेम्ब्रम की प्रतिभा एवं सांस्कृतिक योगदान को देखते हुए उनके नाम की अनुशंसा की थी। उनके चयन पर डॉ. संजय ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान पूरे झारखंड, विशेषकर संथाल समुदाय के लिए गौरव का विषय है। बबीता हेम्ब्रम की इस उपलब्धि पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, सांस्कृतिक संस्थाओं, कलाकारों एवं आम नागरिकों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं।

संक्षिप्त खबरें

दामोदर नदी से अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद, जांच में जुटी पुलिस

बोकारो(बिभा) । भोजूडीह ओपी क्षेत्र अंतर्गत सिंह बस्ती (भीमगड़ा) के समीप दामोदर नदी से पुलिस ने एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद किया है। नदी में शव मिलने की सूचना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। जानकारी के अनुसार, स्थानीय ग्रामीणों ने दामोदर नदी में एक शव को तैरते हुए देखा और इसकी सूचना तुरंत भोजूडीह ओपी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही ओपी प्रभारी कुंदन कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की मदद से शव को नदी से बाहर निकलवाया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। समाचार लिखे जाने तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी थी। पुलिस के अनुसार मृतक की उम्र लगभग 55 वर्ष प्रतीत होती है। शव की शिनाख्त के लिए आसपास के थानों में दर्ज गुमशुदगी के मामलों की जांच की जा रही है। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि मौत दुर्घटना, आत्महत्या अथवा किसी अन्य कारण से हुई है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। घटना के बाद सिंह बस्ती एवं आसपास के क्षेत्रों में तरह-तरह की चचाओं का दौर जारी है। पुलिस ने जल्द ही मृतक की पहचान कर मामले का खुलासा करने का भरोसा जताया है।

दूंदीबाद फल मंडी में लगी आग, कई गोदाम और झोपड़ियां चपेट में

बोकारो(बिभा) : दूंदीबाद फल मंडी में देर रात अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। रात करीब 11 बजे लगी आग ने देखते ही देखते मंडी के कुछ फल गोदामों और आसपास स्थित झोपड़ियों को अपनी चपेट में ले लिया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर जुट गए और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। सूचना पाकर फायर ब्रिगेड की टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग की लपटें तेज होने के कारण कुछ समय तक पूरे इलाके में दहशत का माहौल बना रहा। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली। हालांकि आग से गोदामों और झोपड़ियों में रखे सामान को नुकसान पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। देर रात तक नुकसान का आकलन किया जा रहा था। आग लगने के कारणों का तत्काल पता नहीं चल सका है। पुलिस और संबंधित विभाग मामले की जांच में जुट गए हैं।

खैराचातर सार्वजनिक हरि मंदिर में 48 घंटे का अखंड हरि कीर्तन शुरू, आस्था का उमड़ा सैलाब

कसमार (बोकारो)(बिभा): प्रखंड के खैराचातर सार्वजनिक हरि मंदिर मेन रोड में गुरुवार से 16 प्रहर (48 घंटे) के अखंड हरि कीर्तन का भव्य शुभारंभ हो गया। इस धार्मिक अनुष्ठान को लेकर पूरे क्षेत्र का माहौल भक्तिमय हो गया है और ग्रामीणों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। पूजा समिति के पदाधिकारी महेंद्र कुमार जायसवाल और अमरेश जायसवाल ने बताया कि आयोजन के पहले दिन प्रातः काल में शिव मंदिर से लेकर हरि मंदिर तक एक भव्य धर्म यात्रा निकाली गई। इस यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और भक्तजन शामिल हुए। तत्पश्चात, विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद हरि कीर्तन का प्रारंभ किया गया। यह अखंड कीर्तन आगामी 13 जून 2026 को प्रातः 6 बजे तक अनवरत चलेगा। इस समागम में अपनी कला और भक्ति का प्रदर्शन करने के लिए दूर-दूर से प्रसिद्ध कीर्तन मंडलियाँ पहुँची हैं। समिति के अनुसार पश्चिम बंगाल के पुरूलिया जिला (झालदा थाना क्षेत्र) से जालावगिरि, मटियारा, होरोटांग और काशीडीह की मंडलियाँ शामिल हैं। स्थानीय स्तर पर कसमार के मुरहुलसुदी की कीर्तन मंडली भी अपनी प्रस्तुति दे रही है। 12 जून की रात्रि को बांकुड़ा की सुप्रसिद्ध पाला गीत टीम द्वारा विशेष धार्मिक और सांस्कृतिक प्रस्तुति दी जाएगी। इस धार्मिक उत्सव को सफल बनाने में पूजा समिति के संजय जायसवाल, दीपक जायसवाल, अनिष जायसवाल, अनिरुद्ध जायसवाल, गौतम सागर, कुमार गौरव, विजय जायसवाल, राखी जायसवाल, जानकी देवी, गायत्री देवी, प्रतिमा जायसवाल, स्वर्णलता जायसवाल, नीरा जायसवाल, नीलम जायसवाल, नीरू देवी, राजेश रंजन जायसवाल, श्याम प्रकाश जायसवाल, कृष्णा जायसवाल, निशांत जायसवाल और प्रकाश रंजन जायसवाल सहित कई अन्य ग्रामीण व श्रद्धालु सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं।

बोकारो लेक रोड हादसे में घायल बबीता की मौत, शोक में डूबा विद्यालय परिवार

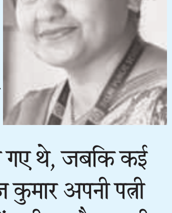

बोकारो(बिभा) । सिटी थाना क्षेत्र के लेक रोड पर बुधवार देर रात हुई भीषण सड़क दुर्घटना ने गुरुवार को एक और दुखद मोड़ ले लिया। हादसे में गंभीर रूप से घायल बीएसएल कर्मी मनोज कुमार की पत्नी बबीता का दोपहर बाद इलाज के दौरान निधन हो गया। वे सेक्टर-5 स्थित जूनियर डीपीएस स्कूल में नर्स के पद पर कार्यरत थीं। बुधवार रात दो कारों की आमने-सामने की टक्कर में छह लोग घायल हो गए थे, जबकि कई अन्य लोग भी चोटिल हुए थे। हादसे के समय मनोज कुमार अपनी पत्नी बबीता और बेटी के साथ घर लौट रहे थे। दुर्घटना में बबीता और उनकी बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई थीं, जिन्हें बोकारो जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान गुरुवार दोपहर बबीता ने दम तोड़ दिया, जबकि उनकी बेटी का इलाज जारी है।

बीएसएल में लाइन ऑफ फायर प्रबंधन विषय पर सुरक्षा अधिकारियों के साथ सुरक्षा संवाद आयोजित

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो इस्पात संयंत्र में कार्यस्थल सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से अधिशासी निदेशक (संकार्य) के सभागार में संयंत्र के विभिन्न विभागों के सुरक्षा अधिकारियों के साथ लाइन ऑफ फायर प्रबंधन विषय पर एक महत्वपूर्ण सुरक्षा संवाद आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान कार्यस्थल पर संभावित जोखिमों की पहचान, दुर्घटना निवारण उपायों तथा सुरक्षित कार्य प्रणालियों के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में एक विस्तृत प्रस्तुतीकरण के माध्यम से लाइन ऑफ फायर की अवधारणा, इससे जुड़े संभावित जोखिमों, नियंत्रण उपायों तथा दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु अपनाई जाने वाली सर्वोत्तम कार्य प्रणालियों की जानकारी साझा की गई। सत्र में उदाहरणों और व्यावहारिक परिस्थितियों के माध्यम से कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में ₹लाइन ऑफ फायर प्रबंधन₹ के महत्व को रेखांकित किया गया। इस अवसर पर कार्यवाहक अधिशासी निदेशक (संकार्य) ने सभी सुरक्षा अधिकारियों के साथ विभिन्न विभागों में विद्यमान संभावित खतरों, जोखिम नियंत्रण उपायों तथा सुरक्षा प्रबंधन की प्रभावशीलता पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने अधिकारियों से कर्मचारियों के बीच लाइन ऑफ फायर संबंधी जोखिमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने, सुरक्षित कार्य व्यवहार को प्रोत्साहित करने तथा सुरक्षा नियमों एवं प्रक्रियाओं का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

संवाद के दौरान सुरक्षा अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों में संचालित सुरक्षा पहलों, सर्वोत्तम प्रथाओं तथा कार्यान्वयन के दौरान आने वाली चुनौतियों से संबंधित अनुभव साझा किए। बैठक में सुरक्षा संस्कृति को और अधिक सशक्त बनाने, जोखिम-आधारित सुरक्षा प्रबंधन को बढ़ावा देने तथा शून्य दुर्घटना के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु सामूहिक एवं सतत प्रयासों की आवश्यकता पर विशेष बल दिया गया।

कोटपा-2003 के तहत चास थाना क्षेत्र में चलाया गया छापामारी अभियान : जिला परामर्शी

बिभा संवाददाता

बोकारो। गुरुवार को उपायुक्त बोकारो के आदेशानुसार एवं डॉ. अभय भूषण प्रसाद, सिविल सर्जन, बोकारो के निर्देशन में तंबाकू उत्पाद अधिनियम-2003 (कोटपा-2003) की धारा 4, 6ए, 6बी एवं 6सी के तहत विशेष जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान जिला छापामारी दल के सदस्य मो. असलम द्वारा चास थाना क्षेत्र के महावीर चौक, धर्मशाला मोड़, चास चेकपोस्ट तथा स्कूल एवं अस्पतालों के आसपास कुल 53 दुकानों की जांच की गई। जांच के दौरान 10 दुकानदारों/व्यक्तियों को कोटपा कानून का उल्लंघन करते हुए पाया गया, जिनसे अर्थदंड के रूप में कुल 5,600 की वसूली की गई।

जिला परामर्शी मो. असलम ने बताया कि कोटपा संशोधन अधिनियम 2021 के तहत सभी दुकानदार निम्न धाराओं का अनुपालन अवश्य करें। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी गुलाब लकड़ा द्वारा सभी होटल/रेस्टोरेंट मालिकों से अनुरोध किया गया कि वे अपने प्रतिष्ठान में गैर धूम्रपान क्षेत्र का पोस्टर/दीवार लेखन सरकारी मानक 60 सेमी . 45 सेमी के अनुसार अनिवार्य रूप से लगाएं। अन्यथा कोटपा-2003 की धारा-4 के तहत 1000 तक का जुमार्ना लगाया जा सकता है। इस अवसर पर खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी गुलाब लकड़ा, मो. असलम (जिला परामर्शी, तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम) एवं आनंद कुमार उपस्थित थे।

चास नगर निगम द्वारा पर्यावरण संरक्षण को लेकर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित

बिभा संवाददाता

बोकारो। चास नगर निगम द्वारा शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं हरित बनाने के उद्देश्य से पर्यावरण संरक्षण अभियान के अंतर्गत आज बहुद्देशीय संस्कृति भवन परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में चास नगर निगम के महापौर भोलू पासवान, उपमहापौर पूजा कुमारी, नगर आयुक्त संजीव कुमार एवं सहायक नगर आयुक्त स्मिता किरण ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यक्रम की शुरूआत में महापौर भोलू पासवान ने उपस्थित सभी आगंतुकों को पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन की शपथ दिलाई। वहीं, उपमहापौर पूजा कुमारी ने सभी को तंबाकू सेवन त्यागने एवं नशामुक्त जीवन अपनाने की शपथ दिलाई।

इस अवसर पर महापौर भोलू पासवान ने कहा कि चास नगर निगम क्षेत्र के सभी नागरिक अपने-अपने घरों के सामने कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं, ताकि पर्यावरण संतुलित रहे और शहर हरियाली से आच्छादित हो सके।

उपमहापौर पूजा कुमारी ने कहा कि पौधा है तो जीवन है। उन्होंने नागरिकों से अधिकाधिक पौधारोपण करने की अपील करते हुए कहा कि पेड़-पौधे न केवल ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, बल्कि पर्यावरण को शुद्ध एवं स्वस्थ बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। नगर आयुक्त संजीव कुमार ने कहा कि सभी लोग अपने घरों, अपार्टमेंटों एवं आसपास के क्षेत्रों में अधिक से अधिक पेड़ लगाएं। वृक्षारोपण से शुद्ध वातावरण प्राप्त होता है, गर्मी के मौसम में छाया मिलती है तथा पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलता है। कार्यक्रम में वार्ड पार्षदगण, नगर प्रबंधक, स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की महिलाएं, नगर निगम के पदाधिकारी, कार्यालयकर्मी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

बोकारो रक्तवीर संस्थापक अध्यक्ष संजय शर्मा के जन्मदिन पर रक्तदान शिविर आयोजित, 21 यूनिट रक्त संग्रहित

बिभा संवाददाता

बोकारो: बोकारो रक्तवीर परिवार व के आर फिटनेस के संयुक्त तत्वाधान में संस्थापक अध्यक्ष एवं समाजसेवी संजय शर्मा के जन्मदिन के अवसर पर रविवार को रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में चास एसडीपीओ वेदांत शंकर और बोकारो ट्रैफिक डीएसपी अजय प्रसाद उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान संजय शर्मा ने स्वयं 57वां रक्तदान कर पहल का उदाहरण पेश किया।

कार्यक्रम की शुरूआत डीएसपी अजय प्रसाद ने रक्तदान कर की। उन्होंने कहा कि जन्मदिन जैसे अवसरों पर उत्सव के साथ-साथ रक्तदान जैसी समाजसेवा करना अत्यंत सराहनीय है। ऐसे अवसरों पर लोग जहां जश्न मनाते हैं, वहीं रक्तदान कर अनेक जिंदगियों को बचाया जा सकता है। उन्होंने संजय शर्मा और उनकी संस्था को बधाई दी। चास एसडीपीओ वेदांत शंकर ने भी रक्तदान को जीवन रक्षक कार्य बताते हुए कहा कि इससे दाता को कोई नुकसान नहीं होता और नियमित रूप से ऐसे शिविर आयोजित करते रहना चाहिए। वे नागरिकों से भी मौके मिलने पर अवश्य रक्तदान करने का आग्रह किया।

शिविर में कुल 21 यूनिट रक्त संग्रहित किए गए। रक्त संग्रहण में के एम मेमोरियल ब्लड सेंटर की टीम का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के सचिव विनय कुमार, रजनीश तिवारी, हामिद खान (जिन्होंने अपना 51वां रक्तदान किया), साहिल, लोकनाथ, ऋतुराज तथा के आर फिटनेस के अलख शर्मा, कुमुद रंजन, मनोज, चंदन और यश सहित अन्य सदस्यों ने अहम भूमिका निभाई।

रक्तवीरों ने कहा कि ऐसे दिनों को समाज सेवा के रूप में मनाना प्रेरणादायक है और उन्होंने आम जनता से नियमित रूप से रक्तदान कर जरूरतमंदों की जान बचाने की अपील की।

ओएनजीसी सीबीएम ने दिव्यांगों को बांटे 10 बैटरी ट्रायसाइकिल, उपायुक्त ने किया समर्थन व्यक्त

बिभा संवाददाता

बोकारो। ओएनजीसी सीबीएम परिसंपत्ति, बोकारो द्वारा आज राज्य के हित में चलाए जा रहे सीएसआर कार्यक्रम के तहत 10 दिव्यांग लाभार्थियों को बैटरी ऑपरेटेड ट्रायसाइकिल प्रदान किए गए। वितरण समारोह उपायुक्त कार्यालय, बोकारो में आयोजित किया गया, जिसमें उपायुक्त अजय नाथ झा और परिसंपत्ति प्रबंधक राजीव कुमार सिन्हा ने समाहार रूप से ट्रायसाइकिलें लाभार्थियों के करे-कमलों से सौंपीं।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग व्यक्तियों को सामाजिक मुख्यधारा से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना व उन्हें गरिमापूर्ण जीवन प्रदान करना बताया गया। उपायुक्त अजय नाथ झा ने ओएनजीसी के इस नेक प्रयास के लिए संस्था का धन्यवाद करते हुए कहा कि ऐसे पहलें स्थानीय समुदाय के सकारात्मक विकास में महत्वपूर्ण रोल निभाती हैं।

परिसंपत्ति प्रबंधक राजीव कुमार सिन्हा ने उपस्थित दिव्यांग लाभार्थियों को शुभकामनाएँ दीं और आश्वस्त किया कि ओएनजीसी हमेशा दिव्यांगों के सर्वांगीण विकास एवं सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध रहेगा। कार्यक्रम में डीडीसी सुश्री शताब्दी मजूमदार, चास एसडीओ सुश्री प्रांजल ढांढा के साथ ही ओएनजीसी सीबीएम परिसंपत्ति की ओर से प्रमुख मानव संसाधन दयानंद कालूंदिया, उपमहाप्रबंधक सह प्रभारी सीएसआर सुश्री डॉली कुमारी, मुख्य प्रबंधक अनोखेलाल, प्रभारी सीसी अजय कुमार दास, प्रबंधक मानव संसाधन अमरजीत प्रताप, वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी सह एफपीआर श्री शशि शेखर और वरिष्ठ मानव संसाधन अधिकारी श्री अमित रोशन होरो भी उपस्थित रहे। समारोह के अंत में लाभार्थियों और उनके परिजनों ने ओएनजीसी व प्रशासन को इस सुविधाजनक पहल के लिए आभार व्यक्त किया। अधिकारीयों ने भविष्य में भी ऐसे स्वरोजगार और सहायक तकनीकी सहायताओं के विस्तार का आश्वासन दिया।

ब्रह्मर्षि परिवार ने डॉ. श्रीकृष्ण सिंह प्रतिमा स्थल पर भावभीनी श्रद्धांजलि सभा आयोजित की

बिभा संवाददाता

बोकारोः ब्रह्मर्षि परिवार, बोकारो के तत्वावधान में डॉ. श्रीकृष्ण सिंह प्रतिमा स्थल (बोकारो जनरल अस्पताल के पास) पर स्व. नरेंद्र कुमार की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। सभा में उपस्थित जनभावना व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई और दिवंगत के व्यक्तित्व व कृतित्व को याद किया गया।

ज्ञात हो कि स्व. नरेंद्र कुमार का असामयिक निधन 6 जून 2026 को उनके पैतृक गांव फुलेलपुर, बाढ़ (बिहार) में हुआ था। वे बोकारो इस्पात संयंत्र में अधिकारी के पद से सेवानिवृत्त थे और सेक्टर-6अ, बोकारो में निवास करते थे। सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय रहने वाले उन्होंने बोकारो ऑफिसर्स रिटायर्ड इम्प्लॉयज एसोसिएशन के सचिव के रूप में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके निधन से ब्रह्मर्षि परिवार तथा समाज को अपूरणीय क्षति हुई है।

श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने कहा कि स्व. नरेंद्र कुमार सरल, सौम्य, कर्मठ तथा समाजनिष्ठ व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने अपना जीवन समाज सेवा, संगठन निर्माण और सामाजिक एकता के लिए समर्पित किया। वक्ताओं ने उनके व्यक्तित्व को याद करते हुए बताया कि उनका अभाव लंबे समय तक महसूस किया जाएगा। सभा के आरंभ में उपस्थित लोगों ने दिवंगत की तस्वीर पर पुष्प अर्पित किए और दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की तथा शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की गई। सभा में बैजनाथ प्रसाद शर्मा, कमलेश राय, हरिश्चंद्र प्रसाद वरणवाल, नग नारायण प्रसाद शाही, डॉ. नरेंद्र कुमार राय, सुधीर कुमार, प्रमोद सिंह, सुरेश राय, ब्रजकिशोर सिंह, सुशील कुमार ठाकुर, दीपक कुमार मिश्रा सहित कई प्रमुख वक्ताओं ने अपने विचार रखे। श्रद्धांजलि सभा में विनय कुमार राय,

तेज रफ्तार कारों को टक्कर में छह घायल, अस्पताल में भर्ती

बिभा संवाददाता

बोकारो। सिटी थाना क्षेत्र स्थित लेक रोड पर बुधवार देर रात दो कारों की आमने-सामने की टक्कर में छह लोग घायल हो गए। इस हादसे में कई अन्य लोग भी चोटिल हुए हैं। पुलिस ने बताया कि टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए।

सिटी थाना प्रभारी सुदामा दास ने बताया कि सफेद रंग की अर्टिगा कार सेक्टर-9 से राम मंदिर की ओर जा रही थी। कार मालिक सागीर की उसी रात शादी थी और वह महेशपुर स्थित अपने घर पर शादी की तैयारियों में व्यस्त थे। कार उनका मित्र आफताब चला रहा था, जो कुछ जरूरी सामान लेने अपने साथियों के साथ राम मंदिर जा रहा था।दूसरी ओर, सेक्टर-3 निवासी और बीएसएल कर्मी मनोज कुमार अपनी पत्नी और बेटी के साथ लाल रंग की कार से घर लौट रहे थे। लेक रोड से सेक्टर-3 की ओर मुड़ते ही उनकी कार की सामने से आ रही अर्टिगा से जोरदार टक्कर हो गई।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर के बाद लाल रंग की कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे टहल रहे लोगों की ओर आ गई। इस हादसे में अभिषेक सिंह, मनीष कुमार, सुमित पांडेय, अभिनव राय और छोटू सहित कई लोग घायल हुए। अभिषेक सिंह और एक अन्य युवक के पैर की हड्डी टूट गई है।

झारखंड में बदला मौसम, रांची सहित विभिन्न जिलों में प्री मानसून बारिश से राहत

बिभा संवाददाता

रांची। राजधानी रांची सहित राज्य की विभिन्न जिलों में प्री मानसून की बारिश शुरू हो गई है।
आने वाले तीन-चार दिनों तक रांची सहित विभिन्न जिलों में अच्छी बारिश होने की संभावना है।
मौसम विभाग ने 12 और 13 जून को बारिश और आकाशीय बिजली गिरने को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं 13 जून के बाद भी राज्य भर में बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना है। इसे लेकर विभाग की ओर से 16 जून तक येलो अलर्ट जारी किया गया है।
इधर, गुरुवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से मौसम साफ रहा और प्रचंड गर्मी महसूस हुई, लेकिन दोपहर बाद काले और घने बादल छाये रहे और मूसलाधार बारिश हुई। इससे लोगों को भारी गर्मी से राहत मिली। साथ ही तापमान में 05 से 06 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई।
उल्लेखनीय है कि मौसम विभाग ने 13 से 15 जून के बीच मानसून के झारखंड में प्रवेश करने की संभावना व्यक्त की है।
वहीं पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान डाल्टनगंज में 43.2 डिग्री और सबसे कम न्यूनतम तापमान रांची में 21.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।
इस दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश धनबाद में 40.2 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गई। इसके अलावा रांची में 10.2 मिलीमीटर सहित राज्य के विभिन्न जिलों में अच्छी बारिश दर्ज की गई।
वहीं, गुरुवार को रांची में अधिकतम तापमान 36.9 डिग्री और न्यूनतम 21.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं जमशेदपुर में अधिकतम 36.6 डिग्री और न्यूनतम 27 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 43.2 और न्यूनतम 28.5 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 38.5 डिग्री और न्यूनतम 25.1 डिग्री एवं चाईबासा में अधिकतम तापमान 35.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

कैदियों की रिहाई पर झारखंड हाईकोर्ट सख्त, राज्य सरकार से मांगा जवाब

रांची। झारखंड उच्च न्यायालय ने आधी अथवा एक-तिहाई सजा पूरी कर चुके कैदियों की रिहाई से संबंधित जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को प्रार्थी के सुझावों के आलोक में अपना जवाब प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 30 जुलाई को होगी। उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एमएस सोनक एवं न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई की। सरकार की ओर से अधिवक्ता मो. शहाबुद्दीन ने पक्ष रखा। मामले को लेकर स्टेन स्वामी एवं अन्य की ओर से उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दाखिल की गई। मामले में राज्य सरकार की ओर से उपलब्ध कराई गई सॉफ्ट कॉपी रिपोर्ट पर याचिकाकर्ता ने अपना लिखित जवाब और सुझाव कोर्ट में पेश किया। यह रिपोर्ट राज्य की जेलों में बंद आधी या एक तिहाई सजा काट चुके करीब 1000 कैदियों से संबंधित थी।

अनझ्रमैप्ड मतदाता 15 जून तक करा सकेंगें अपनी मैपिंग: के रवि कुमार

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने कहा है कि राज्य में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के पूर्व मतदाताओं के मैपिंग की प्रक्रिया 15 जून तक चलेगी। इसके बाद इन्यूमरेशन फॉर्म के छपाई और ट्रैनिंग के कार्य किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 23 मई से अनझ्रमैप्ड मतदाताओं की सूची सभी मतदान केंद्रों एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के वेबसाईट पर सर्चेवल फॉर्मेट में प्रकाशित करने के बाद इस प्रक्रिया में तेजी आई है। वर्तमान में कुल 78.60प्रतिशत मतदाताओं की मैपिंग की जा चुकी है। अनझ्रमैप्ड मतदाता अपने बीएलओ से संपर्क कर विगत गहन पुनरीक्षण की मतदाता सूची से अपनी मैपिंग करवा रहें है। वर्तमान में मैप्ड मतदाताओं की संख्या 2,08,06,211 है, अन-मैप्ड मतदाता सूची के प्रकाशन (23 मई) के बाद कुल 14,03,354 मतदाताओं की मैपिंग की गई है।
के रवि कुमार ने कहा कि अनझ्रमैप्ड मतदाता ईसीआइएनईटी के ऐप के कनेक्ट विथ इलेक्शन ऑफिशल्स टैब पर क्लिक कर अपने मतदाता पहचान पत्र का क्रमांक भरकर अपने बीएलओ का फोन नंबर प्राप्त कर सकते हैं। इसके साथ साथ मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के ऑफिशियल वेबसाईट सीईओ डॉट झारखंड डॉट जीओवी डॉट इन पर जाकर अनझ्रमैप्ड मतदाता सूची में अपने विवरण समर्पित करते हुए अपने मतदान केंद्र की अनझ्रमैप्ड सूची और अपने बीएलओ का नाम एवं मोबाइल नंबर भी जान सकते हैं ।
मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी अनझ्रमैप्ड मतदाताओं से आग्रह किया है कि वे अपने सुविधानुसार अपने बीएलओ से संपर्क करें और मैपिंग की प्रक्रिया में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण केवल पात्र भारतीय नागरिकों के लिए है, इस प्रक्रिया में गैर भारतीय नागरिक भाग न लें।

साल 2029 तक झारखंड को टीबी मुक्त बनाने का लक्ष्य : इरफान

बिभा संवाददाता

रांची। स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि झारखंड सरकार ने वर्ष 2029 तक राज्य को टीबी मुक्त बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस दिशा में युद्धस्तर पर कार्य किया जा रहा है। गुरुवार को रांची के होटल रेडिसन ब्लू में आयोजित राज्य स्तरीय नेशनल टास्क फोर्स (एनटीएफ) सेमिनार को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि समय पर जांच, नियमित उपचार, पौष्टिक आहार और जन-जागरूकता के माध्यम से टीबी का पूरी तरह उन्मूलन संभव है। टीबी उन्मूलन सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। मरीजों की पहचान, उपचार और पोषण सहायता को मजबूत करने के लिए निक्षय मित्र अभियान चलाया जा रहा है।
उन्होंने कहा कि राज्य में अब तक 9,945 निक्षय मित्रों का चयन किया जा चुका है, जिन्हें टीबी मरीजों की सहायता और जागरूकता फैलाने की जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने बताया कि सरकार टीबी मरीजों को डीबीटी के माध्यम से प्रतिमाह एक हजार रुपये की पोषण सहायता भी उपलब्ध करा रही है। कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत मेडिकल कॉलेजों और शिक्षण संस्थानों की विशेषज्ञता का उपयोग टीबी की रोकथाम, निदान, उपचार और अनुसंधान को मजबूत करने में किया जा रहा है।
सेमिनार में एनएचएम के मिशन निदेशक शशि प्रकाश झा, डॉ वीणा धवन, डॉ रघुराम राव, डॉ संजय कुमार मंटू सहित देशभर के चिकित्सा विशेषज्ञ और स्वास्थ्य अधिकारी मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

26 वर्ष की आयु में कंप्यूटर साइंस में पीएचडी पूरी कर डॉ. आँचल कुमारी ने रचा कीर्तिमान

रामगढ़/रांची(बिभा)। राधा गोविंद यूनिवर्सिटी के कंप्यूटर साइंस विभाग की शोध छात्रा डॉ. आँचल कुमारी ने मात्र 26 वर्ष की आयु में कंप्यूटर साइंस विषय में अपनी पीएचडी की मौखिक परीक्षा (वाइवा-वोसे) सफलतापूर्वक पूर्ण कर एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।
उन्होंने यह शोध कार्य मुख्य शोध पर्यवेक्षक डॉ. संजय कुमार तथा सह-पर्यवेक्षक डॉ. राजेंद्र कुमार महतो के मार्गदर्शन में पूरा किया। उनकी इस उपलब्धि को विश्वविद्यालय जगत में एक प्रेरणादायक सफलता के रूप में देखा जा रहा है। इस अवसर पर डॉ. राजेंद्र कुमार महतो ने कहा कि आँचल कुमारी शुरू से ही प्रतिभावान, मेहनती और अनुशासित शोध छात्रा रही हैं। उनकी सफलता उनके समर्पण, निरंतर प्रयास और विषय के प्रति गहरी निष्ठा का परिणाम है। उल्लेखनीय है कि डॉ. आँचल कुमारी वर्तमान में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विवि के सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं और शिक्षा एवं शोध के क्षेत्र में सक्रिय योगदान दे रही हैं। अपनी इस सफलता पर डॉ. आँचल कुमारी ने इसका श्रेय अपने माता-पिता, पति, सास-ससुर, भाइयों तथा परिवार के अन्य सदस्यों को दिया। उन्होंने कहा कि परिवार के निरंतर सहयोग, प्रोत्साहन और विश्वास के बिना यह उपलब्धि संभव नहीं थी। उन्होंने अपनी पुत्री अन्वी के विशेष सहयोग का भी उल्लेख किया। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर राधा गोविंद युनिवर्सिटी तथा डीएसपीएमयू परिवार में खुशी का माहौल है। उन्हें बधाई देने वालों में डॉ. इंद्रनाथ साहू, डॉ. राहुल देव साह, डॉ. ज्योति बाला, प्रियरंजन सहित कई शिक्षाविद्, प्राध्यापक और शुभचिंतक शामिल हैं। सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य और सफल शैक्षणिक जीवन की कामना की है।

सम्राट चौधरी के साथ सुदेश महतो ने की मुलाकात

रांची(बिभा) : आजसू पार्टी प्रमुख एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो की बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के साथ नई दिल्ली स्थित बिहार भवन में आत्मीय मुलाकात हुई। साथ में पार्टी के केंद्रीय उपाध्यक्ष सह गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी भी थे। मुख्यमंत्री के साथ विभिन्न राजनीतिक एवं सामाजिक विषयों पर चर्चा हुई। विदित हो कि एनडीए की उच्च स्तरीय बैठक में शामिल होने सभी नेता नई दिल्ली पहुंचे हुए थे।

मोहर्रम का जुलूस 27 जून को निकाला जायेगा

रांची (बिभा): सेंट्रल मुहर्रम कमिटी रांची एवं सेंट्रल मुहर्रम कमिटी डोरंडा के संयुक्त तत्वावधान में मुख्य सरपरस्त मो. सेईद की सरपरस्ती में में रोड स्थित मो. सईद के आवास में हुई बैठक में यह निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया कि वर्ष 2026 के मुहर्रम का जुलूस 27 जून दिन शनिवार को निकाला जाएगा। बैठक में धवताल अखाड़ा एवं इमामबख्श अखाड़ा के प्रमुख खलीफा सहित रांची एवं डोरंडा के सेंट्रल मुहर्रम कमिटी के प्रमुख पदाधिकारी शामिल थे। सेंट्रल मुहर्रम कमिटी के मुख्य सरपरस्त मो. सेईद के निदेर्शानुसार सेंट्रल मुहर्रम कमिटी राँची ने कमिटी का विस्तार करते हुए अध्यक्ष जमशेद अली उर्फ पपू गद्दी महासचिव अकीलुर्रहमान ने दूसरी सूची के माध्यम से कमिटी का विस्तार किया। सेंट्रल मुहर्रम कमिटी के प्रवक्ता मो.इसलाम ने एक बयान जारी कर बताया कि ि्दूसरी सूची में मो सज्जाद इदरीसी, खालिद उमर, परवेज आलम गुड्डू को उपाध्यक्ष,मो माजिद आलम,अफरोज अलाम को सचिव, इबरार गद्दी, उमर खान, फैसल गद्दी, एजाज गद्दी उर्फ राजू मो मोजाहिद,वसीम खान बब्लू को सह सचिव,शमसाद आलम ,जमील अख्तर सोनू ,अमजद अली,मो अली रजा,नईम टेलर,मो अशफाक,मो सलाउद्दीन रिंकू, आसिफ एकबाल को संगठन सचिव बनाते हुए सेंट्रल कमिटी में शामिल किया गया।

मोदी सरकार के 12 साल : देश की तस्वीर और तकदीर बदलने वाला रहा: आदित्य प्रसाद साहू

बिभा संवाददाता

रांची। प्रदेश अध्यक्ष आदित्य प्रसाद साहू ने नरेन्द्र मोदी के शासनकाल के 12 वर्षों को ऐतिहासिक बताते हुए इसे सत्ता के लिए नहीं बल्कि देश की तस्वीर और तकदीर बदलने वाला कार्यकाल बताया।
उन्होंने कहा कि इस कालखंड में मोदी ने वह काम कर दिखाया जिसे कभी कांग्रेस ने करने की सोची ही नहीं। उन्होंने बताया कि मोदी सरकार ने सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास के नारे को धरातल पर उतारा और बिना किसी भेदभाव के समाज के सभी वर्गों तक केंद्र सरकार की योजनाओं को पहुंचाया। आज नरेंद्र मोदी देश के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बन गए हैं।
साहू प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफलतम 12 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) के सोनारी स्थित चित्रगुप्त भवन में प्रेस वार्ता में बोल रहे थे।
उन्होंने इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासनकाल की उपलब्धियां गिनाई।
प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि नरेन्द्र मोदी ने शपथ ग्रहण करने के बाद जिस पहले फाइल पर हस्ताक्षर किया था, वह किसानों के हित से जुड़ा हुआ था। पहले किसान लोन के दबाव में खुदकुशी करते थे। उनकी इस समस्या का निराकरण करते हुए उन्होंने किसान सम्मान निधि योजना के तहत हर वर्ष 6000 रुपये की राशि लगभग 11 करोड़ किसानों को देने का काम किया।
इन 12 वर्षों में मोदी ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला। 81 करोड़ लोगों को मुफ्त में अनाज उपलब्ध कराकर यह सुनिश्चित किया कि कोई भूख से मरे नहीं और ना ही कोई भूखे पेट सोए। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 4 करोड़ परिवार को पक्का मकान उपलब्ध कराया। 11 करोड़ परिवार को उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन दिया ताकि माताओं बहनों को आंखों की कोई बीमारी न हो। जन धन योजना के तहत 58 करोड़ खाते खुलवाए गए उनमें से 32 करोड़ खाते सिर्फ महिलाओं का खोला गया। महिलाओं का खुले में शौच करने की शर्मनाक स्थिति से बाहर निकालने के लिए 11 करोड़ शौचालय का निर्माण करवाया।
उन्होंने कहा कि आज देश से भ्रष्टाचार की राजनीति खत्म हो रही है। अब विकास के पथ पर देश सरपट दौड़ रहा है।
उन्होंने बताया कि मोदी सरकार ने जल जीवन मिशन के तहत 15.6 करोड़ परिवारों को नलजल योजना से शुद्ध पीने का पानी पहुंचाया।
देश का कोई नागरिक इलाज के अभाव में न मरे इसके लिए उन्होंने आयुष्मान योजना के तहत लगभग 7 करोड़ लोगों को 5 लाख तक की मुफ्त इलाज की व्यवस्था की।

आधुनिक अस्पतालों के लिए एचएलएल सात दिन में देगा प्रस्ताव : अरूण सिंह

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड में स्वास्थ्य अवसंरचना को आधुनिक और सुदृढ़ बनाने की दिशा में गुरुवार को स्वास्थ्य विभाग में बैठक आयोजित की गई।
अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में एचएलएल हेल्थकेयर लिमिटेड ने राज्य में अस्पताल निर्माण, स्वास्थ्य अवसंरचना विकास, परियोजना निगरानी, चिकित्सा उपकरणों की खरीद, अस्पताल संचालन और प्रशिक्षण एवं सिमुलेशन केंद्रों की स्थापना को लेकर प्रस्तुति दी। साथ ही अजय सिंह ने आधुनिक अस्पतालों के लिए एचएलएल को सात दिन में प्रस्ताव देने का निर्देश दिया।
बैठक में एचएलएल के प्रतिनिधियों ने बताया कि कंपनी देशभर में स्वास्थ्य अवसंरचना विकास, निर्माण कंसल्टेंसी, पीपीपी मॉडल पर अस्पताल संचालन और कई एम्स संस्थानों के निर्माण एवं विकास कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुकी है। कंपनी ने झारखंड में भी अपनी तकनीकी विशेषज्ञता उपलब्ध कराने की इच्छा जताई।
अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने कहा कि राज्य में प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग कंसल्टेंट (पीएमसी) व्यवस्था को मजबूत करने और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सह ट्रॉमा सेंटरों को पूर्ण विकसित स्वास्थ्य संस्थानों के रूप में स्थापित करने की आवश्यकता है। उन्होंने एचएलएल को सीएचसी सह ट्रॉमा सेंटरों के समग्र विकास और आधुनिक अस्पतालों के निर्माण के लिए विस्तृत प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी कहा कि कई अस्पताल अपनी पूर्ण क्षमता से संचालित नहीं हो पा रहे हैं, जिन्हें पीपीपी मॉडल के माध्यम से बेहतर ढंग से संचालित करने की संभावनाओं का अध्ययन किया जाना चाहिए।
बैठक में विशेष सचिव डॉ नेहा अरोड़ा, अपर सचिव शशि प्रकाश सिंह, एनएचएम के प्रबंध निदेशक शशि प्रकाश झा, संयुक्त सचिव ललित मोहन शुक्ला, निदेशक प्रमुख डॉ सिद्धार्थ सान्याल और एचएलएल के प्रतिनिधि मौजूद थे।

सी-डैक और सरला बिरला विश्वविद्यालय के बीच सहयोग पर सहमति

बिभा संवाददाता

रांची : सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी-डैक), पटना ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), साइबर सिक्योरिटी, एडवांस्ड तथा क्वांटम कंप्यूटिंग सहित समकालीन एवं अत्यंत महत्वपूर्ण तकनीकी क्षेत्रों में सहयोग के लिए सरला बिरला विश्वविद्यालय (एसबीयू) के साथ करार करने का निर्णय लिया है। इस संबंध में गुरुवार को सरला बिरला विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. सी. जगनाथन, कुलसचिव प्रो. श्रीधर डांडिन तथा सी-डैक के वैज्ञानिक एवं प्रतिनिधि अभिनव दीक्षित (सेंटर हेड) और साकेत कुमार झा के बीच विस्तृत चर्चा हुई। बैठक के उपरांत दोनों संस्थानों के बीच सहयोगात्मक पहल को आगे बढ़ाने पर सहमति बनी।
सी-डैक द्वारा देशभर के विभिन्न शैक्षणिक एवं शोध संस्थानों के साथ नवाचार, उन्नत प्रौद्योगिकी तथा उद्योग-केंद्रित विषयों पर सहयोग स्थापित किया जा रहा है। इसी क्रम में सरला बिरला विश्वविद्यालय का चयन किया गया है। इस साझेदारी के माध्यम से विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को अत्याधुनिक तकनीकों के क्षेत्र में प्रशिक्षण, अनुसंधान, परियोजनाओं तथा कौशल विकास के नए अवसर प्राप्त होंगे।
उल्लेखनीय है कि सी-डैक द्वारा संचालित केंद्रों के माध्यम से विद्यार्थियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण एवं उद्योगोन्मुखी अनुभव उपलब्ध कराया जाएगा। इससे छात्रों की रोजगार क्षमता में वृद्धि होने के साथ-साथ उन्हें राष्ट्रीय स्तर की तकनीकी परियोजनाओं से जुड़ने का अवसर भी मिलेगा।
विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान, महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक तथा माननीय राज्यसभा सांसद सह निदेशक (प्लानिंग एंड डेवलपमेंट) डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा ने इस सहमति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे विद्यार्थियों और विश्वविद्यालय के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह सहयोग तकनीकी शिक्षा, अनुसंधान एवं नवाचार के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेगा।

रोटरी क्लब की ओर से बने जल मंदिर का कुलपति ने किया उद्घाटन

रांची। रांची विश्वविद्यालय परिसर स्थित सुभाष चौक के निकट रोटरी क्लब ऑफ रांची की ओर से बने स्थायी पेयजल केंद्र जल मंदिर का उद्घाटन रांची विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो (डॉ) सरोज शर्मा ने गुरुवार को किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो (डॉ) सरोज शर्मा ने इस जनहितकारी पहल की सराहना करते हुए कहा कि स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता विद्यार्थियों और आम नागरिकों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने रोटरी क्लब ऑफ रांची के अध्यक्ष अमित अग्रवाल और पेयजल के दानदाता रमेश धरणीधारका एवं क्लब के सभी सदस्यों को इस उत्कृष्ट सामाजिक योगदान के लिए बधाई दी।

झारखंड पुलिस मेन्स एसोसिएशन ने एसोसिएशन के प्रदेश संयुक्त सचिव पर दुष्प्रचार और षड्यंत्र का लगाया आरोप

बिभा संवाददाता

रांची : झारखंड पुलिस मेन्स एसोसिएशन (महासंघ) ने झारखंड पुलिस एसोसिएशन के प्रदेश संयुक्त सचिव राकेश कुमार पाण्डेय के विरुद्ध गंभीर आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ संघीय नियमों के तहत कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में प्रान्तीय अध्यक्ष कर्ण कुमार सिंह द्वारा झारखंड पुलिस एसोसिएशन के प्रान्तीय अध्यक्ष एवं महामंत्री को एक पत्र भेजा गया है।
पत्र में आरोप लगाया गया है कि राकेश कुमार पाण्डेय लगातार दुर्भावना और द्वेषपूर्ण मानसिकता के तहत झारखंड पुलिस मेन्स एसोसिएशन तथा उसके केंद्रीय पदाधिकारियों के विरुद्ध मनगढ़ंत, तथ्यहीन और विवादास्पद बातें मीडिया तथा आम सदस्यों के बीच प्रचारित कर रहे हैं। इससे संगठन की छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है और पुलिसकर्मियों के बीच भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो रही है। झारखंड पुलिस मेन्स एसोसिएशन ने कहा है कि इस तरह के दुष्प्रचार से संगठन की एकता और कार्यप्रणाली प्रभावित हो रही है। इसलिए मामले को गंभीरता से लेते हुए राकेश कुमार पाण्डेय के विरुद्ध संघीय नियमों के अनुरूप आवश्यक अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए। संगठन ने चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि इस मामले में उचित कार्रवाई नहीं की गई तो झारखंड पुलिस मेन्स एसोसिएशन, झारखंड पुलिस एसोसिएशन के साथ अपने सभी संबंधों पर पुनर्विचार करते हुए उनसे अलग होने का निर्णय लेने के लिए बाध्य होगा।
इस पत्र की प्रतिलिपि राज्य के सभी जिला सभापतियों एवं सचिवों को सूचनार्थ भेजी गई है। साथ ही प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से भी पुलिसकर्मियों के हित में इस विषय को प्रमुखता से प्रकाशित करने का अनुरोध किया गया है। झारखंड पुलिस मेन्स एसोसिएशन के महामंत्री रमेश उरांव ने कहा कि संगठन अपने सदस्यों के हितों और सम्मान की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है तथा किसी भी प्रकार के भ्रामक प्रचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पूर्व रेलवे
ई-निविदा सूचना सं. ओ-एसी-टी-79-26-27 (ओपन), दिनांक 10.06.2026; मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं (खुली) आमंत्रित की जाती हैं: **केस सं.: ओ-एसी-टी-79-26-27; कार्य का नाम:** आसनसोल मंडल में अंडाल-सांइथिया, देवघर-दुमका, मोहनपुर-हांसडीहा, अंडाल-बाराबानी एवं मधुपुर-गिरिडीह अनुभागों में 10000 से अधिक टीवीयू वाले एलसी गेटों की इंटरलॉकिंग के लिए गेट बिल्डिंग, रिले हट के प्रावधान के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य :** रु. 6,95,32,655.25। **बयाना राशि:** रु. 13,90,700; **कार्य हेतु समापन अवधि:** 9 महीने। **बंद होने की तारीख एवं समय:** 06.07.2026 को 12.00 बजे। परिपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखे जा सकते हैं। (ASN-133/2026-27)
निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

सांसद और विधायक भाग रहे, क्या ममता बनर्जी भी टीएमसी छोड़ कर कांग्रेस में जा रही हैं?

नीरज कुमार दुबे

स्थिति यह है कि तृणमूल कांग्रेस के भीतर विद्रोह अब खुली चुनौती का रूप ले चुका है। पार्टी के 80 में से 58 विधायक अलग होकर निष्कासित विधायक रितब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट के साथ चले गए हैं। इस गुट को विधानसभा में मुख्य विपक्षी दल के रूप में मान्यता भी मिल चुकी है।

पश्चिम बंगाल की राजनीति इस समय अपने सबसे उथल पुथल भरे दौर से गुजर रही है। कभी बंगाल की निर्विवाद ताकत मानी जाने वाली ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस अब अंदरूनी बगावत, सांसदों और विधायकों के पलायन तथा राजनीतिक अस्तित्व के संकट से जूझती दिखाई दे रही है। दिल्ली में सोनिया गांधी के साथ ममता बनर्जी और राहुल गांधी के साथ अभिषेक बनर्जी की बैठकों ने इस संकट को और अधिक राजनीतिक रंग दे दिया है। भले ही कांग्रेस और तृणमूल दोनों सार्वजनिक रूप से किसी विलय की संभावना से इंकार कर रहे हों, लेकिन घटनाक्रम यह संकेत दे रहा है कि बंगाल की राजनीति में एक बड़ा पुनसंर्योजन शुरू हो चुका है। एक तरह से यह साफ नजर आ रहा है कि सिर्फ टीएमसी के सांसद, विधायक और पार्षद ही पाला नहीं बदल रहे हैं खुद टीएमसी प्रमुख अपनी पार्टी को खत्म कर कांग्रेस में वापस लौटना चाह रही हैं।

हम आपको बता दें कि दिल्ली में राहुल गांधी और अभिषेक बनर्जी की डेढ़ घंटे लंबी मुलाकात तथा उससे पहले सोनिया गांधी और ममता बनर्जी की बैठक ने राजनीतिक गलियारों में हलचल पैदा कर दी है। तृणमूल कांग्रेस ने इन बैठकों को लोकतंत्र और संविधान बचाने की साझा प्रतिबद्धता बताया, लेकिन राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि यह महज औपचारिक बातचीत नहीं थी। बंगाल विधानसभा चुनावों के बाद जिस तरह तृणमूल कांग्रेस कमजोर हुई है और पार्टी के भीतर टूट की स्थिति बनी है, उसके बाद कांग्रेस से नजदीकी बनाना ममता बनर्जी की राजनीतिक मजबूरी बन गई है।

स्थिति यह है कि तृणमूल कांग्रेस के भीतर विद्रोह अब खुली चुनौती का रूप ले चुका है। पार्टी के 80 में से 58 विधायक अलग होकर निष्कासित विधायक रितब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट के साथ चले गए हैं। इस गुट को विधानसभा में मुख्य विपक्षी दल के रूप में मान्यता भी मिल चुकी है। रितब्रत बनर्जी लगातार दावा कर रहे हैं कि वही ह्लअसली तृणमूल कांग्रेसह्व हैं और कांग्रेस के साथ किसी भी प्रकार के विलय या समझौते के खिलाफ हैं। उनका दावा है कि उनके साथ विधायकों की संख्या लगातार बढ़ रही है और कई सांसद भी उनके संपर्क में हैं।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि कांग्रेस के साथ संभावित विलय या अत्यधिक नजदीकी की अटकलों ने तृणमूल कांग्रेस के भीतर असुरक्षा और बेचैनी को और बढ़ा दिया है। पार्टी के कई विधायक, सांसद और क्षेत्रीय नेता अपनी पूरी राजनीतिक पहचान कांग्रेस विरोध की जमीन पर बनाकर आगे बढ़े थे। ऐसे में उन्हें यह डर सता रहा है कि यदि ममता बनर्जी अंततः कांग्रेस के साथ विलय या व्यापक राजनीतिक समझौते की राह पर चलती हैं, तो उनकी स्वतंत्र राजनीतिक पहचान समाप्त हो जाएगी। यही कारण है कि तृणमूल में भगदड़ और तेज होने की संभावना जताई जा रही है। पार्टी के भीतर एक बड़ा वर्ग ऐसा है जो कांग्रेस में लौटने के पक्ष में नहीं है और वह या तो अलग गुट के साथ रहना चाहता है या फिर नए राजनीतिक विकल्प तलाश रहा है। यही बेचैनी अब खुले विद्रोह और लगातार इस्तीफों के रूप में सामने आती दिखाई दे रही है।

संकट केवल विधानसभा तक सीमित नहीं है। संसद में भी तृणमूल कांग्रेस की नींव हिलती दिख रही है। राज्यसभा सांसद प्रकाश चिक बराइक के इस्तीफे ने पार्टी की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। उनसे पहले सुष्मिता देव और सुखेंदु शेखर राय भी पार्टी और राज्यसभा से इस्तीफा दे चुके हैं। सुष्मिता देव की असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा से मुलाकात ने यह अटकलें और तेज कर दी हैं कि तृणमूल कांग्रेस के कई नेता अब भारतीय जनता पार्टी की ओर रुख कर सकते हैं।

लोकसभा में भी तृणमूल के भीतर विद्रोही खेमे की ताकत बढ़ती दिखाई दे रही है। काकोली घोष दस्तिदार के नेतृत्व वाला गुट दावा कर रहा है कि उसे बीस से अधिक सांसदों का समर्थन हासिल है। सयोनी घोष, माला राय, युसुफ पठान, शताब्दी राय, शत्रुघ्न सिन्हा और रचना बनर्जी जैसे कई चर्चित नाम विद्रोही खेमे के साथ बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह गुट राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार को समर्थन देने के लिए लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिख चुका है।

इन घटनाओं के बीच कांग्रेस की भूमिका बेहद दिलचस्प हो गई है। बंगाल कांग्रेस के भीतर भी मतभेद खुलकर सामने आ गए हैं। अधीर रंजन चौधरी और अब्दुल मन्नान जैसे वरिष्ठ नेता ममता बनर्जी के साथ किसी भी तरह की नजदीकी के खिलाफ खुलकर बोल रहे हैं। मन्नान ने तो यहां तक कह दिया कि ह्लगंदे पानी को साफ पानी में मिलाने से साफ पानी भी गंदा हो जाता है।ह्व अधीर रंजन चौधरी ने ममता पर कांग्रेस को बंगाल से खत्म करने का आरोप लगाते हुए कहा कि अब वही ममता गांधी परिवार के सहारे की तलाश में हैं।

दूसरी ओर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शुभंकर सरकार ने अपेक्षाकृत नरम रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि जो राहुल गांधी को भविष्य का प्रधानमंत्री और विपक्ष का नेता मानता है, उसका स्वागत है। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भ्रष्टाचार के आरोपों से बचने के लिए कांग्रेस की छतरी का इस्तेमाल करने वालों के लिए दरवाजे खुले नहीं हैं। यह बयान सीधे तौर पर तृणमूल के उन नेताओं की ओर इशारा माना जा रहा है जिन पर विभिन्न घोटालों के आरोप लगे हैं।

हम आपको याद दिला दें कि ममता बनर्जी का पूरा राजनीतिक उदय ही कांग्रेस के खिलाफ विद्रोह की जमीन पर खड़ा हुआ था। वर्ष 1998 में उन्होंने जोरशोर से कांग्रेस से अलग होकर तृणमूल कांग्रेस का गठन किया था। उस समय ममता ने कांग्रेस नेतृत्व पर बंगाल की राजनीति की अनदेखी करने और वामपंथ के सामने आत्मसमर्पण करने का आरोप लगाया था। इसके बाद उन्होंने खुद को कांग्रेस के विकल्प के रूप में स्थापित किया और धीरे धीरे बंगाल में कांग्रेस की जड़ें कमजोर कर दीं। वर्ष 2011 में वाम मोर्चे को सत्ता से हटाने के बाद ममता बनर्जी ने अपने राजनीतिक विस्तार के लिए कांग्रेस से पूरी दूरी बना ली थी और लगातार गांधी परिवार तथा कांग्रेस नेतृत्व पर तीखे हमले करती रहीं। लेकिन अब जब तृणमूल कांग्रेस भीतर से टूट रही है, सांसद और विधायक पार्टी छोड़ रहे हैं और राजनीतिक जमीन खिसकती दिखाई दे रही है, तब वही ममता बनर्जी एक बार फिर कांग्रेस की जड़ों की ओर लौटती नजर आ रही हैं। यही वजह है कि दिल्ली में गांधी परिवार के साथ उनकी बैठकों को केवल शिष्टाचार मुलाकात मानने को राजनीतिक विश्लेषक तैयार नहीं हैं।

दरअसल, बंगाल की राजनीति अब केवल सत्ता की लड़ाई नहीं रह गई है, बल्कि यह अस्तित्व की जंग बन चुकी है। तृणमूल कांग्रेस संगठनात्मक बिखराव से जूझ रही है और बात सिर्फ संसद या विधानसभा में उसके सदस्यों तक सीमित नहीं रह गयी है। बंगाल में कई निगमों से उसके महापौर या पार्षद इस्तीफा दे चुके हैं और पंचायतों में भी इसी तरह के इस्तीफों का दौर जारी है। इस सबके बीच भाजपा यह स्पष्ट कर चुकी है कि तृणमूल कांग्रेस के नेताओं के लिए उसके दरवाजे बंद हैं वहीं कांग्रेस इस संकट को अपने पुनर्जीवन के अवसर के रूप में देख रही है। राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्षी एकता की राजनीति को मजबूती देने के लिए कांग्रेस बंगाल में नई संभावनाएं तलाश रही है।

बहरहाल, सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या ममता बनर्जी कांग्रेस के साथ राजनीतिक समझौते की राह पर चलेंगी, या फिर पार्टी के भीतर का विद्रोह उन्हें और कमजोर कर देगा। यदि तृणमूल कांग्रेस का टूटना जारी रहा तो बंगाल की राजनीति में शक्ति संतुलन पूरी तरह बदल सकता है। आने वाले नगर निकाय चुनाव और उपचुनाव इस बदलाव की पहली बड़ी परीक्षा साबित होंगे। फिलहाल इतना तय है कि बंगाल की राजनीति में शुरू हुई यह हलचल केवल राज्य तक सीमित नहीं रहने वाली, बल्कि राष्ट्रीय विपक्ष की राजनीति पर भी इसका गहरा असर पड़ने वाला है।

संपादकीय

भाखड़ा का जल स्तर

हमारे नीति-नियंता आमतौर पर तब जागते हैं जब समस्या सिर पर आ जाती है। यदि समय रहते तंत्र, सजगता और सतर्कता से आसन्न संकट को महसूस करते हुए तत्काल रणनीति बनाकर कार्रवाई करता है, तो जन-धन की हानि को टाला जा सकता है। निस्संदेह, भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड यानी बीबीएमबी ने पंजाब और हरियाणा को भाखड़ा जलाशय से ज्यादा पानी निकालने की सलाह दी है। निश्चित रूप से इस सलाह को उत्तर भारत क्षेत्र में पानी के प्रबंधन से जुड़ी बढ़ती मुश्किलों के प्रति एक चेतावनी के रूप में देखी जानी चाहिए। निस्संदेह, यह सलाह रोजमर्रा के परिचालन से जुड़ा मामला भी नहीं है। इसे व्यापक संदर्भों में देखें तो लगातार बढ़ती जलवायु की अनिश्चितता, खेती से जुड़े ऐसे तौर-तरीकों, जिनका दीर्घकालीन उपयोग नहीं किया जा सकता है, के बाबत यह सलाह चेताती है। निश्चित रूप से यह सलाह यह भी बताती है कि पंजाब व हरियाणा में पानी के बेहतर उपयोग को लेकर सहमति न बनने से भी इस तरह की स्थितियां पैदा होती हैं। बांध प्रबंधन से जुड़े सूत्र बताते हैं कि भाखड़ा जलाशय का जलस्तर फिलहाल पिछले साल में इसी अवधि के दौरान के जलस्तर के मुकाबले 21 फीट अधिक है। वहीं दूसरी ओर जलाशय के अधिकतम जलस्तर तक पहुंचने में अब सिर्फ 102 फीट की जगह ही बची है। निश्चित रूप से इस दिशा में समय रहते ही अविलंब कार्रवाई करनी होगी। अन्यथा मानसून के आने के साथ वैकल्पिक उपायों की गुंजाइश भी लगातार कम होती जाती है। जलवायु परिवर्तन के गहरे होते प्रभावों के चलते हिमालयी पर्वत श्रृंखला में अधिक बर्फ के पिघलने की बढ़ती गति और बारिश के पैटर्न में लगातार आ रहे बदलाव के कारण ही जलाशय के जलस्तर में तेजी से बदलाव आने की आशंका भी बनी रहती है। यही वजह है कि इन तमाम आशंकाओं के मद्देनजर ही अविलंब नीतिगत फैसले लेने की सख्त जरूरत है। यह विडंबना ही है कि यह चुनौती पंजाब में ऐसे समय में आ रही है, जब धान की रोपाई का मौसम चल रहा है। हालांकि, राज्य में सरकार ने पानी के बेहतर इस्तेमाल के मद्देनजर धान की खेती का कैलेंडर एक जून तक के लिये आगे बढ़ा दिया था। यह भी गौरतलब है कि आज भी पंजाब के बड़े इलाकों में खेती काफी हद तक भूजल पर ही निर्भर है। जिस सीमा तक नहरों के नेटवर्क का अधिकतम उपयोग होना चाहिए था, वह अभी भी नहीं हो पा रहा है। निस्संदेह, जब तक सतही पानी का सही तरीके से बंटवारा नहीं होता है तब तक जलाशयों में ज्यादा पानी जमा करके रखना पड़ेगा। जिसके चलते अचानक आने वाले पानी को संभालने के लिये जरूरी बाढ़ बचाव क्षमता कम हो जाती है। हमें वर्ष 2023 में पंजाब में आई विनाशकारी बाढ़ से मिले सबक को नहीं भूलना चाहिए। तब पानी छोड़ने में कथित देरी और जलाशयों के संचालन को लेकर हुए तमाम विवादों ने राजनीतिक कड़वाहट को बढ़ाया ही था। साथ ही सरकार की बाढ़ से निबटने की तैयारियों को लेकर गंभीर सवाल भी खड़े हुए थे। जब बांध प्रबंधन की बात करते हैं तो इसका मकसद सिर्फ बिजली उत्पादन ही नहीं हो सकता। तब बाढ़ को नियंत्रित करना भी उतना ही जरूरी मकसद होना चाहिए। ऐसे वक्त में हमें जरूरी कामों की प्राथमिकताएं तय करनी होंगी। सिंचाई विभाग को सुनिश्चित करना ही होगा कि नहर का पानी किसानों को समय पर मिले।

चिंतन-मनन

प्रजा का खजाना

फारस के शासक साइरस अपनी प्रजा की भलाई में जुटे रहते थे। लेकिन खुद उनका जीवन सादगी से भरा था। वह रियासत की सारी आमदनी व्यापार, उद्योग और खेतीबाड़ी में लगा देते थे। इस कारण शाही खजाना हल्का रहता था। लेकिन प्रजा खुशहाल थी। एक दिन साइरस के दोस्त और पड़ोसी शासक प्रोशियस उनके यहां आए। उनका मिजाज साइरस से बिल्कुल अलग था। उन्हें प्रजा से ज्यादा अपनी खुशहाली की चिंता रहती थी। उनका खजाना हमेशा भरा रहता था। बातों-बातों में जब प्रोशियस को साइरस के खजाने का हाल मालूम हुआ तो उन्होंने साइरस से कहा, अगर आप इसी तरह प्रजा के लिए खजाना लुटाते रहोगे तो एक दिन वह एकदम खाली हो जाएगा। आप कंगाल हो जाओगे। अगर आप भी मेरी तरह खजाना भरने लगें तो आपकी गिनती मेरी तरह सबसे धनी शासकों में होने लगेगी। साइरस मुस्कराए फिर बोले आप दो दिन ठहरिए मैं इस मामले में लोगों का इम्तिहान लेना चाहता हूं। उन्होंने घोषणा करवा दी कि एक बहुत बड़े काम के लिए साइरस को दौलत की निहायत जरूरत है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि प्रजा मदद करेगी। दो दिन पूरा होने से पहले ही शाही महल के बाहर मोहरों, सिक्कों व जेवरों का बड़ा ढेर लग गया। यह देख प्रोशियस हैरत में पड़ गए। साइरस ने कहा, मैंने रियासत का खजाना लोगों की खुशहाली पर खर्च करके एक तरह से उन्हीं को सौंप दिया है। लोग उसमें इजाफा करते रहते हैं। मुझे जब जरूरत होगी वे मुझे लौटा देंगे जबकि तुम्हारा खजाना बांझ है, वह कोई बढ़ोतरी नहीं कर रहा है।

मानसून सत्र और भारतीय राजनीति का समुद्र मंथन

सनत जैन

जुलाई माह में संसद का मानसून सत्र शुरू होने वाला है। राजनीतिक हलकों में यह चर्चा तेज है कि इस बार सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी राजनीतिक टकराहट देखने को मिल सकती है। महंगाई, बेरोजगारी, कृषि संकट, शिक्षा व्यवस्था, अर्थव्यवस्था तथा विभिन्न राज्यों की राजनीतिक परिस्थितियां ऐसे मुद्दे हैं जिन्हें लेकर विपक्ष सरकार को घेरने की तैयारी कर रहा है। पिछले सत्र में परिसीमन बिल सरकार संसद में पास नहीं करा पाई थी। बीते महीनों में जिस तरह से सरकार को आर्थिक संकट से गुजरना पड़ रहा है, विदेशी निवेशक शेयर बाजार से निवेश किया धन वापस निकाल रहे हैं। कच्चे तेल के आयात से सरकार की मुसीबतें बढ़ा दी हैं। ऐसी स्थिति में सरकार मानसून सत्र में कोई जोखिम उठाना नहीं चाहती है। देश में खाद्य पदार्थों, ईंधन और घरेलू जरूरतों की वस्तुओं की कीमतों को लेकर जनता के बड़े वर्ग में नाराजगी दिखाई दे रही है। किसान संगठन, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी), फसल खरीद और कृषि लागत जैसे मुद्दों पर आंदोलित हैं। वहीं नीट पेपर लीक से लेकर प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता और शिक्षा व्यवस्था को लेकर छात्र संगठनों की ओर से सड़क पर असंतोष व्यक्त किया जा रहा है। काकरोच के नाम पर युवा जेन-जी सड़कों पर प्रदर्शन कर रहा है।

विपक्षी दलों द्वारा लोकतांत्रिक संस्थाओं पर सरकार के दबाव में काम करने के आरोप हैं। जबकि सरकार इन आरोपों को पूरी तरह खारिज करती है। सरकार अपने कार्यकाल में हुए विकासकार्यों, कल्याणकारी योजनाओं तथा आर्थिक उपलब्धियों को सामने रखती है। राजनीतिक दलों के बीच बढ़ती बयानबाजी ने संसद के आगामी सत्र को और महत्वपूर्ण बना दिया है। एनडीए और इंडिया गठबंधन दोनों ही संसद सत्र के पहले अपने-अपने राजनीतिक समीकरण मजबूत करने में जुटे हुए हैं। क्षेत्रीय दलों की भूमिका इस बार विशेष रूप से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि संसद का मानसून सत्र आने वाले विधानसभा चुनावों और भविष्य की राष्ट्रीय राजनीति की दिशा तय करने में यह मानसून सत्र सरकार के लिए संकटभरा हो सकता है। वर्तमान राजनीतिक परिस्थिति को यदि समुद्र मंथन की उपमा दी जाए तो यह अतिशयोक्ति नहीं होगी। समुद्र मंथन में जिस प्रकार देवताओं और असुरों के बीच संघर्ष के साथ-साथ सहयोग भी था, उसी प्रकार भारतीय लोकतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उस पौराणिक कथा में पहले विष निकला और अंत में अमृत प्राप्त हुआ था। लोकतंत्र के इस राजनीतिक मंथन से मानसून सत्र में कौन लाभान्वित होगा और किसे राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ेगा, इसका उत्तर भविष्य के गर्भ में छिपा है।

फिलहाल इतना स्पष्ट है कि मानसून सत्र केवल विधायी कार्यवाही का मंच नहीं रहेगा, बल्कि यह सरकार की नीतियों, विपक्ष की रणनीति और लोकतांत्रिक संस्थाओं की भूमिका पर व्यापक राजनीतिक बहस का केंद्र बनने जा रहा है। इस राजनीतिक समुद्र मंथन का परिणाम क्या होगा, इसका निर्णय अंततः जनता और लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं ही तय करेंगी। जिस तरह से सत्ता पक्ष ने लोकसभा एवं राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के 6 सांसदों इसके बाद टीएमसी के सांसदों को पार्टी से अलग होकर अलग गुट बनाने या सांसदों से इस्तीफा दिलवाकर विपक्ष को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। उसका स्पष्ट संकेत है, मानसून सत्र में सरकार कोई भी जोखिम उठाने को तैयार नहीं है। इसके लिए सरकार किसी भी स्तर पर अपने आपको सुरक्षित करने का हरसंभव प्रयास कर रही है। इसका एक संदेश यह भी है, सरकार अंदर से कमजोर है। भाजपा के अंदर से भी असंतोष के स्वर उठने लगे हैं। ऐसी स्थिति में सरकार ने चारों ओर से सुरक्षित रहने के लिए घेराबंदी शुरू कर दी है।

बाल श्रम के विरुद्ध विश्व दिवसः बचपन को श्रम नहीं, शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान का अधिकार मिलें

ललित गर्ग

हर वर्ष 12 जून को मनाया जाने वाला बाल श्रम के विरुद्ध विश्व दिवस केवल एक औपचारिक दिवस नहीं, बल्कि मानवता के अंतःकरण को झकझोरने वाला अवसर है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि दुनिया का कोई भी बच्चा मजदूर बनने के लिए पैदा नहीं होता। उसके हाथों में औजार, ईंट, बर्तन, हथौड़े, कूड़े की बोरी या कारखानों की मशीनें नहीं, बल्कि किताबें, खिलौने, रंग, सुनहले सपने और संभावनाएं होनी चाहिए। बचपन जीवन का वह स्वर्णिम काल है जिसमें व्यक्ति के व्यक्तित्व, संस्कार, शिक्षा और भविष्य की नींव रखी जाती है। यदि यही काल श्रम, शोषण और अभाव की भट्ठी में झोंक दिया जाए तो केवल एक बच्चे का नहीं, पूरे समाज और राष्ट्र का भविष्य अंधकारमय हो जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन- आईअलओ द्वारा 2002 में शुरू किए गए इस दिवस का उद्देश्य बाल श्रम की भयावहता के प्रति वैश्विक चेतना जगाना और इसके उन्मूलन के लिए सामूहिक प्रयासों को गति देना है। वर्ष 2026 में भी यह दिवस ऐसे समय पर आ रहा है जब दुनिया तकनीकी विकास, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आर्थिक प्रगति के नए आयाम छू रही है, लेकिन दूसरी ओर करोड़ों बच्चे आज भी शिक्षा और बचपन के अधिकार से वंचित हैं। यह विडम्बना मानव सभ्यता के सामने एक गंभीर प्रश्नचिह्न है। जब हम किसी ढाबे, होटल, चाय की दुकान, कारखाने, गैरेज, ईंट-भट्टे, खेत या ट्रैफिक सिग्नल पर किसी मासूम बच्चे को कठिन श्रम करते देखते हैं, तब अक्सर हमारी संवेदना कुछ क्षणों के लिए जागती है और फिर हम अपने काम में व्यस्त हो जाते हैं। लेकिन प्रश्न यह है कि कब तक हम इस पीड़ा को सामान्य मानते रहेंगे? क्या हम उस बचपन की चीख नहीं सुन पा रहे जो अपने अधिकारों से वंचित होकर मजदूरी के अंधेरे में खो रहा है?

आज भी विश्व में करोड़ों बच्चे किसी न किसी रूप में बाल श्रम में संलग्न हैं। इनमें से बड़ी संख्या खतरनाक परिस्थितियों में काम करती है, जहां उनका शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास बाधित होता है। गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, सामाजिक असमानता, विस्थापन, तस्करी, युद्ध, प्राकृतिक आपदाएं और कमजोर सामाजिक सुरक्षा व्यवस्थाएं बाल श्रम की प्रमुख वजहें हैं। परिवार की आर्थिक विवशताएं बच्चों को स्कूल की बजाय काम की दुनिया में धकेल देती हैं। लेकिन गरीबी का समाधान बच्चों से काम कराना नहीं, बल्कि परिवारों को सम्मानजनक रोजगार और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है। बाल श्रम केवल आर्थिक समस्या नहीं है; यह मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन है। यह बच्चों से उनका बचपन, शिक्षा, स्वास्थ्य, खेलकूद, आत्मविश्वास और भविष्य छीन लेता है। जो बच्चा विद्यालय में होना चाहिए, वह यदि कारखाने में है, तो यह केवल उस बच्चे की नहीं, पूरे समाज की विफलता है। बाल श्रम गरीबी का चक्र भी बनाए रखता है, क्योंकि अशिक्षित बच्चा बड़ा होकर कम आय वाले कार्यों तक सीमित रह जाता है और अगली पीढ़ी भी उसी अभाव में जीने को मजबूर होती है।

भारत सहित अनेक देशों में बाल श्रम रोकने के लिए कानून बनाए गए हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आईअलओ के कन्वेंशन 138 और कन्वेंशन 182 न्यूनतम कार्य आयु और बाल श्रम के सबसे खतरनाक रूपों पर रोक लगाने के लिए महत्वपूर्ण आधार प्रदान करते हैं। भारत में भी बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम तथा शिक्षा का अधिकार कानून मौजूद हैं। लेकिन कानूनों की प्रभावशीलता उनके कठोर और ईमानदार क्रियान्वयन पर निर्भर करती है। कई बार कानूनी प्रावधान होने के बावजूद बाल श्रम छिपे हुए रूपों में जारी रहता है। आज आवश्यकता केवल कानून बनाने की नहीं, बल्कि उन्हें सामाजिक आंदोलन का स्वरूप देने की है। बाल श्रम को समाप्त करने के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक जन-जागरण अभियान चलाए जाने चाहिए। विद्यालयों, धार्मिक संस्थाओं, सामाजिक संगठनों, मीडिया, उद्योग जगत और नागरिक समाज को इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। जिस प्रकार पर्यावरण संरक्षण और महिला अधिकारों को लेकर वैश्विक चेतना विकसित हुई है, उसी प्रकार बाल अधिकारों के लिए भी विश्वव्यापी जनमत तैयार करना होगा। कैसा विरोधाभास है कि हमारा समाज, सरकार और राजनीतिज्ञ बच्चों को देश का भविष्य मानते नहीं थकते लेकिन क्या इस उम्र के लगभग 25 से 30 करोड़ बच्चों से बाल मजदूरी के जरिए उनका बचपन और उनसे पढने का अधिकार छीनने का यह सुनियोजित षड्यंत्र नहीं लगता? मिसाल के तौर पर एक कानून बनाकर हमने बच्चों से उनका बचपन छिनने की कुचेष्टा की है। इस कानून में हमने यदि पारिवारिक कामधंधा या रोजगार है तो 4 से 14 की उम्र के बच्चों से कानूनन काम कराया जा सकता है और कोई उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकता। यह कैसी विडम्बना है कि जब इस उम्र के बच्चों को स्कूल में होना चाहिए, खानदानी व्यवसाय के नाम पर एक पूरी पीढ़ी को शिक्षा, खेलकूद और सामान्य बाल्य सुलभ व्यवहार से वंचित किया जा रहा है और हम अपनी पीठ थपथपाए जा रहे हैं। बच्चों को बचपन से ही आत्मनिर्भर बनाने के नाम पर हकीकत में हम उन्हें पैसा कमाकर लाने की मशीन बनाकर अंधकार में धकेल रहे हैं।

विशेष रूप से डिजिटल युग में तकनीक का उपयोग बाल श्रम उन्मूलन के लिए किया जा सकता है। प्रत्येक उद्योग और आपूर्ति श्रृंखला की पारदर्शी निगरानी, बाल श्रम शिकायतों के लिए ऑनलाइन पोर्टल, त्वरित कार्रवाई तंत्र और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी प्रणालियां विकसित की जा सकती हैं। अंतरराष्ट्रीय कंपनियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनकी आपूर्ति श्रृंखला में कहीं भी बाल श्रम का उपयोग न हो। जो कंपनियां ऐसा करती पाई जाएं, उनके विरुद्ध कठोर आर्थिक और कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। बाल श्रम समाप्त करने का सबसे प्रभावी उपाय गुणवत्तापूर्ण और समावेशी शिक्षा है। केवल विद्यालय खोल देना पर्याप्त नहीं है; शिक्षा ऐसी हो जो बच्चों को आकर्षित करे, जीवनोपयोगी कौशल दे और उनके व्यक्तित्व का समग्र विकास करे। गरीब परिवारों के बच्चों के लिए छात्रवृत्ति, पोषण, स्वास्थ्य सेवाएं और सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों का विस्तार आवश्यक है। यदि परिवार की न्यूनतम आवश्यकताओं की पूर्ति सुनिश्चित होगी तो बच्चों को मजदूरी के लिए भेजने की मजबूरी भी कम होगी।

हमें यह भी समझना होगा कि बचपन केवल जीवित रहने का नाम नहीं है; बचपन का अर्थ है सपने देखने की स्वतंत्रता, खेलने का अधिकार, सीखने का अवसर, स्नेहपूर्ण वातावरण और सुरक्षित भविष्य। जिस समाज में बच्चे मुस्कुरा नहीं सकते, वह समाज कभी वास्तविक विकास नहीं कर सकता। आर्थिक विकास की ऊंची इमारतें तब तक अधूरी हैं जब तक उनके नीचे किसी बच्चे का कुचला हुआ बचपन पड़ा हो। महान शिक्षाविद् नेल्सन मंडेला ने कहा था, 'किसी समाज की आत्मा को जानने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि वह अपने बच्चों के साथ कैसा व्यवहार करता है।' यदि हम सचमुच विकसित और संवेदनशील समाज बनना चाहते हैं तो हमें अपने बच्चों के प्रति दृष्टिकोण बदलना होगा। उन्हें दया का नहीं, अधिकार का विषय मानना होगा।

आज आवश्यकता है कि सरकारें बाल श्रम के विरुद्ध शून्य-सहिष्णुता की नीति अपनाएं, अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करें, तस्करी और बंधुआ श्रम के नेटवर्क को ध्वस्त करें, और हर बच्चे तक शिक्षा एवं सुरक्षा की पहुंच सुनिश्चित करें। साथ ही प्रत्येक नागरिक यह संकल्प ले कि वह किसी भी रूप में बाल श्रम को बढ़ावा नहीं देगा और जहां भी ऐसी घटना देखेगा, उसके विरुद्ध आवाज उठाएगा। बाल श्रम के विरुद्ध विश्व दिवस हमें यह संदेश देता है कि बचपन को बचाना केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के भविष्य की रक्षा का संकल्प है। यदि हम प्रत्येक बच्चे को शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य, संस्कार और अवसर प्रदान कर सकें, तो वही बच्चा कल एक सशक्त नागरिक, संवेदनशील मानव और राष्ट्रनिमार्ता बनेगा। सच तो यह है कि बचपन को बचाना ही भविष्य को बचाना है। जब दुनिया का हर बच्चा भय और श्रम से मुक्त होकर मुस्कुराएगा, तभी मानव विकास की यात्रा वास्तव में सार्थक कहलाएगी।

शत प्रतिशत योग्य छात्र-छात्राओं को सरकारी योजनाओं का पहुंचाएं लाभ : उपायुक्त

बिभा संवाददाता

लातेहारः उपायुक्त संदीप कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में शिक्षा विभाग की समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिले के विभिन्न विद्यालयों में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों, शिक्षक उपस्थिति एवं प्रशासनिक कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई।उपायुक्त ने विद्यालयों में शिक्षकों एवं छात्रों की उपस्थिति की जानकारी ली। उन्होंने सभी प्रखंडों में ई-विद्या वाहिनी से शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित कराने की बात कही। समीक्षा के क्रम में अपार आइडी जेनरेशन का कार्य निर्धारित समय पर शत-प्रतिशत पूरा करने का निर्देश दिया। वहीं विद्यालयों में विद्यार्थियों का आधार कार्ड बनवाने और इस प्रक्रिया को तेजी से पूरा करने का निर्देश दिया गया।बैठक के दौरान उपायुक्त ने विद्यालयवार छात्र उपस्थिति की समीक्षा करते हुए कहा कि विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिया कि जिन विद्यार्थियों की उपस्थिति 75 प्रतिशत से कम है, उन्हें परीक्षा प्रपत्र (फॉर्म) भरने की अनुमति नहीं दी जाए। साथ ही विद्यालयों में छात्र-छात्राओं की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया।

स्कूल में बच्चों का नामांकन, बच्चों की उपस्थिति, बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने संबंधित जानकारी लेते हुए सभी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि अपने अपने क्षेत्र अंतर्गत स्कूलों का निरन्तर निरीक्षण कर विद्यालय में विद्यार्थियों की उपस्थिति, शौचालय एवं पीने की पानी समेत विभिन्न बिन्दुओ का निरीक्षण कर सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करें। जिले की प्रत्येक स्कूलों का संचालन सही तरीके से करते हुए स्कूलों में बच्चों के ड्रेस, पानी, एवं शौचालय के साफ सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए। बैठक में उपायुक्त द्वारा पीएम पोषण (मध्याहन भोजन) योजना की समीक्षा करते हुए जिले का अच्छादन दर बढ़ाने के लिए जिला शिक्षा अधीक्षक को आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया गया।समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने निर्देशित करते हुए कहा कि शत प्रतिशत बच्चो को ससमय राशन, पुस्तक एवं योग्य बच्चो को ससमय छात्रवृत्ति मिले यह सुनिश्चित करें।उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि स्कूलों में नियमित हेल्थ चेकअप कर बच्चों के स्वास्थ्य की जांच अनिवार्य है। सभी शिक्षक समय पर विद्यालय पहुंचें और बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करें। किसी भी प्रकार की लापरवाही पर संबंधित कर्मी और पदाधिकारी पर कार्रवाई की जाएगी।बैठक में उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद, जिला शिक्षा पदाधिकारी प्रिंस कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक गौतम कुमार साहू, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, सभी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

उपायुक्त ने आम बिक्री का किया शुभारंभ

बिभा संवाददाता

लातेहारः समाहरणालय परिसर प्रांगण में फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी (एफपीसी) द्वारा स्थापित कैनोपी के माध्यम से आम बिक्री का शुभारंभ किया गया। उपायुक्त संदीप कुमार ने फीता काटकर कैनोपी का उद्घाटन किया तथा किसानों द्वारा उत्पादित आम की बिक्री प्रक्रिया का अवलोकन किया। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम प्रबंधक, डीएमएमयू-लाइवलीहुड एवं प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक, लातेहार सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

उद्घाटन के दौरान उपायुक्त ने कहा कि अधिक से अधिक गरीब किसानों को इस पहल से जोड़ने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने तथा उनकी आय में वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए ऐसे विपणन मंचों का विस्तार किया जाना चाहिए। कैनोपी के माध्यम से किसानों के उत्पादों की सीधी बिक्री कर उन्हें आजीविका संवर्धन से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। उपायुक्त ने कहा कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य किसानों को सीधे बाजार उपलब्ध कराना, बिचौलियों की भूमिका को समाप्त करना तथा उत्पादकों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य दिलाना है। उन्होंने किसानों को संगठित होकर फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी के माध्यम से अपने उत्पादों के विपणन के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने बताया कि फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी के माध्यम से किसानों को बाजार से जोड़ने के साथ-साथ उनकी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

हजारीबाग(बिभा): अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में 10 जून 2026 को बॉम्बे आवास में 8 से 18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए एक विशेष योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन सृजन फाउंडेशन कौशल्या देवी अंकित पॉल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्रशिक्षक के रूप में आचार्य सोमनाथ मिश्रा ने बच्चों को योग के महत्व एवं विभिन्न योगाभ्यासों की जानकारी प्रदान की प्रशिक्षण की शुरूआत बच्चों से योग के बारे में संवाद एवं उनकी जानकारी जानने के साथ हुई। इसके बाद आचार्य मिश्रा ने बच्चों को ताड़ासन, तिर्यक ताड़ासन, कटी चक्रासन तथा नी बेंडिंग जैसे योगाभ्यासों का अभ्यास कराया।कार्यक्रम के दौरान योग के महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की गई तथा विभिन्न प्रकार की श्वास प्रक्रियाओं जैसे एब्डॉमिनल ब्रीदिंग चेस्ट ब्रीदिंग , क्लेविकुलर ब्रीदिंग एवं टोटल ब्रीदिंग के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रत्येक श्वास तकनीक को उदाहरणों के माध्यम से समझाया गया, जिससे बच्चों को इसे दैनिक जीवन में अपनाने की प्रेरणा मिली।प्रशिक्षण के अंत में बच्चों को नियमित योगाभ्यास के लाभों के बारे में बताया गया। कार्यक्रम का समापन प्रार्थना एवं भोजन वितरण के साथ सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुआ।इस अवसर पर बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा योग को स्वस्थ जीवनशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाने का संकल्प लिया।

समाजसेवियों ने की स्वैच्छिक रक्तदान की अपील

हजारीबाग(बिभा) : जिले के शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल स्थित ब्लड बैंक इन दिनों रक्त की गंभीर कमी से जूझ रहा है। स्थिति इतनी चिंताजनक हो चुकी है कि गुरुवार को ब्लड बैंक में मात्र 13 यूनिट रक्त ही उपलब्ध रह गया। ऐसे में थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों, सड़क दुर्घटना के घायलों, ऑपरेशन कराने वाले मरीजों, प्रसूता महिलाओं, कैंसर तथा अन्य गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों के उपचार पर संकट गहरा गया है। यदि समय पर रक्त उपलब्ध नहीं हो पाए तो मरीजों की जान पर भी बात आ सकती है। जानकारी के अनुसार अस्पताल में प्रतिदिन लगभग 40 से 45 यूनिट रक्त की आवश्यकता पड़ती है, जबकि वर्तमान में उपलब्ध रक्त की मात्रा आवश्यकता की तुलना में बेहद कम है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विभाग के सामने प्रत्येक दिन जरूरतमंद मरीजों तक रक्त पहुंचाना बड़ी चुनौती बन गया है। आगामी 14 जून को जिला प्रशासन की ओर से विशेष रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। हजारीबाग शहर के कई समाजसेवियों एवं सामाजिक संगठनों ने जिले के सभी स्वस्थ नागरिकों से स्वैच्छिक रक्तदान करने की अपील की है। उनका कहना है कि रक्तदान सबसे बड़ा महादान है और किसी

कुसुंभा पंचायत भवन में निशुल्क डेंटल स्क्रीनिंग कैंप का आयोजन

हजारीबाग(बिभा): हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज होस्पिटल द्वारा गुरूवार को कुसुंभा पंचायत भवन में निशुल्क डेंटल स्क्रीनिंग कैंप का आयोजन किया गया। शिविर में 60 से अधिक ग्रामीणों को दंत का परिक्षण किया गया। शिविर में स्वास्थ्य संबंधी परामर्श के साथ-साथ आवश्यक सुझाव भी दिए गए, जिससे ग्रामीणों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ी। मौके पर हजारीबाग डेंटल कॉलेज के सचिव डॉ. प्रवीण श्रीनिवास ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार के शिविर का आयोजन बेहद आवश्यक है, संस्थान आगे भी समाज सेवा के इस कार्य को निरंतर जारी रखेगा और जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने का प्रयास करेगा। मुख्य रूप से चिकित्सक डॉ. नुसरत फातिमा, डॉ. शुभोजीत पॉल, डॉ.सिम्मी रानी, डॉ सफि या परवीन, राजकुमार दास (पीआरओ) ने सरहानीय योगदान दिया। वहीं कुसुंभा पंचायत के मुखिया कल्लू राम, उपमुखिया सुरेंद्र बान्डो, वार्ड पार्षद जीतनी देवी, अनिता देवी, संतोष कुमार, सीमा कुमारी, धुपलाल गोप, बेबीता देवी, भुवनेश्वरी देवी, सीमा देवी, संजय रविदास एवं पोलिना टोप्पो सहित कई ग्रामीण प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

उपायुक्त ने किया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुडू का औचक निरीक्षण, स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के दिया निर्देश

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। उपायुक्त संदीप कुमार मीना ने गुरुवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, कुडू का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता एवं गुणवत्ता का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल के विभिन्न विभागों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उपायुक्त ने ओपीडी, चिकित्सकों के ड्यूटी रोस्टर, ड्रग डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर, प्रसूति गृह, ऑपरेशन कक्ष, दंत रोग विभाग, युवा मैत्री केंद्र, बैठक कक्ष एवं विभिन्न अभिलेखों का निरीक्षण किया। उन्होंने मरीजों से बातचीत कर उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने पाया कि अस्पताल में डॉग बाइट की दवा उपलब्ध नहीं है। उन्होंने आवश्यक दवाओं की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही अस्पताल परिसर एवं शौचालयों की साफ-सफाई व्यवस्था में सुधार लाने को कहा। उपायुक्त ने ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट का निरीक्षण कर उपलब्ध जांच सुविधाओं की समीक्षा की। इस दौरान जानकारी मिली कि लिपिड प्रोफाइल जांच की मशीन उपलब्ध है, लेकिन आवश्यक केमिकल के अभाव में जांच शुरू नहीं हो सकी है। इस पर उन्होंने एक सप्ताह के भीतर केमिकल उपलब्ध कराकर जांच प्रारंभ करने का निर्देश दिया। उन्होंने एक्स-रे तकनीशियन की कमी पर भी चिंता व्यक्त करते हुए आयुष्मान योजना अथवा आउटसोर्सिंग के माध्यम से तकनीशियन की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।

उन्होंने एमटीसी (माल न्यूट्रिशन ट्रीटमेंट सेंटर) में उपलब्ध बेडों की जानकारी ली। वर्तमान में दो बच्चों के भर्ती रहने की जानकारी प्राप्त हुई। उपायुक्त ने गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों की पहचान कर उन्हें एमटीसी में भर्ती कराने तथा एमटीसी के माध्यम से उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग कर मानव संसाधन एवं तकनीशियनों की कमी दूर करने के निर्देश दिए। उन्होंने आयुष्मान मित्र को सक्रिय करने पर भी बल दिया।

निरीक्षण के दौरान स्टेबलाइजेशन यूनिट, ममता वाहन, ब्लड स्टोरेज यूनिट, ट्रॉमा सेंटर, लॉन्ड्री व्यवस्था, अल्ट्रासाउंड सेवाओं एवं आपातकालीन सेवाओं की भी समीक्षा की गई। अस्पताल प्रबंधन द्वारा बताया गया कि प्रतिदिन औसतन 4 से 10 मरीज इमरजेंसी सेवा का लाभ लेते हैं, जबकि दंत रोग विभाग में प्रतिदिन 10 से 15 मरीज पहुंचते हैं।

उपायुक्त ने टीकाकरण केंद्र एवं शीत श्रृंखला (कोल्ड चेन) व्यवस्था का भी निरीक्षण किया तथा नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के प्रभावी संचालन के निर्देश दिए। उन्होंने जन्म एवं मृत्यु निबंधन को शत-प्रतिशत सुनिश्चित करने पर बल देते हुए कहा कि अस्पताल में जन्म लेने वाले बच्चों का जन्म प्रमाण-पत्र अस्पताल से ही निर्गत किया जाए। साथ ही जिन लोगों का जन्म प्रमाण-पत्र अब तक नहीं बना है, उनके लिए प्रखंड स्तर पर विशेष शिविर आयोजित करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल परिसर की जर्जर चहारदीवारी के पुनर्निर्माण, विद्युत आपूर्ति सुदृढ़ करने हेतु ट्रांसफार्मर की व्यवस्था तथा जनरेटर के लॉगबुक के नियमित संधारण की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने अस्पताल में उपलब्ध जनरेटर, एक्स-रे मशीन एवं एम्बुलेंस की स्थिति की जानकारी ली तथा चारों एम्बुलेंस को पूर्ण रूप से क्रियाशील बनाए रखने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर उपायुक्त ने केंद्र एवं राज्य सरकार की महत्वपूर्ण स्वास्थ्य योजनाओं, विशेषकर आयुष्मान भारत योजना के प्रभावी क्रियान्वयन तथा अधिकाधिक पात्र लाभुकों को इसका लाभ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी सुलामी होरो, कुडू प्रखंड विकास पदाधिकारी संतोष उरांव व अन्य उपस्थित थे।

उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में जेएसएलपीएस की समीक्षा बैठक हुई संपन्न

बिभा संवाददाता

लातेहारः उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (खरछढर) द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य जिले में आजीविका से जुड़ी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर उनके प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना था।बैठक में स्वयं सहायता समूह (रलत्रह्) के गठन, ग्राम संगठन एवं संकुल स्तरीय संघों की स्थिति, महिला सशक्तिकरण, बैंक लिंकेज, रिवॉल्विंग फंड, सामुदायिक निवेश निधि, कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार सृजन से संबंधित कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की गई।

उप विकास आयुक्त ने निर्देश दिया कि सभी पात्र परिवारों को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ा जाए तथा समूहों को आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाने हेतु नियमित प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन प्रदान किया जाए। उन्होंने बैंक लिंकेज की प्रगति में तेजी लाने, लंबित प्रस्तावों का शीघ्र निष्पादन करने तथा योजनाओं का लाभ अंतिम पायदान पर खड़े लोगों तक पहुंचाने पर विशेष बल दिया।बैठक में जेएसएलपीएस डीपीएम संतोष कुमार, आजीविका समन्वयक सहित संबंधित कर्मी उपस्थित थे।

लातेहार में जेएलकेएम की प्रमंडल स्तरीय सभा, संगठन विस्तार और 2029 की रणनीति पर हुआ मंथन

बिभा संवाददाता

लातेहार। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के बैनर तले बुधवार को लातेहार के बीएसएनएल रोड स्थित प्रजापति भवन में प्रमंडल स्तरीय सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य संगठन का विस्तार करते हुए जिला कमेटी का गठन एवं आगामी पंचायत, विधानसभा तथा अन्य चुनावों की रणनीति तैयार करना था।सभा को संबोधित करते हुए जेएलकेएम के केंद्रीय उपाध्यक्ष मनोज यादव ने कहा कि प्रमंडल स्तरीय कमेटी का गठन कर दिया गया है और अब लातेहार जिला कमेटी का विस्तार किया जाना है। इसके तहत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महासचिव, सचिव, मीडिया प्रभारी सहित विभिन्न पदों पर चयन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। उन्होंने बताया कि इसके बाद पलामू और गढ़वा जिलों में भी संगठन का विस्तार किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि पार्टी आगामी पंचायत एवं विधानसभा चुनावों की तैयारी में जुटी हुई है। पलामू से मेयर पद की चुनाव लड़ चुकीं आयशा सिंह ने कहा कि जेएलकेएम केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि एक परिवार की तरह कार्य करती है। यह युवाओं की सोच और उनके सपनों को मंच प्रदान करने वाली पार्टी है। उन्होंने युवाओं से पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर अपनी आवाज बुलंद करने का आह्वान किया। साथ ही कहा कि पार्टी के विधायक जयराम महतो को भविष्य में मुख्यमंत्री बनाने के लिए सभी कार्यकताओं को एकजुट होकर काम करना चाहिए।केंद्रीय महासचिव महेंद्र प्रसाद मंडल ने कहा कि जेएलकेएम लातेहार समेत राज्य के सभी जिलों में तेजी से संगठन विस्तार कर रही है। उन्होंने कार्यकताओं से गांव-गांव जाकर लोगों को जोड़ने और वर्ष 2029 के राजनीतिक लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए पार्टी को मजबूत बनाने का आह्वान किया।

दीपुगढ़ा में नव निर्मित श्री श्री महादेव मंदिर में सप्त दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ का आयोजन, 12 जून से प्रतिदिन होगा भव्य भंडारा

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। कॉपोरेटिव कॉलोनी, गोलम्बर, दीपुगढ़ा स्थित नव निर्मित श्री श्री महादेव मंदिर में भगवान शिव की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर सप्त दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। यह धार्मिक अनुष्ठान 11 जून 2026 से 17 जून 2026 तक विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न होगा।

स्थानीय श्रद्धालुओं एवं सभी लोगों के सहयोग से इस भव्य मंदिर का निर्माण कार्य पूरा किया गया है। मंदिर निर्माण में क्षेत्रवासियों की आस्था, सहयोग और सहभागिता महत्वपूर्ण रही है।वहीं, इसी परिसर में शनि भगवान मंदिर का निर्माण कार्य भी कराया जा रहा है। मंदिर निर्माण को लेकर आयोजन समिति के अध्यक्ष मुकेश कुमार सिंह ने बताया कि शहर में शनि भगवान के

मंदिर काफी कम हैं, इसी को देखते हुए दीपुगढ़ा में एक ही स्थान पर श्री श्री महादेव मंदिर एवं शनि भगवान मंदिर का निर्माण कराया जा रहा है। दोनों मंदिरों का निर्माण सभी लोगों के सहयोग एवं आस्था से किया जा रहा है।महायज्ञ के दौरान कलश यात्रा, मंडप पूजन, देव स्थापना, प्राण प्रतिष्ठा, महापूजन, आरती, कथा सत्संग, जागरण सहित कई धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सभी पूजा-पाठ एवं धार्मिक अनुष्ठान अशोक जी के द्वारा संपन्न कराए जाएंगे। प्रख्यात यज्ञाचार्य पं. देवेंद्र पाठक यज्ञाचार्य, सनावद (ओंकारेश्वर), मध्य प्रदेश के मार्गदर्शन में प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ संपन्न होगा। श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए 12 जून 2026 से प्रतिदिन सुबह 8:00 बजे से शाम तक भव्य भंडारे का आयोजन किया जाएगा। आयोजन समिति की ओर से सभी धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से आग्रह किया गया है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस पावन धार्मिक आयोजन में सहभागी बनें और भगवान महादेव एवं शनि भगवान का आशीर्वाद प्राप्त करें।

मजदूर हितों की अनदेखी पर भड़का आक्रोश, 15 जून को प्रबंधन के खिलाफ बड़ा आंदोलन

बिभा संवाददाता

खलारी। मजदूरों की अनदेखी और लंबित समस्याओं को लेकर एनके क्षेत्र में श्रमिकों का आक्रोश अब खुलकर सामने आने लगा है। संयुक्त ट्रेड यूनियन ने प्रबंधन के खिलाफ निर्णायक लड़ाई का ऐलान करते हुए 15 जून को केडीएच परियोजना में एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन आयोजित करने की घोषणा की है। इसकी तैयारी को लेकर गुरुवार को आयोजित गेट मीटिंग में मजदूरों ने एकजुट होकर प्रबंधन के रवैये के खिलाफ जमकर नाराजगी जाहिर की।यूनियन नेताओं ने आरोप लगाया कि एनके क्षेत्र और परियोजना प्रबंधन लगातार मजदूर हितों की उपेक्षा कर रहा है। बार-बार मांग उठाने के बावजूद श्रमिकों की समस्याओं का समाधान नहीं किया जा रहा है। इससे मजदूरों में गहरा असंतोष व्याप्त है।नेताओं ने कहा कि मानव संसाधन विभाग की कार्यशैली सवालों के घेरे में है। आवासों की मरम्मत का कार्य बदहाल है, पदोन्नति के मामलों को लटकाया जा रहा है और मेडिकल बिलों के भुगतान में अनावश्यक देरी की जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रबंधन ने जल्द ठोस कदम नहीं उठाए तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।गेट मीटिंग में एचआईएमएस डेटा में व्याप्त त्रुटियों को तत्काल सुधारने, सभी कर्मियों को स्मार्ट कार्ड उपलब्ध कराने तथा नाम संशोधन की प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने की मांग भी जोरदार तरीके से उठाई गई।बैठक की अध्यक्षता गोल्डेन प्रसाद यादव ने की। संयुक्त मोर्चा के नेताओं ने कहा कि अब अधिकारों की लड़ाई को निर्णायक मुकाम तक पहुंचाने का समय आ गया है। उन्होंने मजदूरों से 15 जून के धरना-प्रदर्शन में भारी संख्या में शामिल होकर अपनी एकजुटता और ताकत का परिचय देने का आह्वान किया।सभा को गोल्डेन प्रसाद यादव, सुनील कुमार सिंह, शैलेश कुमार, पिंकू सिंह, राम लखन गंझू, जेड.एच. खान, प्रमोद पाठक, अरविंद कुमार, तिला महतो, जी.के. साहु, इरफान खान, रमेश कुमार और अजय चौहान सहित कई नेताओं ने संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन पजू महतो ने किया।

लातेहार में अतिक्रमण हटाओ अभियान, सड़क और नाली से हटाया गया कब्जा

बिभा संवाददाता

लातेहार। नगर पंचायत क्षेत्र में बढ़ती सड़क जाम की समस्या को देखते हुए नगर पंचायत प्रशासन ने अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। अभियान का नेतृत्व नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी राजीव रंजन ने स्वयं किया। इस दौरान सड़क और नाली पर अतिक्रमण कर रखे गए सामानों को जब्त कर ट्रैक्टर के माध्यम से नगर पंचायत कार्यालय लाया गया।अभियान के दौरान मुख्य सड़कों और बाजार क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने पाया कि कई दुकानदारों एवं व्यापारियों द्वारा सड़क और नालियों पर सामान रखकर अतिक्रमण किया गया था, जिससे यातायात बाधित हो रहा था और आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।कार्यपालक पदाधिकारी राजीव रंजन ने दुकानदारों और व्यापारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि सार्वजनिक सड़क एवं नाली पर किसी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि दोबारा अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने कहा कि शहर में सुगम यातायात व्यवस्था और स्वच्छता बनाए रखने के लिए अतिक्रमण हटाना आवश्यक है। नगर पंचायत द्वारा आगे भी नियमित रूप से अभियान चलाया जाएगा ताकि सड़क जाम और जलनिकासी की समस्याओं का समाधान किया जा सके।अभियान में एसआई सुरेंद्र कुमार महली, पुलिस बल तथा नगर पंचायत के कर्मी मौजूद रहे। प्रशासन की इस कार्रवाई से अतिक्रमणकारियों में हड़कंप देखा गया।

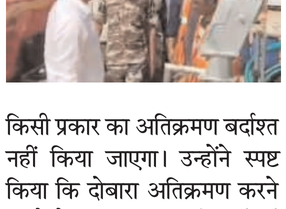

लालू यादव का जन्मदिन : राबड़ी के हाथों से केक और परिवार का प्यार

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति के दिग्गज और आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव का जन्मदिन उनके पटना स्थित आवास पर धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर उनके पूरे परिवार की मौजूदगी थी, जिसने माहौल को और खुशनुमा कर दिया। पत्नी और बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने उन्हें हैप्पी बर्थडे साहेब कहकर शुभकामनाएं दीं और लालू यादव ने भावुक पल में केक काटा। मगर जश्न की सबसे खूबसूरत और हृदयस्पर्शी तस्वीर तब सामने आई जब राबड़ी देवी ने अपने पारंपरिक प्रेम और स्नेह का प्रदर्शन कर अपने हाथों से पति लालू यादव को केक खिलाया। यह दृश्य तुरंत सोशल मीडिया पर छा गया, जहाँ समर्थकों और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, यहाँ तक कि आम लोगों के बीच भी बधाई संदेशों की बाढ़ आ गई। राबड़ी का यह खास और स्नेहपूर्ण अंदाज इंटरनेट पर खूब चर्चा का विषय बना रहा। हर साल की तरह इस बार भी उन्होंने आरजेडी प्रमुख के अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करते हुए उन्हें बेहद प्यार से केक खिलाया। दोनों वरिष्ठ नेताओं के बीच की यह खूबसूरत केमिस्ट्री और आपसी सौहार्द उनके कार्यकर्ताओं और आम जनता को खूब पसंद आया। इस पारिवारिक उत्सव में लालू यादव के छोटे बेटे और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, बेटी मीसा भारती सहित परिवार के सभी सदस्य एकजुट दिखाई दिए। जैसे ही घड़ी की सुइयां आधी रात को बदलीं, पूरा परिवार अपने साहेब और मुखिया को जन्मदिन की मुबारकबाद देने के लिए इकट्ठा हो गया। तेजस्वी ने अंतरंग तस्वीरों को खुद अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा कर पिता के प्रति अपना गहरा सम्मान और असीम प्रेम जाहिर किया।

मरवाही में 4 हाथियों का उपद्रव : हॉस्टल की दीवार तोड़ी, कॉलोनी में मचा हड़कंप

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में तब हड़कंप मच गया जब चार जंगली हाथी अचानक रिहायशी इलाके में घुसे। मरवाही स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी और रेंज ऑफिस परिसर में इन विशालकाय हाथियों को टहलते देख लोगों में दहशत मच गई। सुबह-सुबह अपने घरों से निकले लोगों को जब सड़क पर हाथी नजर आए, वे हैरान हो गए। कई लोगों ने मोबाइल पर अनोखे और डरावने नजारे को कैद किया, जबकि कुछ लोग सुरक्षित दूरी से अप्रत्याशित मेहमानों को देख रहे थे। हाथियों के आबादी वाले क्षेत्र में पहुंचने की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम पहुंची। अधिकारियों और कर्मचारियों ने मिलकर हाथियों को वहां से खदेड़ने की कोशिश की। काफी मशक्कत के बाद वनकर्मी उन्हें दर्रीटोला की दिशा में भेजने में कामयाब रहे, जिससे लगा कि फिलहाल खतरा टल गया है और लोगों ने राहत की सांस ली। हालांकि, यह राहत कुछ ही देर की साबित हुई। कुछ समय बाद वहीं चारों हाथी फिर से वापस लौट आए। इस बार वे एक छात्रावास की ओर बढ़े और उसकी बाउंड्री वॉल को तोड़ते हुए आगे निकल गए। इसके बाद हाथियों का यह दल नवाटोला स्थित आम की बगिया में पहुंच गया और वहीं कुछ समय के लिए डेरा डाल दिया। हाथियों की फिर वापसी ने वन विभाग की चिंता बढ़ा दी है, क्योंकि एक बार आबादी वाले क्षेत्र का रास्ता पहचानने के बाद उनके बार-बार लौटने की संभावना बढ़ जाती है।

सचिन पायलट का पूर्व सीएम गहलोत पर स्नेह बयान, भाजपा पर तीखा हमला

जयपुर(एजेंसी)। दौसा में पूर्व केंद्रीय मंत्री राजेश पायलट की 26वीं पुण्यतिथि पर आयोजित सर्वधर्म प्रार्थना सभा राजस्थान की राजनीति का केंद्र बनी। अपने दोनों बेटों के साथ पिता को श्रद्धांजलि देने पहुंचे कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने कई अहम राजनीतिक मुद्दों पर बेबाकी से अपनी राय रखी। हाल ही में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बगावत संबंधी बयानों पर पलटवार कर पायलट ने मुस्कुराते हुए कहा कि गहलोत जी का स्नेह उनके साथ भी उतना ही है, जैसा उनके बेटे वैभव गहलोत के साथ है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में उनके बीच मतभेद हो सकते हैं, लेकिन मनभेद कभी नहीं रहे। हालांकि, इससे ठीक पहले, पायलट ने बिना नाम लिए विरोधियों को आंख में आंख डालकर सच-झूठ पहचानने की चुनौती दी थी। अपने पिता के स्मारक से कांग्रेस नेता पायलट ने भजनलाल और केंद्र सरकार पर चौतरफा हमला किया। उन्होंने देश में नीट पेपर लीक और लगातार हो रही परीक्षाओं में धांधली पर गहरी चिंता जताकर कहा कि इससे 22 लाख से अधिक युवाओं का भविष्य दांव पर है। पायलट ने किसानों की घटती आमदनी, डीजल-पेट्रोल और गैस सिलेंडर के आसमान छूते दामों पर सवाल उठाए, साथ ही सरकार के किसान 20 दिन काम करता है जैसे बयानों को उनकी किसान विरोधी मानसिकता का परिचायक बताया।

तमिलनाडु में सिंगप्पन स्पेशल फोर्स ने संभाला मोर्चा, महिला-बाल सुरक्षा हुई मजबूत

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री विजय द्वारा गठित सिंगप्पन स्पेशल फोर्स ने अपने औपचारिक उद्घाटन के बाद मोर्चा संभाल लिया है। इस विशेष बल की टीमें राज्य के संवेदनशील इलाकों में तुरंत तैनात हुई हैं, जिसका मुख्य उद्देश्य महिला और बाल अपराधों पर लगाम लगाना है। पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) के.भुवनेश्वरी ने बताया कि बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, धार्मिक स्थल और अन्य भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थानों पर पुलिसकर्मियों की तैनाती होगी है। साथ ही, घनी आबादी वाले क्षेत्रों और संभावित संवेदनशील जगहों पर निगरानी के लिए ड्रोनों का इस्तेमाल होगा। आईजी भुवनेश्वरी ने राजारथिनम स्टेडियम में पहल की शुरुआत के बाद बताया कि महिला पुलिसकर्मियों वाली यह विशेष इकाई महिलाओं की सुरक्षा और बचाव के लिए एक समर्पित है। अपनी प्रारंभिक अवस्था में, यह इकाई राज्यभर में 70 फील्ड यूनिट्स के साथ कार्य कर रही है, जिनमें 140 उप निरीक्षक और 420 कॉन्स्टेबल शामिल हैं। भविष्य में इसके विस्तार के लिए राज्यभर में कुल 2,545 नए पद भी स्वीकृत किए हैं। मुख्यमंत्री के निर्देशों पर, आईजी भुवनेश्वरी ने स्पष्ट किया कि पीछा करने, यौन उत्पीड़न और सार्वजनिक रूप से अश्लीलता फैलाने जैसे अपराधों के दोषियों के खिलाफ तुरंत और कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पहले चरण में, इन 70 विशेष टीमों में से 12 चेन्नई शहर में, जबकि अवादी और ताम्बरम पुलिस कमिश्नरेट में दो-दो टीमें कार्यरत रहेंगी। ये सभी टीमें स्थानीय पुलिस अधिकारियों की निगरानी में काम करेंगी और कंट्रोल रूम से प्राप्त होने वाली आपातकालीन सूचनाओं पर त्वरित प्रतिक्रिया देंगी, जिससे राज्य में महिला-बाल सुरक्षा तंत्र और मजबूत होगा।

मैं सच बोल दूंगा तो बहुत परेशानी में पड़ जाऊंगा क्योंकि वे बहुत बड़े लोग हैं

-राम मंदिर दान में गड़बड़ी पर बृजभूषण शरण सिंह ने दिया चौंकाने वाला बयान

अयोध्या (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने अयोध्या के प्रसिद्ध राम मंदिर में चढ़ावे के दुरुपयोग और चोरी के आरोपों पर एक बेहद चौंकाने वाला बयान दिया है। जिले के विश्नोहरपुर स्थित अपने पैतृक आवास पर बुधवार को पत्रकारों से कहा कि वह इस पूरे विषय पर बहुत कुछ जानते हैं, लेकिन फिलहाल सच बोलने की स्थिति में नहीं हैं। अयोध्या में राम मंदिर के दान में गड़बड़ी को लेकर पिछले कुछ दिनों से जारी विवाद के बीच बृजभूषण की यह टिप्पणी राजनीतिक गलियारों में नई चर्चाओं को जन्म दे रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बृजभूषण सिंह ने कहा कि मैं बहुत कमजोर आदमी हूं। अगर मैं सच बोल दूंगा तो बहुत परेशानी में पड़ जाऊंगा क्योंकि वे बहुत बड़े लोग हैं। सच बोलने की हिम्मत अभी मेरे अंदर नहीं है। कभी समय आएगा तो बोलूंगा। उन्होंने यह निर्दिष्ट नहीं किया कि वे से उनका तात्पर्य किससे है। सिंह की टिप्पणी अयोध्या में राम मंदिर के दान में गड़बड़ी को लेकर बढ़ते विवाद के बीच आई है। दिल्ली में करीब 10 दिन के प्रवास के बाद गांव लौटे बृजभूषण सिंह ने अपने हालिया राजनीतिक और सामाजिक अनुभवों का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले कुछ समय से वह कई जटिल परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं। 2023 में कुछ महिला पहलवानों द्वारा लगाए गए आरोपों से जुड़े विवाद का संदर्भ देते हुए उन्होंने कहा कि वह लंबे समय से उस प्रकरण से उपजी परिस्थितियों को संभालने में लगे हुए हैं।

नीट में अनियमितताओं और पेपर लीक के मुद्दे पर बृजभूषण ने कहा कि किसी मंत्री के इस्तीफा देने से समस्या का समाधान नहीं होगा। उन्होंने कहा कि पेपर लीक के पीछे एक संगठित तंत्र है जिसमें विभिन्न स्तरों के अधिकारी और कर्मचारी शामिल होते हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या किसी मंत्री के इस्तीफा देने से भविष्य में पेपर लीक रुकने की गारंटी दी जा सकती है। उन्होंने कहा कि मंत्री प्रत्येक परीक्षा केंद्र या व्यवस्था की व्यक्तिगत निगरानी नहीं कर सकता। उनके अनुसार जब तक दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई नहीं होगी, तब तक ऐसी घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाना संभव नहीं। उन्होंने कहा कि पहली बार बड़े अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होती दिखाई दे रही है और उन्हें उम्मीद है कि मौजूदा सरकार नकल एवं पेपर लीक से जुड़े नेटवर्क को तोड़ने में सफल होगी।

संजय सिंह ने कांग्रेस, पीएम मोदी और विदेश नीति पर उठाए गंभीर सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) सांसद संजय सिंह ने राज्यसभा उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द होने के बाद कांग्रेस पर हमला बोला है। उन्होंने कांग्रेस से पूछा कि जब चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त के भाजपा के साथ मिले होने की बात सभी को पता है, तब उन्होंने सपोर्टिंग कैंडिडेट का पर्चा क्यों नहीं भरवाया। आप नेता सिंह ने कहा कि इसतरह के समय में जब एक-एक सांसद महत्वपूर्ण है, यह घटना भाजपा को राज्यसभा में आसानी से जीत दिला देगी। उन्होंने आरोप लगाया कि मीनाक्षी का पर्चा गलत ढंग से खारिज हुआ है और चुनाव आयोग भाजपा के हाथ में खेल रहा है। मीनाक्षी नटराजन के मुद्दे के बाद, संजय सिंह ने ओमान तट पर हुए वाणिज्यिक जहाज पर हमले की घटना पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि इस हमले में 24 भारतीय चालक दल सदस्यों में से तीन अभी भी लापता हैं। आप सांसद सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर सवाल उठाकर कहा कि उन्हें इस पर अपना प्रतिरोध दर्ज कराना चाहिए। उन्होंने अतीत की घटनाओं का जिक्र किया जहां अमेरिका ने भारतीयों के खिलाफ प्रतिकूल टिप्पणियां कीं या कार्रवाइयां कीं, लेकिन प्रधानमंत्री शांत रहे। उन्होंने प्रधानमंत्री और विदेश मंत्रालय से तत्काल विरोध दर्ज कराने की मांग की। इसके बाद अंत में आप सांसद सिंह ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) के मामले पर भी केंद्र सरकार की निष्क्रियता पर सवाल उठा दिए। उन्होंने कहा कि अगर भारत सरकार पीओके को अपना हिस्सा मानती है और वहां आतंकी ठिकानों की बात करती है, तब उस पर अब तक कब्जा क्यों नहीं किया। सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना की बहादुरी का हवाला देकर आरोप लगाया कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप के कहने पर युद्धविराम कर दिया गया, जो ठीक नहीं था। उन्होंने सलाह दी कि भारत को पीओके की गतिविधियों पर लगातार नजर रखनी चाहिए और उसके अनुसार फैसले लेने चाहिए।

बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष पद पर फिलहाल बने रहेंगे ऋतब्रत बनर्जी

-कलकत्ता हाईकोर्ट ने तत्काल हस्तक्षेप से किया इनकार

-टीएमसी की याचिका पर अगली सुनवाई 16 जून को

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष (एलओपी) की नियुक्ति को लेकर चल रहे राजनीतिक और कानूनी विवाद के बीच कलकत्ता हाईकोर्ट ने गुरुवार को महत्वपूर्ण अंतरिम फैसला सुनाया। अदालत ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की उस मांग पर तत्काल राहत देने से इनकार कर दिया, जिसमें विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में ऋतब्रत बनर्जी की नियुक्ति पर रोक लगाने का अनुरोध किया गया था। इसके साथ ही ऋतब्रत बनर्जी फिलहाल विपक्ष के नेता के पद पर बने रहेंगे।

यह मामला उस समय शुरू हुआ जब विधानसभा अध्यक्ष रथींद्रनाथ बोस ने टीएमसी के बागी नेता ऋतब्रत बनर्जी को नेता प्रतिपक्ष के रूप में मान्यता प्रदान कर दी। इस फैसले के बाद राज्य की राजनीति में विवाद खड़ा हो गया और तृणमूल कांग्रेस ने इसे चुनौती देते हुए अदालत का रुख किया। टीएमसी का तर्क है कि नेता प्रतिपक्ष की नियुक्ति केवल विधानसभा अध्यक्ष के विवेक पर आधारित नहीं हो सकती। पार्टी का कहना है कि इस पद के निर्धारण में सदन में दलों की वास्तविक संख्या, राजनीतिक परिस्थितियों और संसदीय परंपराओं को ध्यान में रखा जाना चाहिए। पार्टी ने दावा किया कि विपक्ष में रहते हुए उसने इस जिम्मेदारी के लिए सोवंदेब चट्टोपाध्याय को चुना था और अध्यक्ष का निर्णय लोकतांत्रिक मानदंडों के अनुरूप नहीं है।

दूसरी ओर, विधानसभा अध्यक्ष के फैसले के बाद ऋतब्रत बनर्जी को आधिकारिक रूप से नेता प्रतिपक्ष की मान्यता मिल चुकी है। हाईकोर्ट द्वारा तत्काल रोक लगाने से इनकार किए जाने के बाद उनकी स्थिति फिलहाल यथावत बनी रहेगी। अदालत के इस अंतरिम रुख को राजनीतिक हलकों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। विपक्षी दलों और राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इससे विधानसभा के भीतर चल रहे शक्ति संतुलन पर असर पड़ सकता है। वहीं टीएमसी इसे अपने राजनीतिक अधिकारों और संसदीय परंपराओं से जुड़ा मुद्दा बता रही है।

पार्टी ने विधानसभा अध्यक्ष पर आरोप लगाया है कि उन्होंने एक बागी विधायक को विपक्ष का नेता बनाकर स्थापित परंपराओं से हटकर निर्णय लिया है। टीएमसी का कहना है कि इससे सदन की राजनीतिक संरचना और विपक्षी दलों की भूमिका प्रभावित हुई है। मामले की अगली सुनवाई 16 जून को निर्धारित की गई है।

13 जून तक दिल्ली-एनसीआर समेत कई राज्यों में ओले व बारिश की संभावना

-आने वाले दिनों में केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु में भारी बारिश का अनुमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर और मध्य भारत में भीषण गर्मी और लू का सामना कर रहे लोगों राहत मिल सकती है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ के कारण उत्तर-पश्चिम भारत के मौसम में बड़ा बदलाव आने वाला है। 13 जून तक दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत के कई इलाकों में तेज आंधी-तूफान, आकाशीय बिजली कड़कने, ओलावृष्टि और व्यापक रूप से बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग का अनुमान है कि मौसम की सबसे ज्यादा हलचल 11 और 12 जून को देखने को मिलेगी, जिससे बढ़ते पारे से बड़ी राहत मिल सकती है।

इस दौरान देश के कई हिस्सों में जिसमें दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र और उत्तर भारत के आस-पास के इलाके शामिल हैं बिजली कड़कने, तेज़ हवाओं और ओले गिरने के साथ आंधी-तूफान आ सकता है। पूर्वोत्तर राज्यों और पश्चिम बंगाल में अगले पांच से सात दिनों में कुछ जगहों पर 7 सेमी से 20 सेमी तक बारिश हो सकती है। दक्षिण के राज्यों केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु में भी भारी बारिश का अनुमान है। पिछले 24 घंटों में हिमालयी क्षेत्र, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के कुछ इलाकों में 12 सेमी से 20 सेमी के बीच बारिश दर्ज की गई।

विभाग के मुताबिक हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और पूर्वी मध्य प्रदेश में कुछ जगहों पर ओले गिरने की खबर है। देश के कई हिस्सों में आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज हवाएं चलने की घटनाएं भी देखी गईं। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में लू की स्थिति बने रहने की उम्मीद है। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के कारण जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में ओले भी गिर सकते हैं, जिसके चलते आईएमडी ने इन क्षेत्रों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। राजस्थान और उत्तर प्रदेश में कुछ जगहों पर धूल भरी आंधी चलने की संभावना है, जबकि आने वाले दिनों में पूर्वी भारत में बिजली कड़कने और तेज हवाओं के साथ आंधी-तूफान आ सकता है।

दक्षिण-पश्चिम मानसून के अगले तीन से चार दिनों में महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के और हिस्सों में आगे बढ़ने की उम्मीद है। इस दौरान इसके तमिलनाडु के बाकी हिस्सों को भी कवर करने की संभावना है। आईएमडी ने कहा कि छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड और ओडिशा के कुछ हिस्सों में मानसून के और आगे बढ़ने के लिए स्थितियां अनुकूल हो रही हैं। मध्य भारत के ऊपर बना कम दबाव का क्षेत्र, वेस्टर्न डिस्टर्बेंस की मदद से मानसून के आगे बढ़ने में मदद कर रहा है।

वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के असर से अगले 24 घंटों में उत्तर-पश्चिम भारत में तापमान में कोई खास बदलाव होने की उम्मीद नहीं है। हालांकि, 11 से 13 जून के बीच तापमान में 3 से 5 डिग्री की गिरावट आ सकती है, जिसके बाद धीरे-धीरे 2 से 4 डिग्री की बढ़ोतरी हो सकती है। मध्य भारत में, 12 जून तक तापमान काफी हद तक स्थिर रहने की उम्मीद है, उसके बाद इसमें 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आ सकती है। पूर्वी भारत में अगले दो दिनों तक तापमान में बहुत कम बदलाव की संभावना है, जिसके बाद 12 से 14 जून के बीच 2 से 4 डिग्री की गिरावट आ सकती है।

विभाग ने पूर्वी मध्य प्रदेश, झारखंड, ओडिशा, बिहार, पश्चिम बंगाल, असम और मेघालय के साथ-साथ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन इलाकों में बिजली कड़कने और तेज हवाओं के साथ आंधी-तूफान आने की उम्मीद है। असम, मेघालय, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कुछ जगहों पर भारी बारिश की संभावना है। भारी बारिश वाले अन्य इलाकों में अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, त्रिपुरा, तेलंगाना, कर्नाटक, दक्षिण कोंकण, तटीय कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और लक्षद्वीप शामिल हैं। कर्नाटक, गोवा और केरल के कुछ हिस्सों में हवा की गति 30-40 किमी प्रति घंटा रहने की संभावना है।

टीएमसी में बगावत- ममता के पंसदीदा स्टार चेहरों की रहस्यमयी चुप्पी

-सयानी घोष ममता और अभिषेक दोनों की करीबी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के अंदर इन दिनों भारी उथल-पुथल मची हुई है। ममता की पार्टी के अंदर सुलग रही सियासी बगावत की आग अब खुलकर सामने आ गई है, जहाँ टीएमसी के विधायक के बाद सांसद भी बागी हो रहे हैं। टीएमसी के उन 19 बागी सांसदों की एक सूची सामने आई है, जिन्होंने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखकर एनडीए को समर्थन देने और काकोली घोष को अपना नेता घोषित किया है।

इस बागी सूची में सयानी घोष, शत्रुघ्न सिन्हा और यूसुफ पठान जैसे तीन बड़े और ग्लैमरस चेहरों के नाम भी शामिल हैं। सूची सामने आने के 24 घंटे से अधिक समय गुजर जाने के बाद भी ये तीनों नेता पूरी तरह खामोश हैं। न उनकी तरफ से कोई आधिकारिक बयान आया है और न ही सोशल मीडिया पर कोई सफाई दी गई है, जिससे राजनीतिक गलियारों में अटकलों का बाजार बेहद गर्म है।

अपनी बेबाक बयानबाजी के लिए मशहूर आसनसोल सांसद शत्रुघ्न सिन्हा का 24 घंटे तक चुप रहना किसी आश्चर्य से कम नहीं है। राजनीति के पुराने खिलाड़ी शत्रुघ्न सिन्हा ने अमूमन इसतरह के मामलों में तुरंत मीडिया के सामने आकर खंडन किया होता, लेकिन उनकी खामोशी यह संकेत देती है कि वे फिलहाल वेट एंड वॉच के मोड में हैं। मार्च 2022 में टीएमसी में शामिल हुए और ममता बनर्जी द्वारा गैर-बंगाली होने के बावजूद दिए गए सम्मान के बाद उनका बागी गुट में नाम आना पार्टी के लिए चिंता का कारण है।

बहरामपुर से टीएमसी सांसद बने पूर्व क्रिकेटर यूसुफ पठान भी पूरी तरह मौन हैं। ममता बनर्जी ने उन्हें सियासत में लाकर एक बड़े धर्मनिरपेक्ष चेहरे के रूप में दिखाया था। इसके बाद बागी लिस्ट में उनका नाम होना और उनकी तरफ से कोई प्रतिक्रिया न आने से टीएमसी नेतृत्व के माथे पर शिकन साफ दिख रही है।

लेकिन इन बागी सांसदों में सबसे ज्यादा चौंकाने वाला नाम सयानी घोष का है। टीएमसी की युवा विंग की बड़ी नेता रहीं सयानी को ममता और अभिषेक बनर्जी का बेहद करीबी कहा जाता है। हर मुद्दे पर पार्टी का पक्ष आक्रामक तरीके से सोशल मीडिया और टीवी डिबेट में रखने वाली सयानी की चुप्पी बताती है कि पार्टी के भीतर सब कुछ ठीक नहीं है। ममता और अभिषेक बनर्जी भी सयानी के इस बदलाव को लेकर बेचैन हैं। सत्ता गंवाने के बाद पार्टी पहले से ही बिखराव के दौर से गुजर रही है, इसके बाद सयानी का बागी गुट के साथ जाना उनकी चिंताएं और बढ़ा रहा है।

वहीं टीएमसी की तरफ से डैमेज कंट्रोल की कोशिशें जारी हैं। सांसद कीर्ति आजाद ने बताया कि उन्होंने सयानी घोष से कई बार संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया। सयानी की तरफ से कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया न मिलना यह दर्शाता है कि बगावत की जड़ें अनुमान से कहीं ज्यादा गहरी हैं।

मैं पूरी तरह उस पार्टी और नेतृत्व के साथ खड़ा हूं, जिसके साथ वर्तमान में जुड़ा हूं : सुप्रियो

राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अपनी जगह है, लेकिन विकास कार्यों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में सियासी उथल-पुथल जारी है। चुनाव हारने के बाद से टीएमसी लगातार बिखरती जा रही है और एक-एक करके ममता के करीबी उनका साथ छोड़ते जा रहे हैं। अब तक टीएमसी के तीन राज्यसभा सांसद इस्तीफा दे चुके हैं और एक अनुमानित लिस्ट में कई ऐसे बागियों के नाम हैं जो आने वाले दिनों में पार्टी छोड़ सकते हैं। इसी बीच तृणमूल कांग्रेस सांसद बाबुल सुप्रियो ने पार्टी में चल रही अंदरूनी उथल-पुथल और राजनीतिक अटकलों के बीच बयान दिया है।

उन्होंने कहा कि मीडिया लगातार उनसे यह पूछ रहा है कि वे किस खेमे में हैं, जिससे वे थक चुके हैं। सुप्रियो ने साफ किया कि वह पूरी तरह उस पार्टी और नेतृत्व के साथ खड़े हैं, जिसके साथ वर्तमान में जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता ने जो जनादेश दिया है, उसका सम्मान करना लोकतांत्रिक जिम्मेदारी है। इसी भावना के तहत वह राज्य सरकार के साथ तालमेल बनाकर अपने संसदीय क्षेत्र के विकास कार्यों को आगे बढ़ाएंगे। बाबुल सुप्रियो ने सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना फंड को जनता का पैसा बताते हुए कहा कि यह राशि सीधे राज्य सरकार और जिला प्रशासन के जरिए खर्च होती है, न कि सांसद के निजी नियंत्रण में रहती है, उन्होंने कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि उपलब्ध निधि का करीब 90 फीसदी हिस्सा पश्चिम बंगाल में विकास परियोजनाओं पर खर्च किया जाए।

सुप्रियो ने याद दिलाया कि अतीत में राजनीतिक मतभेदों के बावजूद उन्होंने जनता के जनादेश का सम्मान करते हुए राज्य सरकारों के साथ काम किया है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अपनी जगह है, लेकिन विकास कार्यों और जनता के हितों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया पर ओपन लेटर की तरह एक लंबा जवाब लिखकर पोस्ट किया है और लिखा है कि मुझे किसी से व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं है। हर व्यक्ति को अपने फैसले लेने का अधिकार है, मैं उन लोगों का बचाव नहीं करूंगा जिन्होंने भ्रष्टाचार किया, जनता का पैसा लूटा और सिस्टम को नुकसान पहुंचाया। ऐसे लोगों की जगह जेल में है और उन्हें कानून के मुताबिक सजा मिलनी चाहिए। उम्मीद है कि सभी दोषियों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा।

नया भारत: पहली बार 12 परमाणु वॉरहेड को ऑपरेशनल रूप से तैनात किया

नई दिल्ली(एजेंसी)। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (स्त्रिपी) की नई रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ने पहली बार 12 परमाणु वॉरहेड को ऑपरेशनल रूप से तैनात किया है, जो उसकी परमाणु नीति में बड़े बदलाव को दिखाता है। पहले भारत युद्धकालीन स्थिति में ही परमाणु वॉरहेड और मिसाइलों को जोड़ता था, लेकिन अब कुछ वॉरहेड मिसाइल साइलो और परमाणु पनडुब्बियों पर हमेशा तैयार रखे जाएंगे। इस कदम से भारत की परमाणु तैयारियों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है और यह उसके परमाणु त्रय (हवाई, जमीन और समुद्री) को और मजबूत बनाने की दिशा में एक अहम कदम है। रिपोर्ट बताती है कि भारत अब मिसाइलों को कैनिस्टर में रखने और समुद्री प्रतिरोध गश्त जैसे उपाय कर रहा है, जिससे शांतिकाल में भी कुछ वॉरहेड लांचर से जुड़े रह सकते हैं। यह कदम सुरक्षा को लेकर भारत की बढ़ती चिंताओं का स्पष्ट संकेत देता है। भारत का परमाणु कार्यक्रम हमेशा से रक्षात्मक रहा है, जिसका उद्देश्य हमला करना नहीं, बल्कि दुश्मनों को रोकना है।

भारत अपनी नो फर्स्ट यूज (पहले परमाणु हमला न करने) की नीति पर दृढ़ता से कायम है, जिसका अर्थ है कि उसके परमाणु हथियार केवल जवाबी कार्रवाई के लिए हैं। यदि कोई देश भारत या उसकी सेनाओं पर परमाणु हमला करता है, तभी इनका इस्तेमाल किया जाएगा। भारत अपना परमाणु शस्त्रागार सीमित लेकिन प्रभावी रखता है, जिसका मकसद केवल दुश्मनों को रोकना है, न कि हथियारों की होड़ में शामिल होना। स्त्रिपी के हालिया अनुमानों के अनुसार, भारत के पास करीब 190 परमाणु हथियार हैं, जो पिछले वर्ष से थोड़े अधिक हैं।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हथियारों की निगरानी करने वाली प्रमुख संस्था स्त्रिपी की रिपोर्ट बताती है कि भारत इस बदलाव से अपनी सुरक्षा को और पुख्ता बनाने की कोशिश कर रहा है। इसी बीच, पाकिस्तान भी परमाणु हथियारों की दौड़ में शामिल है। रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान के पास अनुमानित रूप से 170 परमाणु हथियार हैं और वह नई हथियार प्रणालियों का विकास जारी रखे हुए है, जिससे उसके भंडार में आने वाले दशक में और वृद्धि होने की संभावना है।

स्त्रिपी ने अपनी रिपोर्ट में पिछले वर्ष भारत और पाकिस्तान के बीच रहे असामान्य रूप से गंभीर सैन्य संकट का भी उल्लेख किया है। मई 2025 में दोनों देशों के बीच हुए संक्षिप्त सैन्य संघर्ष के दौरान, भारत ने पाकिस्तानी हवाई और मिसाइल ठिकानों पर हमले किए थे, जिनके परमाणु स्तर तक बढ़ने की आशंका भी थी, हालांकि दोनों पक्षों ने तनाव को बढ़ने से रोकने के प्रयास किए। रिपोर्ट के अनुसार, भारत 2025 में 92.1 अरब अमेरिकी डॉलर के रक्षा व्यय के साथ दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश रहा है।

ऊर्जा उत्पादन से लेकर बेटियों के सशक्तिकरण तक, एनटीपीसी फरक्का ने गिनाईं उपलब्धियां

बिभा संवाददाता

बरहरवा । बिजली उत्पादन के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक विकास के क्षेत्र में अपनी उपलब्धियों को सामने रखते हुए एनटीपीसी फरक्का ने गुरुवार को गीतांजलि सभागार में प्रेस मीट - 2026 का आयोजन किया। इसमें मुर्शिदाबाद, मालदा, साहेबगंज और गोड्डा के पत्रकारों ने भाग लिया। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता एनटीपीसी फरक्का के कार्यकारी निदेशक देबब्रत कर ने की। वहीं उन्होंने कहा कि संस्थान का लक्ष्य केवल निर्बाध विद्युत उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन और समाज के सर्वांगीण विकास में भी सक्रिय योगदान देना है। उन्होंने वित्तीय वर्ष 25-26 के दौरान स्टेशन के बेहतर उत्पादन प्रदर्शन, उच्च प्लांट लोड फैक्टर (पीएलएफ) और परिचालन दक्षता में सुधार के लिए किए गए प्रयासों की जानकारी दी। वहीं प्रेस मीट में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार एनटीपीसी फरक्का ने फ्लाई ऐश उपयोग के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता हासिल करते हुए लगातार 100 प्रतिशत से अधिक उपयोग सुनिश्चित किया है। वहीं स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए टाउनशिप में 210 किलोवाट क्षमता की रूफटॉप सौर परियोजना सफलतापूर्वक संचालित की जा रही है, जबकि 247 किलोवाट की एक और सौर परियोजना प्रगति पर है। वहीं कार्यक्रम में स्टेशन की तकनीकी उपलब्धियों, सुरक्षा उपायों, पर्यावरणीय पहलों, सीएसआर गतिविधियों और विभिन्न राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कारों पर आधारित प्रस्तुति भी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि संसाधन संरक्षण और उत्सर्जन नियंत्रण के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। सामाजिक सरोकारों की चर्चा करते हुए प्रबंधन ने शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास और ग्रामीण आधारभूत संरचना विकास से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान मीडिया प्रतिनिधियों ने गर्ल एम्पावरमेंट मिशन-2026 में शामिल बालिकाओं से भी संवाद किया। बालिकाओं ने कार्यक्रम से मिले आत्मविश्वास और नए अवसरों के अनुभव साझा किए। वहीं प्रेस मीट के अंत में आयोजित प्रश्नोत्तर सत्र में पत्रकारों ने पर्यावरणीय स्थिरता, स्टेशन संचालन और सामुदायिक विकास से जुड़े कई सवाल पूछे, जिनका वरिष्ठ अधिकारियों ने विस्तार से जवाब दिया। वहीं एनटीपीसी प्रबंधन ने क्षेत्र के विकास और राष्ट्र की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत बनाने के संकल्प को दोहराते हुए मीडिया के सहयोग के प्रति आभार जताया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन और अनौपचारिक संवाद के साथ हुआ।

औचक निरीक्षण में खुली कम उपस्थिति की पोल, बीडीओ ने दिए आवश्यक निर्देश

बिभा संवाददाता

राजमहल। राजमहल प्रखंड विकास पदाधिकारी मो.यूसुफ ने गुरुवार को प्रखंड अंतर्गत प्लस टू उच्च विद्यालय मंगलहाट का औचक निरीक्षण किया। बता दे कि ग्रीष्मावकाश के बाद विद्यालय खुलने के पहले ही दिन बीडीओ के अचानक पहुंचने से शिक्षकों व कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। वही निरीक्षण के दौरान बीडीओ ने सबसे पहले छात्रों की उपस्थिति पंजी, शिक्षकों की उपस्थिति पंजी, बैठक पंजी सहित अन्य शैक्षणिक एवं प्रशासनिक दस्तावेजों का बारीकी से अवलोकन किया। साथ ही उन्होंने कक्षाओं में जाकर पठन-पाठन की स्थिति का जायजा लिया और छात्रों से सीधा संवाद कर शिक्षण की गुणवत्ता की जानकारी प्राप्त की। साथ ही विद्यालय में छात्रों की कम उपस्थिति देख बीडीओ ने नाराजगी जताई। इस पर शिक्षकों ने स्पष्टीकरण दिया कि ग्रीष्मावकाश के बाद यह पहला दिन है, जिसके कारण उपस्थिति अपेक्षाकृत कम है। बीडीओ ने शिक्षकों को स्पष्ट निर्देश दिया कि छात्रों की उपस्थिति शत-प्रतिशत सुनिश्चित करने के लिए अभिभावकों से संपर्क कर जागरूकता अभियान चलाया जाए। उन्होंने शिक्षकों को पठन-पाठन के साथ-साथ छात्रों में अनुशासन की शिक्षा देने पर विशेष बल देने का निर्देश दिया। वही निरीक्षण के क्रम में बीडीओ ने विद्यालय में चल रहे भवन निर्माण कार्य की गुणवत्ता की भी गहन जांच की। उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर संबंधित एजेंसी को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी स्तर पर समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और कार्य को गुणवत्तापूर्ण ढंग से निर्धारित समय सीमा में पूर्ण किया जाए। इसके अलावा विद्यालय के पुराने क्षतिग्रस्त भवन को हटाए जाने के बाद खाली पड़े स्थान को समतल करने एवं उसके समुचित रखरखाव का आदेश विद्यालय प्रबंधन को दिया गया। वही इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक अभिजीत कुमार, गगन बापू, रवि कांत रवि, राजू झा, निलेश तिवारी सहित अन्य शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित थे। बीडीओ के इस औचक निरीक्षण से विद्यालय प्रशासन में हलचल देखी गई।

संक्षिप्त खबरें

लंबित आवासों को लेकर बीडीओ ने किया समीक्षा, दिए दिशा-निर्देश

उधवा(बिभा) । उधवा प्रखंड कार्यालय कक्ष में गुरुवार को लंबित अबुआ आवास व प्रधानमंत्री आवासों को लेकर समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता बीडीओ सह सीओ जयंत कुमार तिवारी ने किया। इस दौरान बीडीओ श्री तिवारी ने आवास कर्मियों के साथ पंचायतवार समीक्षा करते हुए लंबित आवासों को जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने बताया कि अबुआ आवास योजना में वित्तीय वर्ष 2023-24 में कुल 42 आवास तथा वर्ष 2024-25 में कुल 64 आवास लंबित है। साथ ही बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना में वित्तीय वर्ष 2024-25 में 1238 आवास लंबित है। उक्त लाभुकों के बैंक खातों में द्वितीय किस्त की राशि भेजी गई है। साथ ही उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना में वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल 5392 लाभुकों को प्रथम किस्त की राशि भेजी गई है। इसमें से 3360 लाभुकों ने प्लिंथ लेवल स्तर का कार्य पूरा कर दिया है। जबकि 2032 आवासों में निर्माण कार्य चल रहा है। वहीं बीडीओ ने आवास कर्मियों को कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि वैसे लाभुक जो राशि लेकर लंबे समय से निर्माण कार्य शुरू नहीं किए है,वैसे लाभुकों को चिंहित कर उन्हें नोटिस सौंपकर जल्द से जल्द निर्माण कार्य प्रारंभ करने का निर्देश दिया गया। मौके पर प्रखंड समन्वयक संदीप कुमार गुप्ता,आवास प्रभारी संतोष कुमार सुमन, सत्यनारायण रजवार,बिसंभर दास,विनोद कुमार,प्रेमनंदन चौड़े,सिकंदर अली,शशि कपूर दुबे,फुल कुमार टोप्पो सहित अन्य मौजूद थे।

वृद्धजनों की समस्याओं के समाधान के लिए साहेबगंज में सहायता एवं सुविधा केंद्र शुरू

साहेबगंज(बिभा) । झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची के निदेशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार साहेबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकार साहेबगंज द्वारा गुरुवार को वृद्ध नागरिकों की सहायता एवं सुविधा के लिए ह्यवृद्धजन सहायता एवं सुविधा केंद्रह्न की स्थापना की गई है ।वहीं नालसा की जागृति योजना-2025 के तहत स्थापित इन केंद्रों का उद्देश्य जिले के वृद्ध नागरिकों को त्वरित कानूनी सहायता उपलब्ध कराना, उन्हें सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना तथा उनके अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करना है। इन केंद्रों का शुभारंभ साहेबगंज स्थित वृद्धा आश्रम एवं साहेबगंज प्रखंड कार्यालय में किया गया है। वहीं जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत ने बताया कि वृद्धजन सहायता एवं सुविधा केंद्र के माध्यम से वृद्ध नागरिकों को निःशुल्क विधिक सलाह, शिकायतों का समाधान, विवाद निवारण, आवश्यक दस्तावेजों में सहायता तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में सहयोग प्रदान किया जाएगा। साथ ही उन्होंने बताया कि केंद्र के प्रमुख कार्यों में वृद्ध नागरिकों के आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई, माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 के संबंध में सहायता, संपत्ति संबंधी विवाद, दुर्व्यवहार एवं अन्य समस्याओं के समाधान हेतु विधिक सहयोग तथा विधिक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन शामिल है ।साथ ही श्री भगत ने कहा कि वृद्धा आश्रम में स्थापित केंद्र वहां निवास कर रहे बुजुर्गों के लिए विशेष रूप से सहायक होगा, जबकि प्रखंड कार्यालय स्थित केंद्र से स्थानीय क्षेत्र के वृद्ध नागरिकों को आसानी से सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। वहीं जिला विधिक सेवा प्राधिकार की यह पहल वृद्धजनों के सम्मान, सुरक्षा एवं अधिकारों के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सचिव श्री विश्वनाथ भगत ने जिले के सभी वृद्ध नागरिकों से अपील की है कि वे अपनी समस्याओं के समाधान एवं विधिक सहायता के लिए इन केंद्रों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

खाद दुकानों पर प्रशासन का छापा, उर्वरक-पेस्टीसाइड की हुई सघन जांच

राजमहल (बिभा)। राजमहल प्रखंड में किसानों को गुणवत्तापूर्ण उर्वरक उपलब्ध कराने और कालाबाजारी पर रोक लगाने के उद्देश्य से प्रशासन ने गुरुवार को खाद दुकानों पर राजमहल एसडीओ सदानंद महतो ने औचक निरीक्षण अभियान चलाया। उपायुक्त के निर्देश पर गठित संयुक्त प्रवर्तन दल ने तारा फर्टिलाइजर एवं विकास कृषि केन्द्र की जांच कर स्टॉक, बिक्री रजिस्टर, दर सूची, गोदाम और पीओएस मशीन के अभिलेखों का सत्यापन किया। निरीक्षण के दौरान दुकानदारों को प्रतिदिन उर्वरकों की अद्यतन दर सूची और स्टॉक विवरण सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करने का निर्देश दिया गया। साथ ही स्पष्ट किया गया कि उर्वरकों की बिक्री केवल किसानों को ही की जाए तथा जमाखोरी, कालाबाजारी या गैर-कृषि उपयोग की शिकायत मिलने पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी। वहीं जांच टीम ने कीटनाशकों की भी पड़ताल करते हुए उनकी वैधता अवधि की जांच की और नाबालिगों एवं महिलाओं को पेस्टीसाइड नहीं बेचने का सख्त निर्देश दिया।

पल्स पोलियो कार्यक्रम को लेकर बीडीओ ने की बैठक, दिये आवश्यक दिशा निर्देश

बिभा संवाददाता

राजमहल। राजमहल प्रखंड विकास पदाधिकारी मोहम्मद यूसुफ की अध्यक्षता में गुरुवार को प्रखंड टास्क फोर्स की एक महत्वपूर्ण बैठक आहूत की गई। वही बैठक का मुख्य एजेंडा आगामी 28, 29 एवं 30 जून 2026 को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय पल्स पोलियो कार्यक्रम की तैयारियों और अन्य स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों की समीक्षा करना था। वही बैठक के दौरान बीडीओ ने आगामी पल्स पोलियो अभियान को शत-प्रतिशत सफल बनाने के लिए सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि क्षेत्र के सभी अप्रतिरक्षित बच्चों को चिन्हित कर उनका टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए कहा कि इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में किसी भी प्रकार की कोताही या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कर्तव्य में चूक करने वालों के खिलाफ आवश्यक अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। वही इसके उपरांत बीडीओ ने स्वास्थ्य विभाग के समस्त चल रहे कार्यक्रमों की बारी-बारी से विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने नियमित टीकाकरण कार्य पर विशेष जोर देते हुए इसे गति प्रदान करने का निर्देश दिया। बैठक में कुपोषण की गंभीर समस्या पर भी गहन चर्चा हुई। बाल विकास परियोजना विभाग से उपस्थित महिला पर्यवेक्षिका मंजू यादव को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए बीडीओ ने कहा कि प्रखंड क्षेत्र में अधिक से अधिक कुपोषित बच्चों को चिन्हित किया जाए और उन्हें कुपोषण उपचार केंद्र, राजमहल में भर्ती कराकर उचित इलाज सुनिश्चित किया जाए। वही इस अवसर पर अंचल अधिकारी, उपाधीक्षक अनुमंडल अस्पताल राजमहल, प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक सह लेखा प्रबंधक अमित कुमार, प्रखंड डाटा प्रबंधक नितिन मुर्मू, वरीय यक्ष्मा पर्यवेक्षक संजय यादव, वीबीडी पर्यवेक्षक डेनियल किस्कू, विश्व स्वास्थ्य संगठन से सुनील रंजन, यूनिसेफ से विनोद कुमार शर्मा, महिला बाल विकास परियोजना पर्यवेक्षिका मंजू यादव, बीटीटी चितरंजन ठाकुर, धीरन मंडल समेत कई स्वास्थ्य कर्मी एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

राजद कार्यकर्ताओं ने मनाया लालू प्रसाद यादव का 79वां जन्मदिन, दीघार्यु की कामना

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव का 79 वां जन्मदिन गुरुवार को साहेबगंज में उत्साह और सादगी के साथ मनाया गया। शहर के मछुआ सोसाइटी परिसर में आयोजित कार्यक्रम में राजद नेताओं और कार्यकताओं ने केक काटकर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं तथा उनके स्वस्थ एवं दीर्घ जीवन की कामना की। वहीं कार्यक्रम का नेतृत्व राजद जिलाध्यक्ष सत्यनारायण यादव ने किया। वहीं उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद यादव ने अपने राजनीतिक जीवन में पिछड़े वर्ग, दलित, अल्पसंख्यक तथा गरीब तबकों की आवाज को मजबूती से उठाया और उनके अधिकारों के लिए लगातार संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय की राजनीति को नई दिशा देने में लालू प्रसाद यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।
जन्मदिन समारोह के दौरान कार्यकताओं ने एक-दूसरे को केक खिलाकर खुशी का इजहार किया और संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में प्रदेश सचिव मुन्ना यादव, जिला उपाध्यक्ष संजय प्रसाद यादव, दिलीप मंडल, ओमप्रकाश शर्मा, ओमप्रकाश चौधरी, संतोष कुमार समेत बड़ी संख्या में राजद कार्यकर्ता उपस्थित रहे। वहीं समारोह सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ, जहां कार्यकताओं ने अपने नेता के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए उनके लंबे और स्वस्थ जीवन की कामना की।

चार दशक पुराने बसेरे पर चला कोर्ट का आदेश, आत्मदाह की चेतावनी से टली दखलदेहानी

बिभा संवाददाता

राजमहल । नगर पंचायत कार्यालय के समीप फतेहजंगपुर मौजा स्थित एक विवादित भूमि पर गुरुवार को प्रस्तावित दखलदेहानी की कार्रवाई विरोध के कारण पूरी नहीं हो सकी। झारखंड हाई कोर्ट के आदेश के अनुपालन में प्रशासनिक टीम जब मौके पर पहुंची, तो भूमि पर लंबे समय से निवास कर रहे परिवारों ने कार्रवाई का विरोध करते हुए अपने अधिकारों का दावा किया। स्थिति तनावपूर्ण होने पर प्रशासन ने कार्रवाई स्थगित कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अनुमंडल पदाधिकारी सदानंद महतो के निर्देश पर अंचल निरीक्षक प्रवीण कुमार को दंडाधिकारी नियुक्त कर प्रशासनिक टीम दाग संख्या-70 की लगभग एक बीघा तीन कट्ठा भूमि पर न्यायालय के आदेश के अनुपालन हेतु पहुंची थी। टीम के साथ महिला थाना प्रभारी करुणा कुमारी समेत पुलिस बल के जवान भी मौजूद थे। वहीं कार्रवाई की सूचना मिलते ही भूमि पर रह रहे परिवारों ने विरोध जताया। लोगों का कहना था कि वे चार दशक से अधिक समय से वहां निवास कर रहे हैं और उनके पास संबंधित दस्तावेज उपलब्ध हैं। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि इसी पते पर उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिल चुका है, इसलिए वे स्वयं को वैध निवासी मानते हैं। वहीं विरोध के दौरान कुछ लोगों ने अपने ऊपर डीजल छिड़ककर आत्मदाह की चेतावनी दी, जिससे मौके पर तनाव बढ़ गया। किसी भी अप्रिय घटना की आशंका को देखते हुए प्रशासनिक अधिकारियों ने तत्काल संयम बरतते हुए कार्रवाई रोक दी। इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी मौके पर जमा हो गए थे। वहीं प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि न्यायालय के आदेश का पालन करना उनकी जिम्मेदारी है, लेकिन लोगों की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए तत्काल दखलदेहानी नहीं की गई। फिलहाल प्रशासनिक टीम वापस लौट गई है और आगे की कार्रवाई उच्च अधिकारियों के निर्देश के बाद तय की जाएगी। मौके पर अंचल अमीन मो. करीम, पुलिस निरीक्षक राजीव रंजन, महिला थाना प्रभारी करुणा कुमारी, एसआई महादेव उरांव, दिवान कुमार निराला, पवन यादव सहित सुरक्षा बल के अन्य जवान मौजूद थे। यह मामला अब प्रशासनिक और कानूनी स्तर पर आगे की प्रक्रिया का इंतजार कर रहा है।

साहेबगंज में झामुमो का महाजुटान आज, बूथ मजबूती पर होगा मंथन

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत बनाने की कवायद में झारखंड मुक्ति मोर्चा शुक्रवार को साहेबगंज टाउन हॉल में कार्यकताओं का बड़ा सम्मेलन आयोजित करने जा रहा है। सम्मेलन को लेकर पार्टी ने तैयारियां पूरी कर ली हैं और इसे आगामी राजनीतिक गतिविधियों के लिहाज से अहम माना जा रहा है। वहीं सम्मेलन की झामुमो जिला अध्यक्ष अरुण सिंह ने गुरुवार को प्रेस वार्ता कर दिया उन्होंने बताया कि दोपहर 2 बजे से शुरू होने वाले कार्यक्रम में पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और जनप्रतिनिधि शामिल होंगे। इनमें केंद्रीय महासचिव एवं प्रवक्ता विनोद पांडे, केंद्रीय सचिव व प्रवक्ता पंकज मिश्रा, राजमहल विधायक एमटी राजा, बोरियो विधायक धनंजय सोरेन व लिट्टीपाड़ा विधायक हेमलाल मुर्मू प्रमुख रूप से मौजूद रहेंगे। साथ ही जिला अध्यक्ष अरुण सिंह ने कहा कि सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय और मजबूत बनाना, कार्यकताओं की भूमिका को और प्रभावी करना तथा आगामी राजनीतिक एवं जनसरोकार से जुड़े कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करना है। कार्यक्रम में केंद्रीय समिति से लेकर जिला, प्रखंड और नगर इकाइयों के पदाधिकारियों के अलावा विभिन्न मोर्चा एवं वर्ग संगठनों के प्रतिनिधि, बीएलए-2, पंचायत अध्यक्ष-सचिव और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल होंगे। वहीं पार्टी नेताओं ने इसे संगठनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण सम्मेलन बताते हुए सभी कार्यकताओं से निर्धारित समय पर पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है। सम्मेलन में संगठन विस्तार, कार्यकताओं के दायित्व और भविष्य की रणनीति पर विशेष चर्चा होने की संभावना है। वहीं प्रेस वार्ता के दौरान जिला उपाध्यक्ष संजीव शामू हेंब्रम, केंद्रीय समिति सदस्य संजय मिश्रा, जिला कोषाध्यक्ष सुरेश शाह, प्रखंड अध्यक्ष अमरदीप सिंह, नगर अध्यक्ष आदित्य यादव, सोशल मीडिया सदस्य मो. एजाज अंसारी समेत कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अनाबद्ध निधि से संचालित योजनाओं की उपायुक्त ने की समीक्षा

23-24 की 47 और 24-25 की 43 योजनाएं हुईं पूरी, शेष कार्य जल्द पूरा करने का निर्देश

अनाबद्ध निधि अंतर्गत लंबित योजनाओं के त्वरित निष्पादन व नई योजनाओं की स्वीकृति पर हुई चर्चा

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। समाहरणालय स्थित उपायुक्त कार्यालय प्रकोष्ठ में उपायुक्त दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में जिला योजना अनाबद्ध निधि अंतर्गत संचालित योजनाओं एवं कार्यों की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में वित्तीय वर्ष 23-24 से 25-26 तक की योजनाओं का वितीय एवं भौतिक प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों एवं कार्यकारी एजेंसियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।
समीक्षा के दौरान वित्तीय वर्ष 23-24 एवं 24-25 की जिला योजना अनाबद्ध निधि अंतर्गत संचालित योजनाओं की प्रगति पर विस्तृत चर्चा की गई। मई 2026 तक की उपलब्धि के अनुसार जिले में स्वीकृत वित्तीय वर्ष 23-24 की कुल 48 योजनाओं में से 47 योजनाएं भौतिक रूप से पूर्ण कर ली गई हैं, शेष एक योजना लंबित है। वर्ष 24-25 के अंतर्गत स्वीकृत कुल 48 योजनाओं में से 43 योजनाओं का कार्य पूर्ण किया जा चुका है, जबकि 5 योजनाओं पर कार्य प्रगति पर है। उपायुक्त ने संबंधित कार्यकारी एजेंसियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी लंबित कार्यों को पूर्ण करने तथा भौतिक रूप से पूर्ण योजनाओं का अधियाचना शीघ्र समर्पित करने का निर्देश दिया। वहीं बैठक में वित्तीय वर्ष 25-26 के अंतर्गत अनाबद्ध निधि से संचालित योजनाओं की भी समीक्षा के दौरान जिले में कुल 70 योजनाएं स्वीकृत एवं संचालित हैं। जिसमें 24 योजनाएं भौतिक रूप से पूर्ण है। शेष 46 योजनाओं का कार्य विभिन्न चरणों यथा एकरारनामा निष्पादन एवं कार्यान्वयन की प्रक्रिया जारी है, जिसे शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। वहीं उपायुक्त द्वारा जिला योजना कार्यालय एवं संबंधित कार्यकारी एजेंसियों को निर्देश दिया कि सभी लंबित योजनाओं को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण किया जाए तथा वित्तीय प्रावधानों के अनुरूप कार्यों में तेजी लायी जाए। साथ ही वर्ष 26-27 में कार्यान्वयन हेतु मूलभूत सुविधाओं एवं आधारभूत संरचनाओं से संबंधित योजनाओं के प्राक्कलन तैयार कराते हुए जिला योजना कार्यकारिणी समिति के समक्ष उपस्थापित करने एवं कार्यपालक अभियंताओं को शेष योजनाओं के त्वरित एवं गुणवतापूर्ण निष्पादन हेतु आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। मौके पर जिला योजना पदाधिकारी अनुप कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी दुगानंद झा, कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल रामाकांत, कार्यालय अभियंता, एनआरईपी देवीलाल हांसदा सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

एसआईआर व निर्वाचन कार्य को लेकर बैठक आयोजित, दिए गए दिशा-निर्देश

बिभा संवाददाता

उधवा । उधवा प्रखंड सभागार कक्ष में गुरुवार को एसआईआर व निर्वाचन कार्य को लेकर बीएलओ एवं बीएलओ पर्यवेक्षकों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह बीडीओ जयंत कुमार तिवारी ने किया। इस दौरान सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह बीडीओ श्री तिवारी ने बीएलओ एवं बीएलओ पर्यवेक्षकों के साथ एसआईआर से संबंधित मैपिंग कार्य सहित अन्य बिंदुओं पर समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी वास्तविक मतदाताओं का नाम छुटना नहीं चाहिए। कहा कि मैपिंग के दौरान किसी प्रकार की लोभ-लालच व भय में कार्य नहीं करें। बल्कि अपने कार्य के प्रति सजग होकर कार्य करें। उन्होंने सभी बीएलओ व बीएलओ पर्यवेक्षकों को निर्देशित किया कि जल्द से जल्द कार्य को अंतिम रूप देना है। मौके पर प्रभारी प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी सह पर्यवेक्षक संतोष कुमार सुमन, ओमप्रकाश साहा, मोनिका मुर्मू, प्रेमचंद रजक, शिवराम मुर्मू, फुल कुमार टोप्पो, सिकंदर अली, विनोद कुमार, प्रेमनंदन चौड़े, कम्प्यूटर ऑपरेटर देवाशीष साहा, बीएलओ मीरा कुमारी, आशा कुमारी, मीरा देवी सहित अन्य मौजूद थे।

भारत / अफगानिस्तानः इतिहास रचने की दहलीज पर शुभमन गिल, पहले वनडे में बना सकते हैं बड़ा रिकॉर्ड

दुबई (एजेंसी)। भारत और अफगानिस्तान के बीच 13 जून से धर्मशाला में शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला कई बड़े रिकॉर्ड्स का गवाह बन सकता है। भारतीय कप्तान शुभमन गिल इस मैच में बल्लेबाजी के एक खास मुकाम के बेहद करीब हैं। अगर वह बड़ी पारी खेलते हैं तो वनडे क्रिकेट के इतिहास में अपना नाम सुनहरे अक्षरों में दर्ज करा सकते हैं।

3000 वनडे रन पूरे करने से सिर्फ 43 रन दूर गिल

जनवरी 2019 में न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे डेब्यू करने वाले शुभमन गिल ने अब तक 61 पारियों में 2953 रन बनाए हैं। उन्हें 3000 वनडे रन पूरे करने के लिए सिर्फ 43 रनों की जरूरत है। अगर गिल धर्मशाला में यह उपलब्धि हासिल कर लेते हैं तो वह वनडे इतिहास में 3000 रन तक पहुंचने वाले दूसरे सबसे तेज बल्लेबाज बन जाएंगे। दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज हाशिम अमला ने यह कारनामा 57 पारियों में किया था, जो अब भी विश्व रिकॉर्ड है।

कई दिग्गजों को पीछे छोड़ सकते हैं शुभमन

3000 रन का आंकड़ा छूते ही शुभमन गिल वेस्टइंडीज के शाई होप, पाकिस्तान के फखर जमान और इमाम-उल-हक को पीछे छोड़ देंगे। इन तीनों बल्लेबाजों ने 67 पारियों में 3000 रन पूरे किए थे। साथ ही गिल भारत के सबसे तेज 3000 वनडे रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बन जाएंगे। फिलहाल यह रिकॉर्ड शिखर धवन के नाम है, जिन्होंने 72 पारियों में यह मुकाम हासिल किया था।

रोहित शर्मा भी रिकॉर्ड तोड़ने के करीब

सीरीज के पहले मुकाबले में रोहित शर्मा के पास भी एक बड़ी उपलब्धि हासिल करने का मौका होगा। भारतीय कप्तान को वनडे क्रिकेट में दक्षिण अफ्रीका के महान ऑलराउंडर जैक्स कैलिस को पीछे छोड़ने के लिए सिर्फ 3 रनों की जरूरत है। कैलिस ने अपने करियर में 328 वनडे मैचों में 11,579 रन बनाए थे, जबकि रोहित शर्मा 282 मैचों में 11,577 रन तक पहुंच चुके हैं। तीन रन बनाते ही रोहित इस सूची में उनसे आगे निकल जाएंगे।

कुलदीप यादव की नजर 200 विकेट पर

स्टार स्पिनर कुलदीप यादव भी एक खास रिकॉर्ड के करीब हैं। कुलदीप ने अब तक 120 वनडे मैचों में 194 विकेट हासिल किए हैं और उन्हें 200 विकेट पूरे करने के लिए सिर्फ 6 विकेट की जरूरत है। अगर कुलदीप पहले वनडे में छह विकेट लेने में सफल रहते हैं तो वह वनडे क्रिकेट में 200 विकेट पूरे करने वाले दूसरे सबसे तेज भारतीय गेंदबाज बन जाएंगे। फिलहाल यह रिकॉर्ड मोहम्मद शमी के नाम दर्ज है।

सिंधु और तन्वी ऑस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंची

सिडनी (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और युवा खिलाड़ी तन्वी शर्मा ने बृहस्पतिवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में अपने प्रतिद्वंद्वियों को सीधे गेम में हराकर महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। तीसरी वरीयता प्राप्त सिंधु ने राउंड ऑफ 16 मैच में हमवतन ईशारानी बरुआ को 42 मिनट में 22-20, 21-12 से शिकस्त दी।

बुधवार को चीनी ताइपे की पांचवीं वरीय और दुनिया की 11वें नंबर की खिलाड़ी च्यू पिन चियान को हराकर उलटफेर करने वाली तन्वी ने हमवतन मालविका बंसोड़ को 21-13, 21-15 से हराकर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। अब सिंधु चीनी ताइपे की चेन सु यू से भिड़ेंगी जबकि तन्वी का सामना जापान की शीर्ष वरीय अकाने यामागुची से होगा। तान्या हेमंत का सफर थाईलैंड की दूसरी वरीयता प्राप्त पोर्नपावी चोचुवोंग से 12-21, 15-21 से हारकर खत्म हो गया।

भारत के हरिहरन अमसाकरुणन और एमआर अर्जुन की पुरुष युगल जोड़ी ने ऑस्ट्रेलिया के माइकल ओवेन और डायलन सोएदजासा की जोड़ी को 21-17, 21-7 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। अब वे अगले दौर में चीनी ताइपे के चेन चेंग कुआन और लियू कुआंग हेंग की जोड़ी से भिड़ेंगे। ध्रुव रावत और के मनीषा की मिश्रित युगल जोड़ी दूसरे दौर में जापान के अकीरा कोगा और नात्सु सैतो की जोड़ी से 19-21, 18-21 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई।

भारत आईसीसी वनडे टीम रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार, न्यूजीलैंड ने बढ़ाई टीम इंडिया के लिए चिंता

दुबई (एजेंसी)। भारत वार्षिक अपडेट के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) की पुरुषों की एकदिवसीय टीम रैंकिंग में शीर्ष पर बना हुआ है लेकिन न्यूजीलैंड पर उसकी बढ़त आठ अंक से घटकर सिर्फ पांच अंक की रह गई है। अपडेट के बाद भारत के अंक 119 से घटकर 118 हो गए हैं जबकि न्यूजीलैंड के दो अंक के फायदे से 113 अंक हैं। मौजूदा विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया 109 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है। शीर्ष 10 टीम में एकमात्र बदलाव में दक्षिण अफ्रीका (102) ने पाकिस्तान (98) को पछाड़कर चौथा स्थान हासिल कर लिया है। नौवें स्थान पर मौजूद बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के बीच अंतर अब बढ़कर 10 अंक का हो गया है। आयरलैंड ने जिम्बाब्वे को पीछे छोड़कर 11वां स्थान हासिल किया है जबकि अमेरिका भी स्कॉटलैंड से आगे निकलकर 13वें स्थान पर है। संयुक्त अरब अमीरात अब कनाडा से आगे 19वें स्थान पर है। पिछले सप्ताह किए गए सालाना अपडेट के बाद भारत आईसीसी की पुरुषों की टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भी शीर्ष पर है जबकि ऑस्ट्रेलिया टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक है। ऑस्ट्रेलिया महिलाओं की एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय दोनों रैंकिंग में शीर्ष पर है।

त्रिकोणीय सीरीजः अफगानिस्तान ए ने भारत ए को हराया, डीएलएस नियम बना कारण

दांबुला (एजेंसी)। भारत ए टीम यहां अफगानिस्तान ए टीम के खिलाफ हुए त्रिकोणीय सीरीज के अपने दूसरे मैच में 349 रनों का विशाल स्कोर बनाने के बाद भी हार गयी। इसका कारण बारिश होने के कारण डीएलएस नियम से किया गया फैसला रहा। इस मैच में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाज करते हुए 9 विकेट पर 349 रन बनाए। इसक बाद लक्ष्य का पीछा करते हए अफगानिस्?तान ने 25.5 ओवर में ही दो विकेट पर 177 रन बना लिए थे। डीएलएस के आधार पर अफगानिस्?तान ए को इतने समय तक 174 रन बनाने थे। ऐसे में उसे चार रनों से आगे होने के कारण विजेता घोषित कर दिया गया।

वहीं इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए प्रभसिमरन सिंह, ऋतुराज गायकवाड़ और कप्तान तिलक वर्मा के अर्धशतको से भारत ए ने यहां त्रिकोणीय सीरीज में अफगानिस्तान ए के खिलाफ 49 ओवर में 9 विकेट खोकर 349 रन बनाये। इस प्रकार अफगान टीम को जीत के लिए 350 रनों का कठिन लक्ष्य मिला। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी रही। वैभव सूर्यवंशी और प्रभसिमरन सिंह ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए पहले विकेट के लिए 7.1 ओवर में 74 रन जोड़े। वैभव ने तेजी से खेलते हुए केवल 22 गेंदों में 44 रन बनाए। वहीं प्रियांश आर्या केवल 8 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद ऋतुराज गायकवाड़ और प्रभसिमरन ने तीसरे विकेट के लिए 74 गेंदों में 79 रन बनाये। ऋतुराज ने 80 गेंदों पर 66 रनों की शानदार पारी खेली। वहीं प्रभसिमरन अपने शतक से रह गए और 69 गेंदों में 14 चौकों की मदद से 84 रन ही बना पाये। आयुष बदोनी शून्य पर ही आउट हुए। वहीं तिलक ने 73 गेंदों में 5 चौके लगाकर 66 रन बनाए। सूर्यांश शेडगे ने 27 गेंदों में 40 रन बनाये।वहीं अरशद खान केवल एक रन ही बना सके। अनुकूल रॉय ने 8 गेंदों का सामना करते हुए 2 चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 16 रन बनाए। वहीं, विपराज निगम ने 3 गेंदों में 8 रन बनाए। अफगानिस्तान ए की ओर से गेंदबाजी में अब्दुल्ला अहमदजई ने 68 रन देकर 5 विकेट लिए जबकि फरमानुल्लाह साफी ने 3 विकेट जबकि कप्तान इमरान मीर ने एक विकेट लिया।

एकदिवसीय सीरीज के लिए पांड्या के विकल्प की घोषणा शीघ्र होगी : सैकिया

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या चोट के कारण अफगानिस्तान के साथ 13 जून से शुरू होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज से बाहर हो गये है। पांड्या की जगह पर अभी किसी खिलाड़ी को शामिल करने की घोष्णा नहीं की गयी है। वहीं इसको लेकर अब भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव देवजीत सैकिया का बयान आया है। सैकिया ने कहा कि चयन समिति जल्द ही यह फैसला करेगी कि उनके स्थान पर किसी खिलाड़ी को टीम में शामिल किया जाए या वर्तमान 14 खिलाड़ियों के साथ ही सीरीज खेली जाए। सैकिया ने कहा, हार्दिक पांड्या चोट के कारण एकदिवसीय सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनके विकल्प को लेकर जल्द फैसला लिया जाएगा। पांड्या इसी महीने बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीआई) पहुंचे थे। आईपीएल में खेलते हुए उनकी पीठ में एंठन आ गयी थी। रिहैब के दौरान उन्हें खेलने की मंजूरी मिल गई थी, लेकिन बाद में जांघ की मांसपेशी में खिंचाव को देखते हुए उन्हें कुछ सप्ताह के लिए आराम की सलाह दी गई। उम्मीद है कि वह अगले महीने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज तक फिट हो जाएंगे। हार्दिक की गैरमौजूदगी में नितीश कुमार रेड्डी को उनकी जगह अंतिम ग्यारह में मौका मिल सकता है। आईपीएल 2026 में अपनी तेज गेंदबाजी और अच्छी बल्लेबाजी से नितीश ने प्रभावित किया था। नितीश ने 14 मैचों में 8 विकेट हासिल किए थे और कई अवसरों पर जबरदस्त बल्लेबाजी भी की है। उनके अलावा शिवदुबे और अर्शद खान भी दावेदार हो सकते हैं। शिवम दुबे फिलहाल टी20 मुंबई लीग में खेल रहे हैं, जबकि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शद खान भारत-ए की ओर से श्रीलंका-ए और अफगानिस्तान-ए के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज में हिस्सा ले रहे हैं।

ओलंपिक में विराट और वैभव को पारी की शुरुआत के लिए शामिल करे बीसीसीआई : श्रीसंत

मुम्बई । पूर्व भारतीय क्रिकेटर एस. श्रीसंत भी उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी से बेहद प्रभावित हैं। इसी को देखते हुए श्रीसंत ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से कहा है कि साल 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों में भारतीय टीम की पारी की शुरुआत के लिए अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और वैभव सूर्यवंशी को रखे। गौरतलब है कि साल 2028 में लॉस एंजिल्स में आयोजित होने वाले ओलंपिक खेलों से क्रिकेट की वापसी हो रही है। जिससे लेकर क्रिकेट जगत में बेहद उत्साह है। इसमें टी20 प्रारुप में मुकाबले रखे गये हैं। इसमें भारत सहित कुल छह शीर्ष टीमों को भाग लेने का अवसर मिलेगा।

श्रीसंत के अनुसार ओलंपिक खेलों के लिए विराट जैसे अनुभवी खिलाड़ी को टीम में रखा जाना चाहिए, और उनके साथ ही 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को भी मौका मिलना चाहिए। श्रीसंत के इस सुझाव के पीछे एक अनुभवी और एक युवा बल्लेबाज के मिश्रण से शीर्ष क्रम को मजबूती देने का विचार है। हालांकि, यह अनुरोध पूरा करना बीसीसीआई के लिए संभव नजर नहीं आता क्योंकि विराट ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया हैं, और वैभव को भी अभी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करना है।

श्रीसंत ने एक वीडियो में कहा, विराट ने जो काम किया है, वह अविश्वसनीय है। यदि हम ओलंपिक स्वर्ण की बात कर रहे हैं, तो मैं अनुरोध करता हूं कि विराट टीम में खेलें। यह सीनियर और जूनियर का एक बेहतरीन मिश्रण होगा। विराट के साथ सूर्यवंशी का उतरना अद्भुत होगा। उन्होंने कहा, चयनकर्ताओं को विराट को टी20 में बनाए रखना चाहिए, क्योंकि उनकी फिटनेस अभी शीर्ष स्तर की है। गौरतलब है कि विराट का टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर शानदार रहा है, जबकि वैभव ने आईपीएल में धमाकेदार प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा दिखायी है। इसलिए उन्हें भविष्य का सितारा माना जा रहा है, और उनकी क्षमताओं को देखते हुए ही उन्हें आगामी एशियई खेलों के लिए भी भारतीय टीम में चुना गया है।

फीफा विश्व कप : पहले दिन के अपने खराब रिकॉर्ड को बदलना चाहेगा मैक्सिको

मैक्सिको सिटी (एजेंसी)। सहमेजबान मैक्सिको का फुटबॉल विश्व कप के पहले दिन खेलते हुए रिकॉर्ड काफी खराब है और टीम आमतौर पर विश्व कप के पहले दिन अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाती। पिछले सात प्रयास में मैक्सिको की टीम को पांच बार हार का सामना करना पड़ा जबकि दो मैच ड्रॉ रहे। बृहस्पतिवार को मैक्सिको को एक और मौका मिलेगा जब वह 48 टीम वाले टूर्नामेंट के शुरुआती दिन दक्षिण अफ्रीका की मेजबानी करेगा।

कोच जेवियर एग्वायरे ने बुधवार को एज्टेका स्टेडियम में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'हमें इस सिलसिले को तोड़ना होगा।'' बिना जीत वाले इस सिलसिले के बारे में उन्होंने कहा, ''मुझे इसके बारे में पता नहीं था लेकिन मैं खिलाड़ियों को इसके बारे में बताऊंगा। यह उन्हें यह बताने का एक अच्छा कारण है कि हमें मैदान पर उतरकर मैच जीतना है। उम्मीद है कि हम कल इस सिलसिले को तोड़ देंगे।'

मैच दक्षिण अफ्रीका में 2010 विश्व कप के उद्घाटन मैच जैसा ही है। वह मैच जोहानिसबर्ग में 1-1 से ड्रॉ हुआ था। मैक्सिको के मैनेजर के तौर पर अपना तीसरा कार्यकाल संभाल रहे एग्वायरे ने टीम को वर्षों बाद अपना सर्वश्रेष्ठ फुटबॉल खेलते हुए देखा है और टीत सात मैच के अजेय अभियान के साथ विश्व कप में उतर रही है। मैक्सिको को अपनी पिछली हार नवंबर में पैराग्वे के खिलाफ मिली थी।

एग्वायरे ने कहा, 'यह हमारे लिए एक शानदार दिन हो सकता है। चाहे कुछ भी हो यह एक ऐसा जश्न होगा जो दशकों तक याद रखा जाएगा।' एग्वायरे ने 1986 में अपने देश में हुए विश्व कप में मैक्सिको का प्रतिनिधित्व किया था तब टीम ने टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच नहीं खेला था लेकिन क्वार्टर फाइनल तक पहुंची थी। मैक्सिको 1930, 1950, 1954, 1958 और 1962 विश्व कप में पहले दिन हुए अपने मैच हार गया था और 1970 (अपने देश में) और 2010 में मैच ड्रॉ रहे थे।

महिला टी20 विश्वकप : अभ्यास मैच में इंग्लैंड ने भारतीय टीम को 5 रनों से हराया

लंदन । भारतीय महिला क्रिकेट टीम को इंग्लैंड के खिलाफ अभ्यास मैच में 5 रनों से हार का सामना करना पड़ा है। शनिवार से शुरु हो रहे टी20 विश्वकप को देखते हुए ये मैच काफी अहम माना जा रहा था। इस मैच मेजबान इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम को 172 रनों का लक्ष्य दिया। जिसका पीछा करते हुए भारतीय टीम 19.5 ओवर में 166 रन ही बना पायी। इस प्रकार उसे करीबी हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम की ओर से विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष ने सबसे अधिक 68 रन बनाये। इससे पहले भारतीय टीम ने ने टॉस जीतकर मेजबान टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। इंग्लैंड ने निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 171 रन बनाये। इंग्लैंड की तरफ से एमी जोंस ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 45 गेंदों पर शानदार 64 रन बनाए। वहीं, नट सेवियर ब्रंट ने भी 45 गेंदों पर 57 रन बनाये। डानी गिब्सन ने 12 गेंदों पर 4 चौकों और 1 छक्के की सहायता से नाबाद 30 रन बनाकर टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। भारत की ओर से श्रेयांका पाटिल ने दो विकेट लिए जबकि शेफाली वर्मा, रेणुका सिंह, श्री कारणी और राधा यादव को एक-एक विकेट मिला। इसके बाद 172 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। भारतीय टीम के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज 20 रनों के अंदर ही सिमट गये पर छठे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए ऋचा ने 36 गेंदों पर ही 9 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 68 रन बना दिये। वहीं इंग्लैंड की ओर से लिंसे स्मिथ ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट हासिल किए, जबकि चार्ली डीन, कोलमैन और डानी गिब्सन को दो-दो विकेट मिले। इजी वॉग ने भी एक विकेट लिया।

विंबलडन ने इनामी राशि में किया भारी इजाफा, एकल विजेताओं को मिलेंगे 48 लाख डॉलर

लंदन । खिलाड़ियों की राजस्व में अधिक हिस्सेदारी की मांग के बीच विंबलडन ने कुल इनामी राशि में 20 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी का ऐलान किया। अगले महीने होने वाले इस ग्रास कोर्ट ग्रैंडस्लैम टेनिस टूर्नामेंट के एकल चैंपियन को अब 36 लाख पाउंड (48 लाख डॉलर) मिलेंगे। ऑल इंग्लैंड क्लब की अध्यक्ष डेबोरा जेवन्स ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि खिलाड़ियों के रोजाना भत्ते सहित कुल इनामी राशि छह करोड़ 42 लाख पाउंड (आठ करोड़ 58 लाख डॉलर) होगी। खिलाड़ी लंबे समय से चार ग्रैंडस्लैम से होने वाली कमाई में अधिक हिस्सेदारी की मांग कर रहे हैं और हाल ही में उन्होंने सामूहिक कार्रवाई की दिशा में कदम उठाना शुरू किया है। फ्रेंच ओपन से पहले दुनिया की नंबर एक महिला खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने कहा था कि अगर उनकी मांगें पूरी नहीं होती हैं तो खिलाड़ियों को किसी ना किसी स्तर पर बहिष्कार करना चाहिए। पुरुषों के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर, कोको गॉफ और अन्य खिलाड़ियों ने भी इस मुद्दे पर अपनी बात रखी। इसके बाद रोलां गैरो पर टूर्नामेंट से पहले हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में शीर्ष 10 खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट से होने वाली कमाई में अपने हिस्से को लेकर सांकेतिक विरोध जताते हुए पत्रकारों के साथ अपने सत्र को 15 मिनट तक ही सीमित रखा। एक साल से कुछ अधिक समय पहले 20 प्रमुख खिलाड़ियों ने चारों ग्रैंडस्लैम के प्रमुखों को एक पत्र भेजा था जिसमें अधिक इनामी राशि और फैसले लेने की प्रक्रिया में अपनी अधिक भागीदारी की मांग की गई थी।

स्टोक्स को दूसरे टेस्ट के लिए कप्तानी के साथ ही टीम से बाहर करने पर भड़के वॉन

लंदन । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने नाइटक्लब विवाद को लेकर बेन स्टोक्स को न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए कप्तानी से हटाने के साथ ही टीम से बाहर करने पर नाराजगी जतायी है। इंग्लैंड और मेहमान टीम न्यूजीलैंड के बीच दूसरा टेस्ट केनिंग्टन ओवल, लंदन में 17 जून से खेला जाएगा पर इस मैच से पहले इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने स्टोक और गस एटकिंसन को टीम से बाहर कर दिया है। ईसीबी ने जो रूट को दूसरे टेस्ट के लिए कप्तान बनाया है। इस फैसले पर भड़े वॉन का मानना है कि स्टोक्स ने जरूर गलती की है, मगर उन्हें कप्तानी से नहीं हटाना चाहिए थे। बता दें, बेन स्टोक्स की अगुवाई में ही इंग्लैंड ने लॉर्ड्स में हुए पहले टेस्ट में जीत दर्ज कर तीन मैच की इस सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई थी। वॉन ने कहा कि स्टोक्स ने नीयम तोड़कर गलती की थी पर उन्होंने सवाल किया कि क्या यह गलती इतनी गंभीर थी कि उन्हें कप्तानी के पद से हटाया जाए। वॉन ने लिखा, स्टोक्स ने नियम तोड़ा। हां, उन्होंने गलती की। लेकिन क्या यह इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान के तौर पर हटाने लायक गलती है? मुझे ऐसा नहीं लगता। वॉन ने कहा कि ईसीसी को कार्रवाई का पूरा अधिकार है पर वह स्टोक्स को लीडरशिप रोल से हटाने के किसी भी कदम से सहमत नहीं हैं। उन्होंने लिखा, ईसीब को इतना साहसी और मजबूत होना होगा कि वह वही करे जो उसे सही लगता है। अगर इसका मतलब उसे निकालना है तो ठीक है, लेकिन मैं इस मुद्दे पर उस फैसले से सहमत नहीं हूं। वॉन ने स्टोक्स का बचाव ऐसे समय में किया है जब टीम प्रोटोकॉल तोड़ने के बाद इंग्लैंड के कप्तान का भविष्य चर्चा का विषय बन गया है। यह मानते हुए कि वॉन ने तर्क दिया कि सजा गलती के हिसाब से होनी चाहिए। टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड की हाल की सफलता में स्टोक्स की भूमिका को देखते हुए पूर्व कप्तान ने कहा कि फैसले में गलती होने पर कप्तानी अपने आप नहीं चली जानी चाहिए।

टी20 विश्वकप से 60 गुना अधिक है फीफा विश्वकप की इनामी राशि

सेन डियागो (एजेंसी)। अमेरिकि, कनाडा और मैक्सिको में संयुक्त रुप से हो रहे टी20 विश्कवकप में पिछले बार से भी अधिक इनामी राशि मिलेगी। वहीं अगर टी20 क्रिकेट विश्वकप से तुलना की जाये तो फीफा विश्व की इनामी राशि 60 गुना अधिक है। इस प्रकार देखा जाये तो क्रिकेट और फुटबॉल जैसे दो सबसे लोकप्रिय खेलों के विश्वक कप की इनामी राशि में भारी अंतर है। जिससे सभी हैरान हैं। फीफा विश्व कप 2026 में इस बार कुल 48 टीमें हिस्सा ले रही हैं। टूर्नामेंट से पहले ही फीफा ने इस साल की इनामी राशि घोषित कर दी है। जिसमें पिछली बार के मुकाबले लगभग 50 प्रतिशत से अधिक की बढ़त हुई है। पिछली बार 2022 में फीफा वर्ल्ड प अर्जेंटीना ने खिताब जीता था, और उस समय कुल इनामी राशि 440 मिलियन डॉलर थी। वहीं साल 2026 में यह आंकड़ा बढ़कर 655 मिलियन डॉलर (लगभग 6241 करोड़ रुपये) तक पहुंच गया है।

अब अगर इस विशाल राशि की तुलना हाल ही में संपन्न हुए टी20 विश्व कप 2026 से करें, तो यह अंतर और भी हैरान करने वाला हो जाता है। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया ने भारत में आयोजित टी20 विश्व कप 2026 जीतकर लगातार दूसरी बार खिताब जीता था। ऐसे में उसे कुल प्राइज मनी 11.25 मिलियन डॉलर में से विजेता के तौर पर 2.63 मिलियन डॉलर (लगभग 24.28 करोड़ रुपये) मिले थे। वहीं फीफा विश्व कप 2026 की कुल प्राइज मनी टी20 वर्ल्ड कप की तुलना में 60 गुना अधिक है। इतना ही नहीं, फीफा विश्व कप में 33वें से 48वें स्थान पर रहने वाली टीमों को भी 9-9 मिलियन डॉलर (लगभग 86 करोड़ रुपये) का इनाम मिलेगा, जो टी20 वर्ल्ड कप 2026 विजेता टीम इंडिया को मिली राशि से तीन गुना से भी ज्यादा है। और अगर हम फीफा वर्ल्ड कप 2026 के चैंपियन की इनामी राशि देखें, तो विजेता टीम को 50 मिलियन डॉलर (लगभग 476 करोड़ रुपये) मिलेंगे। ये टी20 वर्ल्ड कप विजेता टीम की राशि से 19 गुना अधिक है। उप-विजेता टीम को भी 33 मिलियन डॉलर यानी 314 करोड़ रुपये प्राप्त होंगे। वहीं तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम को 29 मिलियन डॉलर (लगभग 276 करोड़ रुपये) मिलेंगे। चौथे स्थान पर 27 मिलियन डॉलर (लगभग 257 करोड़ रुपये) जबकि 5वें से 8वें स्थान तक~ 19 मिलियन डॉलर (लगभग 181 करोड़ रुपये)। 9वें से 16वें स्थान तक~ 15 मिलियन डॉलर (लगभग 143 करोड़ रुपये)।

17वें से 32वें स्थान तक~ 11 मिलियन डॉलर (लगभग 105 करोड़ रुपये) और 33वें से 48वें स्थान तक~ 9 मिलियन डॉलर (लगभग 86 करोड़ रुपये) दिये जाएंगे।

खूँटी पुलिस का अवैध अफीम खेती के खिलाफ जागरूकता अभियान तेज, ग्रामीणों को दी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी

बिभा संवाददाता

खूँटी। झारखण्ड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के निर्देश है कि खूँटी जिले को अफीम की खेती से मुक्त करना है। जिनके निर्देश पर अफीम की खेती के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। वहीं पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग के नेतृत्व में जिले के सभी थाना क्षेत्रों में अवैध अफीम की खेती के विरुद्ध व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। नशामुक्त समाज के निर्माण और अवैध मादक पदार्थों पर रोक लगाने के उद्देश्य से पुलिस प्रशासन लगातार ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर रहा है।

अभियान के तहत थाना प्रभारी एवं पुलिस पदाधिकारियों द्वारा वृहस्पतिवार को विभिन्न गाँवों का भ्रमण कर ग्रामीणों को अफीम की अवैध खेती से होने वाले कानूनी, सामाजिक एवं आर्थिक दुष्परिणामों की जानकारी दी गई। पुलिस अधिकारियों ने लोगों को बताया कि अफीम की खेती करना कानूनन अपराध है तथा इसमें संलिप्त पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस टीम ने ग्रामीणों से अपील की कि वे अपने खेतों में किसी भी प्रकार की अवैध अफीम की खेती न करें। साथ ही यदि कहीं अफीम की खेती होने की जानकारी मिले तो इसकी सूचना तत्काल स्थानीय थाना अथवा पुलिस प्रशासन को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

अभियान के दौरान किसानों को वैकल्पिक एवं लाभकारी कृषि कार्य अपनाने के लिए भी प्रेरित किया गया। पुलिस पदाधिकारियों ने ग्रामीणों के साथ बैठक कर नशामुक्त समाज के निर्माण में सहयोग करने तथा अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया।

पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले के सभी थाना क्षेत्रों में अवैध अफीम की खेती के विरुद्ध जागरूकता अभियान लगातार जारी रहेगा और अवैध खेती करने वालों के खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने आम जनता से इस अभियान में सक्रिय सहयोग की अपील की है।

सरना स्थल व जाहेर थान के लिए पूजन सामग्री का वितरण

धनबाद : विधायक चन्द्रदेव महतो की उपस्थिति में आज कल्याण विभाग के निर्देशानुसार बलियापुर प्रखंड सभागार में जाहेर थान और सरना स्थल के लिए पूजन सामग्री आपूर्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके तहत बलियापुर प्रखंड के ग्राम पंचायत परसबनियाँ बालिचिरका जाहेर थान के नंदलाल टुडू, कुसमाटांड़ के सुरेश बास्की, आमझर के लोगन मांझी व रांगामाटी के चाँद बास्की सहित 04 जाहेर थानों के मांझी हड़ाम के बीच धार्मिक अनुष्ठानों के लिए वस्त्र, बर्तन एवं अन्य सभी आवश्यक पूजन सामग्री वितरित की गई। इस अवसर पर विनोद कुमार, प्रभास चन्द्र दास, मो. आलम, क्षेत्र के प्रशासनिक अधिकारी तथा बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण उपस्थित थे।

अज्ञात युवती के शव की पहचान अभि तक नहीं हो पायी थाना प्रभारी ने पहचान करने की अपील

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के तोरपा थाना क्षेत्र अंतर्गत कुदरी गाँव के निकट नदी के पास से खेत में एक अज्ञात युवती का शव विगत 11 फरवरी 2026 को मिला था। जो गुलाबी रंग का सलवार पहनी हुई थी । जिसे गले में दुपट्टे से गला दबाकर जान से मारने का मामला आया था । लेकिन आज चार माह बाद भी उस अज्ञात युवती के शव की पहचान नहीं हो पायी है। जहाँ शव के पास से से चप्पल भी बरामद किया गया था। जिसके अनुसंधान में कई तरह से पता लगाने की कोशिश की गयी । लेकिन अभी तक उस युवती की पहचान नहीं हो पायी है। वहीं तोरपा थाना प्रभारी मनीष कुमार ने बताया कि युवती का चेहरा स्पष्ट दिखाई तो दे रहा है

। लेकिन अबतक उस युवती की पहचान नहीं हो पायी है। उन्होंने अपील किया है कि युवती शव का चित्र देखकर तो पहचान किया ही जा सकता है। जिनके पड़ोस अथवा जानकारी में होगा तो पहचान कर लेगा । जिस किसी को भी चित्र देखकर पहचान कर सकते हैं तो थाने को इसकी जानकारी दे सकते हैं। इससे उसके केस पर अनुसंधान किया जा सकता है।

संक्षिप्त खबरें

मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर बैठक-सह-कार्यशाला का आयोजन

खूँटी (बिभा)। समाहरणालय स्थित सभागार में वृहस्पतिवार को मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर उपायुक्त ने सम्बन्धित पदाधिकारियों के साथ बैठक-सह-कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन को लेकर बुथ स्तरीय पदाधिकारी और पर्यवेक्षकों को मतदाता सूची का शुद्ध एवं अद्यतन के लिए पूरी निष्ठा, पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व के साथ करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के विभिन्न चरणों, निर्धारित कार्यों एवं प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही मतदाता सूची में योग्य मतदाताओं का नाम जोड़ने, त्रुटियों के सुधार, मतदाताओं का मानचित्रण एवं अन्य आवश्यक बिंदुओं पर विशेष ध्यान देने को कहा गया। उन्होंने कहा कि इस कार्य में किसी प्रकार की त्रुटि नहीं रहना चाहिए। इस अवसर पर उप निर्वाचन पदाधिकारी सुषमा लकड़ा, मुख्य प्रशिक्षक सह प्रखंड विकास पदाधिकारी नवीन चंद्र झा, सहित संबंधित पदाधिकारी एवं बुथ स्तरीय पदाधिकारी व पर्यवेक्षक उपस्थित थे।

संगठन सशक्तीकरण को लेकर भाजपा जिला पदाधिकारियों की बैठक

खूँटी(बिभा)। जिले के भाजपा जिला कार्यालय, खूँटी में गुरुवार को जिलाध्यक्ष आनंद कुमार की अध्यक्षता में जिला पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से जिला प्रभारी सुनीता सिंह उपस्थित रहीं। बैठक में संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान निर्णय लिया गया कि जिला पदाधिकारी सभी मंडलों का प्रवास करेंगे तथा शक्ति केंद्रों एवं बूथ स्तर तक पहुँचकर कार्यकताओं के साथ बैठक कर संगठनात्मक गतिविधियों को मजबूत करेंगे। साथ ही, बूथ स्तर पर पार्टी की मजबूती, जनसम्पर्क अभियान तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी विचार-विमर्श किया गया। जिला प्रभारी सुनीता सिंह ने कार्यकताओं से संगठन की नीतियों एवं कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुँचाने का आह्वान किया। वहीं जिलाध्यक्ष आनंद कुमार ने कहा कि भाजपा की मजबूती का आधार बूथ स्तर का संगठन है और प्रत्येक पदाधिकारी को जमीनी स्तर पर सक्रिय भूमिका निभानी होगी। बैठक में जिला उपाध्यक्ष कैलाश राम व संतोष त्रिपाठी, जिला महामंत्री निखिल कण्डुलना, संदीप आनंद, गोपाल स्वर्णकार, कंचन सिंह, प्रियांक भगत तथा अनूप साहू सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

चचकोपी में डालसा का विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बेड़ो(बिभा): झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा) के निर्देश पर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा), रांची के तत्वावधान में बेड़ो प्रखंड के चचकोपी गांव में 90 दिवसीय विधिक जागरूकता अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पीएलवी मंगल तिर्की, सतीश कुमार, दिनेश प्रमाणिक, सधनी कुमारी, राजेश कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएलवी सतीश कुमार ने जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली निःशुल्क कानूनी सेवाओं, मानव तस्करी और नशा उन्मूलन के विषय में विस्तार से जानकारी दी। वहीं दिनेश प्रमाणिक ने अभिभावकों से अपने बच्चों पर विशेष ध्यान देने की अपील करते हुए मानव तस्करी के बढ़ते खतरे के प्रति सतर्क रहने को कहा। सधनी कुमारी ने लोगों को नशामुक्त जीवन अपनाने का संदेश देते हुए हड़िया, दारू एवं अन्य मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक और आर्थिक नुकसान की जानकारी दी। पीएलवी मंगल उरांव ने प्री-लिटिगेशन, विधवा एवं वृद्धा पेंशन, असंगठित मजदूर निबंधन, आयुष्मान भारत गोल्डन कार्ड, बाल श्रम, बाल अधिकार तथा बाल विवाह निषेध कानूनों के संबंध में जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को आगामी 14 नवंबर 2026 को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में भी जागरूक किया गया। बताया गया कि लोक अदालत के माध्यम से लोग अपने मामलों का त्वरित एवं निःशुल्क निपटारा करा सकते हैं। अंत में उपस्थित लोगों के बीच विधिक जागरूकता से संबंधित पंपलेट एवं लीफलेट का वितरण किया गया। साथ ही पीएलवी द्वारा डोर-टू-डोर अभियान चलाकर लोगों को कानूनी अधिकारों और सरकारी योजनाओं की जानकारी देने का संकल्प दोहराया गया।

पंचायत उपबंध पर झारखण्ड नियमावली 2025 पर जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन

बिभा संवाददाता

खूँटी। नगर भवन में पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों का विस्तार) झारखण्ड नियमावली, 2025 विषय पर एक दिवसीय जिला स्तरीय वार्ता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त मो० जावेद हुसैन द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, ग्राम प्रधानों, पंचायत प्रतिनिधियों, प्रशासनिक पदाधिकारियों एवं गणमान्य नागरिकों की सहभागिता रही।

?वार्ता में जिला पंचायतीराज पदाधिकारी प्रमोद राम ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अनुसूचित क्षेत्रों में ग्राम सभाओं को सशक्त बनाने, स्थानीय स्वशासन को मजबूत करने तथा समुदाय आधारित निर्णय प्रक्रिया को बढ़ावा देने के लिए पेसा नियमावली अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उपायुक्त मो० जावेद हुसैन ने अपने संबोधन में कहा कि पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों का विस्तार) अधिनियम एवं झारखण्ड नियमावली, 2025 अनुसूचित क्षेत्रों में रहने वाले समुदायों के अधिकारों की रक्षा एवं सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि ग्राम सभा लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला है तथा पेसा नियमावली के प्रभावी क्रियान्वयन से ग्रामीण क्षेत्रों में सहभागितापूर्ण विकास को नई गति मिलेगी। उपायुक्त ने कहा कि इस नियमावली के माध्यम से ग्राम सभाओं को स्थानीय संसाधनों, विकास योजनाओं एवं सामाजिक विषयों पर अधिक प्रभावी भूमिका प्राप्त होगी। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं पंचायत प्रतिनिधियों से नियमावली के प्रावधानों को समझते हुए इसके प्रभावी क्रियान्वयन हेतु समन्वित प्रयास करने का आह्वान किया।

अपने संबोधन में जिला परिषद अध्यक्ष मसीह गुड़िया ने कहा कि पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों का विस्तार) झारखण्ड नियमावली, 2025 अनुसूचित क्षेत्रों में ग्राम सभाओं को सशक्त बनाने तथा स्थानीय समुदायों की भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि पेसा के प्रभावी क्रियान्वयन से ग्रामीण क्षेत्रों में पारदर्शी एवं जवाबदेह शासन व्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा तथा स्थानीय परंपराओं, संस्कृति एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण को मजबूती मिलेगी। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों एवं ग्राम सभाओं से नियमावली के प्रावधानों को समझते हुए इसके सफल क्रियान्वयन में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

उप विकास आयुक्त प्रवीण कुमार प्रकाश ने अपने संबोधन में कहा कि पेसा नियमावली के सफल क्रियान्वयन के लिए प्रशासन एवं ग्राम सभाओं के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जागरूकता, प्रशिक्षण एवं जनसहभागिता के माध्यम से स्थानीय समुदायों को उनके अधिकारों एवं दायित्वों की जानकारी देना जरूरी है, ताकि नियमावली के उद्देश्यों को धरातल पर प्रभावी रूप से लागू किया जा सके।

कार्यक्रम में पंचायतीराज विभाग से आए पेसा राज्य समन्वयक सुधीर पाल ने विस्तृत प्रस्तुतीकरण के माध्यम से पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों का विस्तार) झारखण्ड नियमावली, 2025 की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह कानून किन परिस्थितियों में अस्तित्व में आया, इसकी आवश्यकता क्यों महसूस की गई तथा झारखंड में इसके क्रियान्वयन की प्रक्रिया क्या है। उन्होंने नियमावली के प्रमुख प्रावधानों, ग्राम सभा की शक्तियों, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, स्थानीय परंपराओं के संरक्षण तथा जनभागीदारी आधारित शासन व्यवस्था के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला।

राउण्ड टेबल कॉन्फ्रेंस के दौरान प्रतिभागियों द्वारा पूछे गए विभिन्न प्रश्नों का विशेषज्ञों एवं अधिकारियों द्वारा विस्तारपूर्वक उत्तर दिया गया। साथ ही पेसा नियमावली से संबंधित शंकाओं एवं भ्रांतियों का निराकरण किया गया, जिससे उपस्थित प्रतिनिधियों को नियमावली की स्पष्ट एवं व्यापक समझ प्राप्त हो सकी।

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधिगण, जिला परिषद अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष, ग्राम प्रधान, पंचायत प्रतिनिधि, गणमान्य सदस्य, जिला स्तरीय विभिन्न विभागों के वरीय पदाधिकारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी अंचल अधिकारी, डीपीएम पंचायतीराज तथा अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

पेशा कानून के अनुरुप पंचायत उपबंध पर झारखंड नियमावली पर कार्यशाला में जनता दिखे असंतुष्ट

बिभा संवाददाता

खूँटी । शहर के बीच नगर भवन में आयोजित जिला स्तरीय पंचायत उपबंध झारखंड नियमावली2025 के कार्यशाला में जिलेभर से ग्रामप्रधान, पड़हा राजा , जनप्रतिनिधि व अन्य लोग उपस्थित थे।

जिसमें खूँटी जिले में पेशा कानून के तहत रुढ़िवादी परम्परा व ग्रामसभा व्यवस्था को माननेवाले लोगों के नाम लागू पेशा कानून पर ग्रामसभा की शक्ति व कर्तव्य के साथ विकास व संचालन के लिए मामले की जानकारी झारखंड सरकार के पंचायती राज के तहत जानकारी दिया गया। जिसमें गाँवों का विकास , अधिकार आदि पर नियमावली जानकारी साझा की गयी। मौके पर , उप विकास आयुक्त ने बताया कि पेशा कानून 1996 के तहत पारम्परिक रुढ़िवादी जनजातीय परम्परा के तहत गाँवों का विकास अधिकार और गाँवो में सरकारी योजनाओं का कार्य करने व व्यवस्था बनाने के लिए जागरुकता लाने के दृष्टिकोण से लोगों को जानकारी दी गयी। जिला परिषद अध्यक्ष मसीह गुड़िया ने बताया कि पेसा कानून 1996 के तहत ही ग्राम सभा का गठन करके उनके पदाधिकारी बनाना है और उसी के अनुरूप ग्राम सभा का गठन करके गाँवों का विकास के लिए सरकारी योजनाओं का लाभ लेना है। इससे गाँवो का विकास होगा तो ग्रामीण आगे बढ़ेंगे। इसके लिए लोगों को जानकारी दिया गया। इस दौरान लोगों के बीच वितरण किये गये नियमावली जानकारी प्रपत्र से जानकारी के अभाव में असंतुष्टता जाहिर की और सम्बंधित उपस्थित पदाधिकारियों से कई तरह से प्रश्न किया गया। जिसमें उद्धृत विषयों पर पेशा कानून पर पूरी तरह कायम न होने का भाव को स्पष्ट करने को कहा । जिसमें भारत सरकार के पेशा कानून 1996 का स्पष्टता पर संदेह जाहिर किया गया। मौके पर , सभी की बातों को गंभीरता से पदाधिकारियों ने लिया और सभी के प्रश्नों का उत्तर दिया गया। हालांकि सभी लोग इसपर पूरी तरह संतुष्ट नहीं दिखे। जिसमें चंद्रप्रभात मुण्डा, दामू मुण्डा, मार्शल बारला , मनोज कुमार, सहित अनेक लोगों ने विषय विंदुओं पर अस्पष्टता पर सवाल किये। इस कार्यक्रम में पड़हा राजा, ग्राम सभा के पदाधिकारी, सामाजिक जनप्रतिनिधि व प्रशासनिक पदाधिकारी उपस्थित थे।

उप विकास आयुक्त ने सड़क परियोजनाओं में तेजी लाने का दिया निर्देश

धनबाद (बिभा): उप विकास आयुक्त श्री सन्नी राज ने पथ निर्माण विभाग के अंतर्गत स्वीकृत और प्रगतिशील सड़क परियोजनाओं की समीक्षा के लिए आज बैठक आयोजित की। बैठक में जिला विकास शाखा के प्रभारी पदाधिकारी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी और पथ निर्माण विभाग (पथ प्रमंडल, धनबाद) के कार्यपालक अभियंता मुख्य रूप से उपस्थित थे। बैठक के दौरान उन्होंने जिले में चल रही विभिन्न स्वीकृत और प्रगतिशील पथ परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति की गहन समीक्षा की। समीक्षा के दौरान यह बात सामने आई कि भू-अर्जन की प्रक्रियाओं में हो रहे विलंब के कारण कई महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं की प्रगति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उप विकास आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को भू-अर्जन से जुड़ी सभी बाधाओं को आपसी समन्वय के साथ जल्द से जल्द दूर करने का निर्देश दिया। कहा इससे विकास कार्यों को गति दी जा सकेगी और योजनाएं समय पर पूरी हो सकेगी। साथ में सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे इन परियोजनाओं की नियमित निगरानी करें ताकि आम जनता को जल्द से जल्द इन सड़कों का लाभ मिल सके।

जेएमएस ने सीसीएल प्रबंधन के खिलाफ आंदोलन का किया ऐलान

बिभा संवाददाता

खलारी ।जनता मजदूर संघ (जेएमएस) ने उत्तरी कर्णपुरा क्षेत्र के श्रमिकों की समस्याओं को लेकर सीसीएल प्रबंधन के खिलाफ संघर्ष तेज करने का निर्णय लिया है। गुरुवार को डकरा स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में आयोजित संगठनात्मक बैठक में श्रमिकों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई और आंदोलन की आगामी रूपरेखा तैयार की गई।बैठक की अध्यक्षता सेतु बांध सिंह ने की, जबकि संचालन क्षेत्रीय सचिव गोल्डन यादव ने किया। इस

अवसर पर जनता मजदूर संघ के सीसीएल अध्यक्ष कमलेश सिंह विशेष रूप से मौजूद रहे।बैठक में नेताओं ने श्रमिकों के कथित शोषण, 9.3.0 नीति, नए श्रम संहिता (लेबर कोड), रविवार ड्यूटी समेत कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर गंभीर चिंता व्यक्त की। वक्ताओं ने कहा कि यदि श्रमिकों की मांगों और समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो संगठन चरणबद्ध आंदोलन शुरू करने को बाध्य होगा।संघ के पदाधिकारियों ने श्रमिक एकता को संगठन की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए मजदूर हितों की रक्षा के लिए लगातार संघर्ष जारी रखने का संकल्प दोहराया। साथ ही प्रबंधन से श्रमिकों की समस्याओं का शीघ्र समाधान करने की मांग की गई।बैठक में केडीएच परियोजना से टुपा महतो एवं आनंद सिंह, पूणाडीह परियोजना से रवींद्र उरांव एवं मनीष कुमार, खान बचाव केंद्र से धनंजय भारती, चंदन कुमार सिन्हा, बंशी कुमार राम, टेकलाल महतो, कंचन महतो, रामेश्वर कुमार यादव, रोहिणी परियोजना से अनिल कुमार लोहार, बीरेंद्र कुमार पासवान, संतोष कुमार, दीपक कुमार राय, चूरी परियोजना से दीपक कुमार एवं इंसान गंझू, जीएम यूनिट से विक्रम कुमार ठाकुर, संजय सिंह, विजय प्रताप सिंह सहित कई प्रतिनिधि उपस्थित थे।

स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत साहू तालाब एवं सार्वजनिक स्थलों पर चला विशेष सफाई अभियान

बिभा संवाददाता

खूँटी। भारत सरकार के निर्देशानुसार 5 जून से 12 जून 2026 तक पर्यावरण सप्ताह मनाया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य ₹4-वे सेग्रीगेशन₹ (कचरा पृथक्करण) के प्रति जन-जागरूकता फैलाना है। इसी क्रम में गुरुवार को राँची-चाईबासा मुख्य मार्ग स्थित साहू तालाब में विशेष सार्वजनिक स्वच्छता अभियान चलाया गया।

इस अभियान में नगर पंचायत अध्यक्षा रानी टूटी, वार्ड पार्षद दिनेश कुमार महतो, अनूप कुमार साहू, विनय नायक, मो. खालिद हुसैन सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। वहीं नगर प्रबंधक मोनिस सलाम के नेतृत्व में नगर पंचायत कर्मियों एवं सफाईकर्मियों ने भी अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

बेलाहाथी रोड स्थित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्लांट का भ्रमण कर जनप्रतिनिधियों को कचरे के वैज्ञानिकपरक निस्तारण की जानकारी दी गई। वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। तजना नदी स्थित मुक्तिधाम की सामूहिक सफाई एवं वृक्षारोपण किया गया। बड़ाईक टोली एवं सेनिटेशन पार्क में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। साहू तालाब की व्यापक सफाई कर स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता का संदेश दिया गया।

वहीं आज बाजार टाँड़ स्थित वेंडर मार्केट में सामूहिक सफाई अभियान के साथ कार्यक्रम का समापन किया जाएगा।

मौके पर , नगर पंचायत अध्यक्षा रानी टूटी ने कहा कि स्वच्छता की भावना प्रत्येक व्यक्ति के मन में होनी चाहिए। यदि समाज के सभी लोग स्वच्छता को अपनी जिम्मेदारी समझें, तो अनेक बीमारियों से बचा जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रारंभ किए गए स्वच्छ भारत अभियान को जन-आंदोलन बनाने की आवश्यकता है। सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

नगर प्रबंधक मोनिस सलाम ने कहा कि 5 जून से चल रहे स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत तालाबों, मुक्तिधामों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों की विशेष सफाई की जा रही है। हमारा उद्देश्य लोगों को यह संदेश देना है कि स्वच्छता ही स्वास्थ्य की सुरक्षा का सबसे प्रभावी माध्यम है।

नगर पंचायत अध्यक्षा रानी टूटी, वार्ड पार्षद दिनेश कुमार महतो, अनूप कुमार साहू, विनय नायक, मो. खालिद हुसैन, नगर प्रबंधक मोनिस सलाम, संजय कुमार (लिपिक), पर्यवेक्षक राजेश कुमार, अरुण प्रधान, जुबैदा खातून, अंजू देवी, संयुक्ता सिन्हा, अजीत महतो, जगदीश प्रधान, सफाईकर्मीगण तथा क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

झामुमो का एक दिवसीय बूथ स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन

दुमका : दुमका कन्वेंशन सेंटर में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की एक दिवसीय बूथ स्तरीय एवं इछअ-2 बैठक जिला अध्यक्ष श्री शिव कुमार बास्की की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में विधायक बसंत सोरेन, पार्टी के महासचिव बिनोद पांडेय, दुमका सांसद नलिन सोरेन, जामा विधायक डॉ. लुईस मरांडी, शिकारीपाड़ा विधायक आलोक कुमार सोरेन जी तथा जिला परिषद अध्यक्ष जॉयस बेसरा जी विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक के दौरान आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के संबंध में बीएलए-2 एवं बूथ स्तरीय कार्यकताओं को विस्तृत जानकारी और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। नेताओं ने कार्यकताओं से मतदाता सूची के प्रति सतर्क एवं सक्रिय रहने का आह्वान किया, ताकि किसी भी पात्र पुरुष या महिला मतदाता का नाम किसी भी परिस्थिति में मतदाता सूची से न छूटे या कटे।

बीएलए-2 एवं बूथ कार्यकर्ता सम्मेलन में संगठन मजबूती का संकल्प

जामताड़ा दुलाडीह में झामुमो का एक दिवसीय सम्मेलन, सैकड़ों कार्यकर्ता हुए शामिल

बिभा संवाददाता

जामताड़ा। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की जामताड़ा जिला समिति द्वारा जामताड़ा के दुलाडीह नगर भवन में एक दिवसीय बीएलए-2 एवं बूथ स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। सम्मेलन में पार्टी के केन्द्रीय महासचिव सह प्रवक्ता विनोद कुमार पाण्डेय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष नरेंद्र मुर्मू ने की।

कार्यक्रम की शुरूआत झारखंड आंदोलन के महानायक, झामुमो संस्थापक शिबू सोरेन की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि के साथ हुई। उपस्थित नेताओं और कार्यकताओं ने उनके संघर्ष और झारखंड निर्माण में दिए गए योगदान को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

सम्मेलन में जिले के विभिन्न प्रखंडों और पंचायतों से बड़ी संख्या में बीएलए-2, बूथ अध्यक्ष, सचिव एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य संगठन को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाना, बूथ प्रबंधन को मजबूत करना तथा आगामी चुनावों के लिए कार्यकताओं को प्रशिक्षित करना था।

मुख्य अतिथि विनोद कुमार पाण्डेय ने अपने संबोधन में कहा कि लोकतंत्र और संविधान की रक्षा में हर कार्यकर्ता की भूमिका अहम है। उन्होंने एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि इसके माध्यम से योग्य मतदाताओं के नाम हटाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि झामुमो इस तरह के प्रयासों का लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करेगा और हर पात्र नागरिक के मतदान अधिकार की रक्षा सुनिश्चित करेगा।

उन्होंने कार्यकताओं से अपील की कि वे अपने-अपने बूथ क्षेत्रों में जाकर मतदाता सूची का सत्यापन करें और छूटे हुए नाम जोड़ने तथा हटाए गए नामों को पुनः शामिल कराने में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि मजबूत बूथ ही मजबूत संगठन की नींव है।

सम्मेलन के दौरान कार्यकताओं को मतदाता सूची पुनरीक्षण, बूथ प्रबंधन, सदस्यता अभियान और चुनाव आयोग के दिशा-निदेर्शों की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही संगठन विस्तार और जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाने पर जोर दिया गया।

कार्यक्रम में अशोक मंडल, रवींद्र नाथ दुबे, प्रदीप कुमार मंडल, कैलाश प्रसाद, परेश यादव, इम्तियाज अंसारी, आनंद टुडू, बासुदेव मरांडी, चमेली देवी, लालू अंसारी, सगीर खान तथा मेरी मरांडी समेत कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अंत में सभी कार्यकताओं ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने और पार्टी के सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

पीवीयूएनएल की गर्ल्स एम्पावरमेंट मिशन-2026 कार्यशाला संपन्न

बिभा संवाददाता

पतरातू। पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (पीवीयूएनएल) द्वारा आयोजित गर्ल्स एम्पावरमेंट मिशन -2026 का समापन समारोह बुधवार को आरण्य गेस्ट हाउस में हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री ऋतुराज, आईएएस, उपायुक्त रामगढ़ थे। समारोह में ए.के. सहगल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, पीवीयूएनएल, रेनू सहगल, अध्यक्षा, स्वर्णरेखा महिला समिति तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर की फुटबॉल खिलाड़ी सुश्री दिव्यानी लिंडा विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम की शुरूआत छात्राओं द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत से हुई। इसके पश्चात प्रतिभागी छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं, जिनमें नाटक (स्किट), राजस्थानी लोकनृत्य, योग प्रदर्शन एवं अन्य रचनात्मक कार्यक्रम शामिल थे। छात्राओं के आत्मविश्वास, प्रतिभा और अभिव्यक्ति ने उपस्थित अतिथियों एवं अभिभावकों को अत्यंत प्रभावित किया।

समारोह के दौरान पीवीयूएनएल द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (उरफ) एवं सामुदायिक विकास (उऊ) के अंतर्गत फुटबॉल खिलाड़ी सुश्री दिव्यानी लिंडा को उनके खेल एवं प्रतिभा को प्रोत्साहित करने हेतु 2,40,000 की प्रायोजन राशि प्रदान की गई।

कार्यक्रम में गर्ल्स एम्पावरमेंट मिशन-2026 पर आधारित विशेष फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया, जिसमें कार्यशाला के दौरान छात्राओं के व्यक्तित्व विकास, सीखने की प्रक्रिया एवं उनके आत्मविश्वास में आए सकारात्मक बदलावों को दशार्या गया। फिल्म को उपस्थित अभिभावकों एवं अतिथियों ने खूब सराहा।

अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ऋतुराज, आईएएस ने पीवीयूएनएल की इस पहल की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि गर्ल्स एम्पावरमेंट मिशन ग्रामीण क्षेत्र की बालिकाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास है। उन्होंने छात्राओं की प्रतिभा, आत्मविश्वास एवं प्रस्तुति कौशल की प्रशंसा करते हुए कहा कि पीवीयूएनएल केवल विद्युत उत्पादन ही नहीं, बल्कि आसपास के गांवों के सामाजिक विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होंने भविष्य में भी इस प्रकार की पहल को निरंतर जारी रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

इस अवसर पर ए.के. सहगल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, पीवीयूएनएल ने अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि गर्ल्स एम्पावरमेंट मिशन के माध्यम से छात्राओं के व्यक्तित्व, आत्मविश्वास एवं नेतृत्व क्षमता में उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिला है। उन्होंने कहा कि पीवीयूएनएल का उद्देश्य बालिकाओं को शिक्षा, जागरूकता एवं कौशल विकास के माध्यम से आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाना है। उन्होंने कार्यक्रम की सफलता में सहयोग देने वाले अभिभावकों, विद्यालयों एवं सभी सहभागी संस्थाओं का आभार व्यक्त किया।

समारोह में बड़ी संख्या में अभिभावक, पीवीयूएनएल के अधिकारी, कर्मचारी एवं स्वर्णरेखा महिला समिति की सदस्याएं उपस्थित थीं। कार्यक्रम का समापन छात्राओं को प्रमाण-पत्र एवं स्मृति-चिह्न प्रदान कर किया गया।

केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने रामगढ़ में किया 20 किलोवाट एफएम ट्रांसमीटर का उद्घाटन

बिहान भारत

जैसलमेर। रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को आकाशवाणी जयपुर परिसर से जैसलमेर जिले के रामगढ़ में स्थापित 20 किलोवाट क्षमता के आकाशवाणी एफएम ट्रांसमीटर का वर्चुअल उद्घाटन किया। इस नई सुविधा के शुरू होने से राजस्थान में एफएम ट्रांसमीटरों की संख्या बढ़कर 39 हो गई है।

नए ट्रांसमीटर के माध्यम से सीमावर्ती क्षेत्र में लगभग 80 किलोमीटर के दायरे में रेडियो प्रसारण उपलब्ध होगा। इससे जैसलमेर जिले के करीब 20 हजार वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में रहने वाले लोगों को समाचार, शिक्षा, कृषि, जनकल्याण और मनोरंजन से जुड़े कार्यक्रमों का लाभ मिलेगा।

बदलते तकनीकी दौर में रेडियो प्रसारण को प्रासंगिक और प्रभावशाली बनाए रखने के लिए ₹डिजिटल फर्स्ट₹ और ₹हाइपर-लोकल₹ दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है।

उद्घाटन समारोह में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रसार भारती के अधिकारियों को इस दिशा में रोडमैप तैयार करने के निर्देश दिए तथा स्थानीय कलाकारों और शिल्पकारों को प्रसारण व्यवस्था से जोड़ने पर जोर दिया।

उन्होंने जयपुर में विकसित किए जा रहे एआई डेटा सेंटर का उल्लेख करते हुए इसे भविष्य की तकनीकी आवश्यकताओं को पूरा करने वाला महत्वपूर्ण कदम बताया।

कार्यक्रम में प्रसार भारती के अध्यक्ष प्रसून जोशी ने कहा कि आकाशवाणी और दूरदर्शन जैसे संस्थान आज भी समाज की जड़ों से जुड़े हुए हैं और जनसामान्य तक विश्वसनीय सूचना पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। यह ट्रांसमीटर सीमावर्ती क्षेत्रों में आकाशवाणी और दूरदर्शन की पहुंच को मजबूत करेगा तथा ₹कश्मीर से कच्छ₹ तक प्रसारण अवसंरचना को सुदृढ़ बनाने की परिकल्पना को आगे बढ़ाएगा। इससे सीमा क्षेत्र के लोगों को राष्ट्रीय और स्थानीय स्तर की सूचनाएं अधिक प्रभावी ढंग से उपलब्ध हो सकेंगी।

आकाशवाणी जयपुर परिसर में आयोजित समारोह में राजस्थान के ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, जयपुर सांसद मंजू शर्मा, आकाशवाणी के महानिदेशक राजीव कुमार जैन सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। वहीं जैसलमेर सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम में शामिल हुए।

संक्षिप्त खबरें

पूर्व मध्य रेल के समस्तीपुर मंडल में सुरक्षा व्यवस्था के लिए तकनीकी सशक्तिकरण

हाजीपुरः रेल यात्रियों की सुरक्षा, कानून-व्यवस्था के प्रभावी क्रियान्वयन तथा कार्यप्रणाली में पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से ट्रेनों गश्ती दल में तथा संवेदनशील स्थानों पर कार्यरत रेलवे सुरक्षा बल के कर्मियों को अत्याधुनिक जीपीएस युक्त बॉडी वॉर्न कैमरे उपलब्ध कराए गए हैं। यह पहल रेलवे परिसरों एवं ट्रेनों में सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। विदित हो कि समस्तीपुर मंडल में 37 गैर जीपीएस युक्त बॉडी वॉर्न कैमरा पहले से ही कार्य कर रहा है । इसके साथ ही अब 20 नये जीपीएस युक्त बॉडी वॉर्न कैमरे रेलकर्मियों को दिए गए हैं । इन नये बॉडी वॉर्न कैमरों में अलग से मेमोरी कार्ड लगाकर स्टोरेज की क्षमता भी बढ़ाया जा सकता है। इन कैमरों के माध्यम से ड्यूटी के दौरान होने वाली गतिविधियों का वास्तविक समय में रिकॉर्ड रखा जा सकेगा। कैमरों में उपलब्ध जीपीएस सुविधा के कारण नियंत्रण कक्ष द्वारा संबंधित आरपीएफ कर्मियों की लोकेशन की निगरानी भी की जा सकेगी, जिससे आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित होगी।

केन्द्रीय सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, पटना में 100 दिवसीय टीबी मुक्त-अभियान का आयोजन

हाजीपुरः केन्द्रीय सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, पटना के ओपीडी परिसर में 100 दिवसीय सघन टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत Pediatric TB विषय पर जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन माननीय चिकित्सा निदेशक डॉ सुबोध कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत डॉ स्वीटी कुमारी, मंडल चिकित्सा अधिकारी के द्वारा की गई जिन्होंने उपस्थित जनसमूह को आयोजन के उद्देश्य , महत्व एवं लक्ष्य से अवगत कराया। तत्पश्चात कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ फैजान के द्वारा बच्चों में टीबी के लक्षणों, समय पर पहचान, उपलब्ध जॉचों तथा नियमित उपचार के महत्व के बारे में बताया। इसके उपरांत शिशु रोग विभागाध्ययक्ष एवं अतिरिक त मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ ए. के. ओझा ने अपने संबोधन में Pediatric TB की रोकथाम, जॉच, टीकाकरण का महत्व एवं समय से चिकित्सकीय परामर्श के महत्व पर विशेष रूप से बल दिया। कार्यक्रम के अंत में चिकित्सा निदेशक डॉ सुबोध कुमार मिश्रा ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा Pediatric TB मामलों में जन जागरूकता, समय पर जॉच एवं नियमित उपचार की बहूत महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने, टीबी के लक्षण दिखने पर तुरंत चिकित्सा सहायता एवं BCG टीकाकरण के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में लगभग 200 से ज्यादा मरीजों एवं उनके परिजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया एवं Pediatric TB से संबंधित महत्वयपूर्ण जानकारी प्राप्त किया।

ऑपरेशन अमानत एवं ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत आरपीएफ ने यात्रियों को उनका खोया सामान लौटाया तथा बच्चों की सहायता की

बिहान भारत

आसनसोलः रेलवे सुरक्षा बल , आसनसोल मंडल ने 10 जून 2026 को ऑपरेशन अमानत एवं ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के अंतर्गत यात्रियों के खोए हुए सामान को बरामद कर उन्हें वापस सौंपा तथा बच्चों को आवश्यक सहायता प्रदान की। रेल मदद पर प्राप्त शिकायत के आधार पर आरपीएफ/मधुपुर ने ट्रेन संख्या 13048 में छूट गया एक मोबाइल फोन बरामद कर सत्यापन के उपरांत उसके स्वामी को लौटा दिया। बरामद मोबाइल फोन का अनुमानित मूल्य लगभग 17,000 था।

आरपीएफ पोस्ट/पश्चिम, आसनसोल ने आसनसोल स्टेशन के द्वितीय श्रेणी प्रतीक्षालय से एक मोबाइल फोन बरामद किया तथा आवश्यक औपचारिकताएँ पूर्ण करने के बाद उसे उसके स्वामी को सौंप दिया। बरामद मोबाइल फोन का अनुमानित मूल्य लगभग 6,200 था।

एक अन्य मामले में आरपीएफ/जसीडीह ने ट्रेन संख्या 13332 में छूट गया महत्वपूर्ण चिकित्सीय दस्तावेजों से युक्त एक बैग बरामद किया। स्वामित्व की पुष्टि के उपरांत उक्त दस्तावेज संबंधित यात्री को वापस कर दिए गए।

ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के अंतर्गत आरपीएफ/चित्तरंजन ने तीन नाबालिग बालिकाओं की सहायता की तथा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार उन्हें आगे की सहायता हेतु चाइल्ड हेल्प डेस्क को सुपुर्द किया।

एक अन्य मामले में आरपीएफ/जामताड़ा ने यात्रा के दौरान अकेले पाए गए 13 वर्षीय बालक की सहायता की तथा आगे की देखभाल एवं मार्गदर्शन हेतु उसे चाइल्ड हेल्प डेस्क को सौंपा।

यात्रियों के खोए हुए सामान की बरामदगी एवं उन्हें वापस लौटाने के साथ-साथ बच्चों को समय पर सहायता उपलब्ध कराना, यात्रियों की सुरक्षा एवं सुविधा सुनिश्चित करने में आरपीएफ की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है। यात्री यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की सहायता के लिए रेल मदद पोर्टल अथवा रेलवे हेल्पलाइन संख्या 139 का उपयोग कर सकते हैं। इस प्रकार की पहलें आसनसोल मंडल में सुरक्षित, संरक्षित एवं यात्री-अनुकूल रेल यात्रा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं।

सुरक्षित एवं सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए आसनसोल मंडल ने मानसून तैयारियों को दी गति

बिहान भारत

आसनसोलः पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल ने आगामी मानसून के मद्देनजर अपनी तैयारियों को और सुदृढ़ करते हुए 11 जून 2026 को कुमरडूबी एवं रानीगंज स्टेशनों पर सघन नाला सफाई एवं गाद निकासी अभियान चलाया। इस पहल का उद्देश्य प्रभावी जल निकासी सुनिश्चित करना, जलभराव की संभावना को कम करना तथा स्टेशन परिसरों में स्वच्छता बनाए रखना है।

अभियान के दौरान नालों से गाद, जमा कचरा तथा अन्य अवरोधों को हटाया गया ताकि वर्षा जल का निर्बाध प्रवाह सुनिश्चित किया जा सके और स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाया जा सके। संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कार्यों की निगरानी कर उनके प्रभावी निष्पादन को सुनिश्चित किया।

यह अभियान मंडल में चलाए जा रहे व्यापक मानसून तैयारी कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसके अंतर्गत स्टेशनों, रेलवे कॉलोनियों तथा अन्य सेवा परिसरों में जल निकासी व्यवस्था को सुदृढ़ करने और स्वच्छता बनाए रखने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि भारी वर्षा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा उत्पन्न न हो।

इन निवारक उपायों के माध्यम से आसनसोल मंडल यात्रियों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराने के साथ-साथ मानसून के दौरान रेलवे अवसंरचना के सुचारु संचालन को सुनिश्चित करने की दिशा में कार्य कर रहा है।

मंडल के विभिन्न स्टेशनों एवं परिसरों में आगामी दिनों में भी नाला सफाई एवं गाद निकासी अभियान जारी रहेगा, जिससे मानसून के दौरान प्रभावी जल निकासी सुनिश्चित की जा सके तथा रेलवे परिसरों में स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण बनाए रखा जा सके।

ट्रेन सुरक्षा और गति को बढ़ावा देने के लिए बहरामपुर कोर्ट स्टेशन पर बड़ा तकनीकी अपग्रेड

बिहान भारत

कोलकाताः रेल बुनियादी ढांचे (इंफ्रास्ट्रक्चर) के आधुनिकीकरण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, पूर्व रेलवे ने बहरामपुर कोर्ट स्टेशन पर अत्यंत महत्वपूर्ण नॉन-इंटरलॉकिंग इलेक्ट्रॉनिक सिग्नलिंग कार्य को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। यह व्यापक तकनीकी अपग्रेड पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक (जनरल मैनेजर) श्री मिलिंद देउस्कर के गतिशील नेतृत्व में संपन्न हुआ है, जिनकी दूरदर्शी सोच इस जोन में सुरक्षा, समयपालन (पंक्चुअलिटी) और सुचारू ट्रेन संचालन को लगातार बढ़ावा दे रही है। इस अपग्रेड के तहत पुरानी, मैनुअल प्रणालियों की जगह उन्नत इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम लागू किए गए हैं, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि ट्रेनें स्टेशन से बहुत तेजी से गुजर सकेंगी और मानवीय त्रुटि (ह्यूमन एरर) की गुंजाइश भी काफी कम हो जाएगी। आम यात्रियों के लिए, बैक-एंड के ये तकनीकी बदलाव सीधे तौर पर एक अधिक सुगम यात्रा का अनुभव प्रदान करेंगे—इससे स्टेशन के बाहर होने वाली अप्रत्याशित देरी समाप्त होगी, विश्व स्तरीय सुरक्षा परतों के माध्यम से सुरक्षा बढ़ेगी और क्षमता का विस्तार होगा ताकि नेटवर्क बिना किसी बाधा के एक साथ कई लोकल पैसेंजर और भारी मालगाड़ियों को संभाल सके। इस पूरे कार्य को सियालदह डिवीजन के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) श्री राजीव सक्सेना के कुशल मार्गदर्शन और गहन निगरानी में कुशलतापूर्वक क्रियान्वित किया गया है। स्टेशन की क्षमता को बड़े पैमाने पर बढ़ाने के लिए, पूर्व रेलवे ने नए सेटअप में महत्वपूर्ण ट्रैक और रूट विस्तार को शामिल किया है। बहरामपुर कोर्ट पर तीन बिल्कुल नई कॉमन लूप लाइनें प्रदान की गई हैं ताकि अधिक ट्रेनें सुरक्षित रूप से रुक सकें या गुजर सकें। इनमें लूप लाइन 3 के लिए 594 मीटर, लूप लाइन 4 के लिए 377 मीटर और लूप लाइन 5 के लिए 348 मीटर का क्लियर स्टैंडिंग रूम तैयार किया गया है। इन नए ट्रैकों के साथ-साथ, मौजूदा लाइनों के क्लियर स्टैंडिंग रूम की लंबाई भी काफी बढ़ा दी गई है; जिसमें लाइन 1 को 680 मीटर से बढ़ाकर 890 मीटर और लाइन 2 को 564 मीटर से बढ़ाकर 807 मीटर किया गया है। ट्रैक बुनियादी ढांचे में हुई इस भारी वृद्धि को सुचारू रूप से संभालने के लिए, स्टेशन के उपलब्ध ऑपरेशनल रूटों की संख्या को 25 से दोगुना करके 50 कर दिया गया है, जो सीधे तौर पर यार्ड के माध्यम से एक साथ ट्रेनों की आवाजाही को सक्षम बनाता है।

इस आधुनिक स्टेशन की पूरी रीढ़ अत्याधुनिक सिग्नल और टेलीकॉम इंजीनियरिंग पर टिकी है ताकि पूर्ण विश्वसनीयता सुनिश्चित की जा सके। बहरामपुर कोर्ट में ठक्कढडठ द्वारा निर्मित एक नया डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम चालू किया गया है, जिसे मास्टर ऑपरेटरों के लिए ड्युअल वीडियो डिस्प्ले यूनिट सिस्टम के साथ जोड़ा गया है। मेन लाइन पर 48 डिटेक्शन पॉइंट वाले मेसर्स फ्रॉशर के ड्युअल मल्टी-सेक्शन डिजिटल एक्सल काउंटर सिस्टम की स्थापना के माध्यम से सुरक्षा और ट्रेन ट्रैकिंग को और बेहतर बनाया गया है। वहीं, लूप लाइनों की निगरानी एक एकीकृत मल्टी-सेक्शन डिजिटल एक्सल काउंटर ट्रैक डिटेक्शन लेआउट और पूर्ण फेलसेफ सुरक्षा के लिए रेडंडेंट डीसी ट्रैक सर्किट के संयोजन द्वारा की जा रही है। फिजिकल ट्रैक स्विचिंग को अब 11 नए स्थापित पॉइंट मशीनों द्वारा प्रबंधित किया जा रहा है, जिससे 5 पुराने मौजूदा मोटर पॉइंटों को हटाना संभव हो सका। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग हब को एक विशेष रिंग अर्थ ग्रिड द्वारा सुरक्षित किया गया है, यह स्टैटकॉन एनर्जिया द्वारा निर्मित इंटीग्रेटेड पावर सप्लाई सिस्टम के 2 सेटों पर निर्भर करता है, और बिजली गिरने से बचाने के लिए इमारत के अंदर एक ₹अ₹ क्लास सर्ज प्रोटेक्शन सिस्टम द्वारा इसे खराब मौसम के खिलाफ पूरी तरह से सुरक्षित किया गया है। इस बुनियादी ढांचे को फ्यूज अलार्म सिस्टम, अर्थ लीकेज डिटेक्टर, ऑटोमैटिक फायर डिटेक्शन एंड अलार्म सिस्टम और अपग्रेड की गई लेवल क्रॉसिंग सुरक्षा संपत्तियों के साथ पूरा किया गया है, जिसमें एलसी गेट 129/ए और एलसी गेट 132/टी पर नए इलेक्ट्रिक लिफ्टिंग बैरियर और विशेष रूप से एलसी गेट 129/ए पर एक बिल्कुल नया गेट पैनल लगाया गया है।

इस मील के पत्थर के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री शिबराम माझी ने कहा, बहरामपुर कोर्ट में इस उन्नत इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम का सफल कमीशनिंग हमारे यात्रियों को एक अति-सुरक्षित, अत्यधिक कुशल और पूरी तरह से विश्वसनीय समयपालन-संचालित रेल नेटवर्क प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता में एक बड़ी छलांग है।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com